सूर्योदय 6.19 सूर्यास्त 5:58

आज का तापमान

शिमला	13.0 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	17.0 न्यू	24.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	72,638.70
निफ्टी	22,603.05

सोना 1,48,000 चांदी 2,22,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 8 अक्तूबर 2026 | 22 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 164, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

2026 का केमिस्ट्री नोबेल फ्रांस-जापान के वैज्ञानिकों को मिला



एजेंसी, स्टॉकहोम। 2026 का केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के केन्सो सोआई को दिया गया है। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। हेनरी बी. कागन और केन्सो सोआई ने यह समझाने में बड़ी मदद की कि मिरर इमेज जैसे दिखने वाले दो अणुओं में से सिर्फ एक को कैसे बनाया जा सकता है। यह खोज खास तौर पर दवाएं बनाने में काम आ रही है। नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है।

फॉक्स न्यूज ज्वाइन करेंगी ट्रंप की पूर्व प्रेस सेक्रेटरी लेविट

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पूर्व प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिना लेविट अब फॉक्स न्यूज से जुड़ने जा रही हैं। लेविट ने अगस्त में अपने दो बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए व्हाइट हाउस का पद छोड़ा था। अब वह नवंबर से फॉक्स न्यूज में ऑन-एयर कंट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगी। फॉक्स न्यूज को ट्रम्प का पसंदीदा चैनल माना जाता है, हालांकि हाल के दिनों में ट्रंप ने इसकी कवरेज को लेकर नाराजगी भी जताई है। लेविट 27 साल की उम्र में अमेरिका की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनी थीं। उन्होंने 12 अगस्त यह पद छोड़ने का ऐलान किया था।



वृंदावन के गुरुकुलम में वाटर टैंक में चार विद्यार्थियों की मौत

एजेंसी, मथुरा। उत्तर प्रदेश में जनपद मथुरा के वृंदावन के चैतन्य विहार सेक्टर- दो स्थित पाणिनि संस्कृत गुरुकुलम में मंगलवार रात पानी के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्र का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद से गुरुकुलम का संचालक फरार है। मंगलवार रात करीब 10 बजे गुरुकुल संचालक आचार्य आशीष ने छात्रों को पीछे बने लगभग 12 फीट गहरे बंद पानी के टैंक को साफ करने के लिए कहा। पुलिस ने बताया कि निर्देश मिलने पर पांच छात्र सफाई के लिए उतरे। सबसे पहले मनु कटारे टैंक का ढक्कन खोलकर अंदर उतरे, जहां जहरीली गैस के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें बचाने के चक्कर में एक-एक करके बाकी छात्र टैंक में उतर गए और उसकी चपेट में आ गए। छात्रों की चीख-पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाले कृष्णा तिवारी पहुंचे और अन्य आचार्यों व छात्रों की मदद से सभी को बाहर निकाला।

भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा : पीएम मोदी

भारत में जन्म लेना ही अमृत है, पीएम ने राष्ट्रसेवा को बताया सर्वोच्च

एजेंसी, नई दिल्ली। 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया।

उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो। मोदी ने कहा, 'हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।

कई विभीषिकाएं, लेकिन कभी साहस नहीं टूटा



पीएम ने कहा, 'हमारे दिल की हर धड़कन में क्या एक ही संकल्प नहीं गूंजना चाहिए कि हमें प्राचीन भारत के गौरव को पुनर्जीवित करना है। कभी भारत विश्व की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता था। समय का चक्र बदला, गुलामी का कालखंड आया, भारत को लूटकर तबाह कर दिया गया। जो भारत दुनिया को दिशा दिखाता था, उसके पुस्तकालय जला दिए गए। छोटे-छोटे संकट विकराल होने लगे। अकाल, कई विभीषिकाएं, लेकिन तब भी मां भारती की संतानों का साहस नहीं टूटा।'

मोदी बोले- ये समय आराम का नहीं है

पीएम ने कहा, 'हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया मेड इन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी। ये लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब हम दूरदर्शी नीतियां बनाएं और परिश्रम की पराकाष्ठा करें।' उन्होंने कहा, 'अब ये समय आराम का नहीं है। ये समय सोच के साथ आगे बढ़ने का है। देश के लिए खुद को खपा देने का है। आज भारत में जितने युवा हैं, वो इतिहास से मिला बहुत बड़ा मौका है, जिसे हमें गंवाना नहीं है।

आरबीआई ने साढ़े 3 साल बाद बढ़ाया रेपो रेट, 5 .25 फीसदी से बढ़ाकर 5 .5 किया



◆ महंगाई बढ़ी, अब कर्ज लेना व चुकाना भी महंगा

◆ जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

एजेंसी, मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने के साथ प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को करीब साढ़े तीन साल बाद 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सोमवार से शुरू तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों की बुधवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों पर गौर करते हुए एमपीसी ने आम सहमति से रेपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी करने का निर्णय किया। इसके साथ एमपीसी ने अपने रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'जरूरत के अनुसार सख्त' करने का निर्णय किया।

रेपो रेट यह वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो रेट बढ़ाने से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त बढ़ सकती है। उल्लेखनीय है कि यह फरवरी 2023 के बाद पहला मौका है जब नीतिगत ब्याज दर में वृद्धि की गई है।

इससे पहले पिछले साल फरवरी से दिसंबर 2025 तक रेपो रेट में कुल 1.25 फीसदी की कटौती की गई थी। इस साल फरवरी, अप्रैल, जून तथा अगस्त की द्विमासिक मौद्रिक नीति की समीक्षा बैठक में नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया गया था। वहीं, आरबीआई ने बुधवार को फिच, मूडीज, एसएंडपी और विश्व बैंक के बाद अब चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 0.40 फीसदी बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है।

राहुल और प्रियंका को पुलिस ने धरने से उठाया

एजेंसी, नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल और प्रियंका गांधी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इस बार दोनों जंतर-मंतर के 200 मीटर पहले सड़क पर बैठ गए। सुरक्षा बलों ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया तो प्रियंका संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेट गईं। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ता की सुरक्षाबलों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इससे पहले राहुल-प्रियंका विपक्षी सांसदों के साथ सागर रत्ना रेस्टोरेंट में लंच के बाद जंतर-मंतर के लिए निकले थे। लंच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया था। इस लंच में सपा के नेता नहीं पहुंचे। एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से ज्यादा सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद राहुल और प्रियंका ने आकाशवाणी परिसर में 8 घंटे धरना दिया था। इस दौरान राहुल और प्रियंका को दो बार हिरासत में लिया गया। आकाशवाणी परिसर में जबरन घुसने पर दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढही, एक बच्चे समेत सात घायलों को निकाला



एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में बुधवार को चार मंजिला इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इमारत का मलबा आसपास के दो-तीन मकानों के कुछ हिस्सों पर भी गिरा है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को इमारत गिरने की सूचना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दिल्ली पुलिस, नगर निगम के अधिकारी और नागरिक सुरक्षा कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंचे और तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया। एक तीन साल के बच्चे समेत सात घायलों को निकालकर अस्पताल भेजा गया है। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि कुछ लोगों को बचाकर अस्पताल भेजा गया है, जबकि दो-तीन लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। उन्होंने कहा, 'यह 225 वर्ग फुट क्षेत्र में बनी चार मंजिला इमारत है। कुछ लोगों को बचाकर अस्पताल भेजा गया है, लेकिन हमें आशंका है कि दो-तीन लोग अभी भी मलबे में फंसे हैं। बचाव अभियान जारी है।'

एचआरटीसी को मिलेंगी 1,500 ई-बसें : सुक्खू

ऊना जिले में पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करने के निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार आने वाले समय में हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) को 1,500 नई ई-बसें उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को नई ई-बसों की न्यूनतम रेंज 350 किलोमीटर रखने और उन्हें प्रदेश के पहाड़ी व कठिन भौगोलिक क्षेत्रों के अनुकूल बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने ऊना जिले और नालागढ़ स्थित क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बसों से संचालित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एचआरटीसी को पहले ही 297 ई-बसें उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं और आने वाले समय में इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। राज्य सरकार हाइड्रोजन से चलने वाली



बसें शुरू करने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि भविष्य में 100 ग्रीन हाइड्रोजन बसें और 100 सुपर डीलक्स बसें भी खरीदी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में ई-चार्जिंग अधोसंरचना के विकास में तेजी लाने के निर्देश दिए। एचआरटीसी के अधिकारियों को 30 ई-वाहन भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के राजस्व में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2021-22 में विभाग का राजस्व 510 करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 995 करोड़ रुपए हो गया। उन्होंने विभाग में खाली पड़े पदों को भरने के लिए राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इसी बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने 'चालान 2 पे' पहल का भी शुभारंभ किया। इस व्यवस्था के तहत लोग चालान जारी होने के स्थान पर ही सुरक्षित और रियल-टाइम डिजिटल माध्यम से चालान राशि का भुगतान कर सकेंगे। इससे भुगतान के लिए सरकारी कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों को एक्सिस बैंक की ओर से पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

सीबीआई भाजपा की केंद्र सरकार की कठपुतली : सीएम भगवंत मान



◆ कहा- कुछ नहीं मिला, अब समन का दे देंगे जवाब

एजेंसी, चंडीगढ़। मंगलवार को पंजाब भर में आठ जगहों पर हुई सीबीआई की छापामारी व बुधावर को सीबीआई द्वारा मुख्यमंत्री के ओएसडी को जारी किए सम्मान पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सीबीआई भाजपा की केंद्र सरकार की कठपुतली है।

सीबीआई के हाथ इस छापामारी दौरान कुछ नहीं लगा है। सीबीआई क्लीन चिट देकर जाएगी। ओएसडी को जारी किए गए समन पर मान ने कहा कि नोटिस का जवाब दे दिया जाएगा। धूरी में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का नींव पत्थर रखने से पहले पत्रकारों से बातचीत दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले संबंधित राज्य में सीबीआई, ईडी सहित अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों को अपने विरोधियों पर हथियार की तरह इस्तेमाल करती है। मान ने कहा कि भाजपा बाजू मरोड़ कर पंजाब में सत्ता हासिल करने चाहती है, लेकिन पंजाब के लोग यह बर्दाश्त नहीं करेगी। मामला सुप्रीम कोर्ट में है., लेकिन सीबीआई ने 24 घंटे में ही एक्शन ले लिया है, जबकि सीबीआई में कई मामले 20-20 वर्षों से लंबित हैं, जिस पर सीबीआई कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। सीबीआई ने जाकर शायद प्रधानमंत्री से कह दिया होगा कि वहां पर कुछ नहीं मिला, हमारा टाइम ही खराब हुआ है।

राज्यसभा चुनाव ने बता दिया उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम : सीएम योगी



◆ सेवा ज्योति यात्रा 'विकसित भारत संकल्प सभा' कार्यक्रम को किया संबोधित

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को जीपीओ स्थित पटेल पार्क में सेवा ज्योति यात्रा 'विकसित भारत संकल्प सभा' कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने 'जनसेवा से देशसेवा' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में योगी ने परोक्ष रूप से समाजवादी पार्टी (सपा) पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव ने बता दिया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम क्या होने जा रहा है। यह लड़ाई फिर 80-20 की हो गई है। 80 फीसदी एनडीए और 20 फीसदी पीडीए का हिस्सा है। पीडीए का क्या हाल होगा, यह बाद में पता चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक सेवा के अहर्निश 25 वर्ष पूरे होने पर हर भारतवासी के लिए आज गौरव का दिन है। गुजरात के छोटे से गांव से निकलकर वह भारत को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। एक सामान्य कार्यकर्ता/स्वयंसेवक ने वैश्विक स्तर पर देश को नई पहचान दिलाई। योगी ने बताया कि सात अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पद व गोपनीयता की शपथ ली थी। उस समय भीषण आपदा के कारण गुजरात में हाहाकार मचा हुआ था और देश भर में चिंता का माहौल था, तो दूसरी ओर समाज-राष्ट्र विरोधी तत्व अराजकता व अव्यवस्था का तांडव पैदा करना चाहते थे। उन स्थितियों में नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला था।

सुप्रीम कोर्ट चुनाव-आयुक्तों की नियुक्ति वाले फैसले की करेगा जांच

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े अपने फैसले की फिर से जांच करेगा। 23 सितंबर को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने इस मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने के मुद्दे पर अलग-अलग राय दी थी।

जस्टिस दत्ता ने कहा था कि मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने की जरूरत नहीं है। वहीं, जस्टिस शर्मा ने मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने का समर्थन किया था, लेकिन इस फैसले पर अर्जी में जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा को लेकर पक्षपात की आशंका जताई गई है। उनके बेटे मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के स्टैंडिंग काउंसिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का 25 साल का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा व जनकल्याण को रहा समर्पित : सीएम धामी



◆ पीएम के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर धामी ने काशी विश्वनाथ में की पूजा

एजेंसी, उत्तरकाशी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को उत्तरकाशी स्थित पौराणिक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और उनके स्वस्थ, दीर्घायु व यशस्वी जीवन की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान के तहत उत्तरकाशी में विकसित भारत संकल्प सभा व सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ करने मुख्यमंत्री धामी सुबह जोशियाड़ा हेलिपैड पहुंचे। वहां गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, किशोर भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे व बाबा विश्वनाथ तथा शक्ति मंदिर में पूजा-अर्चना की।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घ, स्वस्थ व सफल सार्वजनिक जीवन के लिए बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद मांगा। साथ ही प्रदेश की सुख-समृद्धि, जनपद के निरंतर विकास और जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और देश के विकास के प्रति समर्पण का काल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन में देश को नई दिशा और नई ऊर्जा देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की कि देश इसी प्रकार प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

सीएम नायब सैनी ने नाहन पहुंचकर दिवंगत विनय के परिवार से की भेंट



भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को नाहन पहुंचकर भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत विनय गुप्ता के निवास पर उनके परिवारजनों से भेंट की और अपनी गहरी शोक संवेदनाएं प्रकट कीं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विनय गुप्ता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें। डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि विनय गुप्ता का निधन परिवार, समाज और पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से उत्पन्न रिक्तता को भर पाना कठिन है। इस अवसर पर सांसद सुरेश कश्यप, जिला अध्यक्ष धीरज गुप्ता सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

अवसर दस वर्ष पहले 17 करोड़ रुपए की पहली किस्त की मंजूरी के साथ हमीरपुर के बड़ा में किया गया था शिलान्यास

सियासत में उलझा हिमाचल का स्पाइस पार्क अब फिर पकड़ेगा रफ्तार



◆ हिमाचल का पहला व देश का नौवां होगा स्पाईस पार्क

◆ हल्दी और अदरक समेत हिमाचली मसालों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय बाजार

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सियासत की भेंट चढ़ चुका हिमाचल प्रदेश का पहला व देश का नौवां स्वीकृत स्पाईस पार्क को बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने जब अपने बजट में स्वीकृति दी, तो अब इस पर कार्य भी शुरू हो गया है।

गत मार्च में प्रदेश का बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने इस स्पाईस पार्क को बनाने पर मोहर लगाई है। अब इसे जायका, कृषि विभाग व स्पाईस बोड़ पीपीपी मोड पर तैयार करेंगे। इसके लिए जहां जायका कुल खर्च का 25 प्रतिशत खर्च करेगा। वहीं, कृषि विभाग उपयुक्त भूमि को स्पाईस पार्क बोड़ को सौंपेगा। इसके बाद 75 प्रतिशत हिस्सेदारी से बोड़ इसका निर्माण करेगा। बतातें चलें कि प्रदेश के हमीरपुर जिला में गांव धनपुर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र से बड़ा पंचायत में 118 कनाल भूमि लेकर पांच मार्च 2014 को तत्कालीन वाणिज्य व उद्योग मंत्री आनंद शर्मा एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने लोकसभा चुनावों से पहले आनन-फानन में इस स्पाईस पार्क का शिलान्यास किया था।

इसके लिए पहली किस्त के तौर पर 17 करोड़ भी जारी किए गए, लेकिन प्रदेश में वर्ष 2017 तक कांग्रेस सरकार होते हुए भी इस पार्क का काम शुरू नहीं हो पाया। हालात ऐसे बने कि यह पार्क सियासत की भेंट चढ़ गया और स्थानीय किसानों द्वारा तैयार किए जाने वाले मसालों के सपने यूरोप व यूएसए की दुनिया में जाने से पहले ही चकनाचूर हो गए। वर्तमान में देश के विभिन्न प्रदेशों में आठ स्पाईस पार्क स्थापित हैं, जो अपना कार्य भी कर रहे हैं। हिमाचल में ऐसा कोई पार्क नहीं था और उस समय वर्तमान मुख्यमंत्री ने इसे यहां स्वीकृत करवाया। प्रदेश में तैयार किए जाने वाले हल्दी, अदरक, धनिया, सौंफ , मेथी जैसे मसालों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाने के लिए इस पार्क को मंजूरी दी गई थी।

इससे स्थानीय किसानों की आर्थिक मजबूती होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलना तय था। इसके बाद अब हालात ऐसे हैं कि स्पाईस बोर्ड का कोई अधिकारी तक ली हुई भूमि को देखने तक नहीं आया व स्पाईस बोर्ड की साईट पर देश के नौवें पार्क का जिक्र तक नहीं है, जबकि आठ पार्क ऑन वर्क दिखाए गए हैं।

वर्तमान में यहां स्थित हैं स्पाईस पार्क

वर्तमान में कार्यरत स्पाईस पार्क मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा एवं गुनाए केरल के पुट्टाडी, राजस्थान के कोटा व जोधपुर, आंध्रप्रदेश के गुंटूर, तमिलनाडु के शिवगंगा एवं उत्तर प्रदेश के रायबरेली में स्थित है।

पानी, बिजली और अग्निशमन सहित होंगी आधुनिक सुविधाएं

एक स्पाईस पार्क को तैयार करने में उसका अपना पानी का स्त्रोत, बिजली के लिए पावर स्टेशन, फायर फाइटिंग एवं कृलिंग सिस्टम, भार तौलने वाला कांटा, ट्रीटमेंट प्लांट, क्वालिटी कंट्रोल लैब, बैंक की शाखा, पोस्ट ऑफिस, रेस्टोरेंट, एवं गेस्ट हाउस आदि सुविधाएं होती हैं।

कृषि विभाग के उपनिदेशक बीडी शर्मा ने बताया कि उनके द्वारा स्पाईस पार्क को उपयुक्त भूमि उपलब्ध करवाना है, इसके लिए नादौन के बड़ा पंचायत की चमराल में भूमि उपलब्ध है। इसके लिए बोड़ से पत्र व्यवहार चल रहा है।

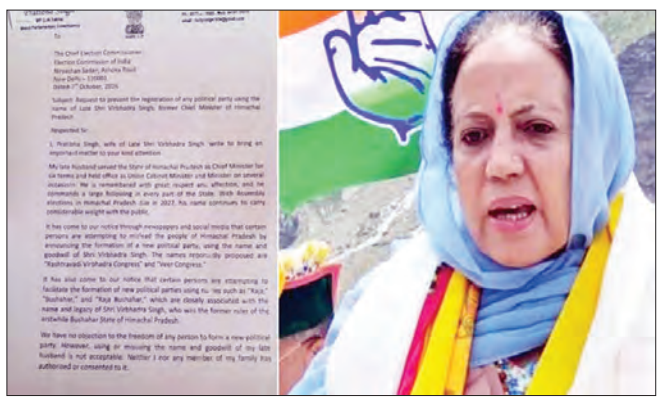
जायका प्रोजेक्ट के निदेशक सुनील चौहान ने बताया कि इसे पीपीपी मोड पर बनाया जाएगा, जिसके लिए 25 प्रतिशत खर्च जायका खर्च करेगा, बाकि बोर्ड खर्च करेगा।

राजा वीरभद्र के नाम पर राजनीतिक दल के गठन पर प्रतिभा सिंह ने जताई आपत्ति

चुनाव आयोग से वीरभद्र की विरासत से जुड़े नामों पर रोक लगाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के नाम और उनकी राजनीतिक विरासत से जुड़े नामों पर प्रस्तावित राजनीतिक दलों के गठन को लेकर पूर्व सांसद प्रतिभा सिंह ने चुनाव आयोग के समक्ष आपत्ति जताई है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र भेजकर 'राष्ट्रवादी वीरभद्र कांग्रेस' और 'वीर कांग्रेस' जैसे नामों से किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने 'राजा', 'बुशहर' और 'राजा बुशहर' नामों से राजनीतिक दल बनाने के प्रयासों पर भी आपत्ति जताई है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि उन्हें ऐसे प्रयासों की जानकारी समाचार पत्रों और इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मिली है।

प्रतिभा सिंह ने चुनाव आयोग से कहा कि कानून के तहत किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक दल बनाने की स्वतंत्रता है, लेकिन किसी दिवंगत नेता के नाम, पहचान और प्रतिष्ठा का इस्तेमाल उनकी अथवा उनके परिवार के सदस्यों की अनुमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने या उनके परिवार के किसी सदस्य ने वीरभद्र सिंह के नाम से अथवा उनसे जुड़े किसी नाम से राजनीतिक दल बनाने के लिए किसी व्यक्ति या संगठन को अनुमति या सहमति नहीं दी है। उन्होंने आयोग से ऐसे किसी भी आवेदन पर विचार करते समय संबंधित पक्षों की भावनाओं और संभावित भ्रम को ध्यान में रखने का आग्रह किया।



परिवार की सहमति के बिना राजनीतिक विरासत के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

प्रतिभा सिंह ने आयोग से अनुरोध किया है कि वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी वीरभद्र सिंह के नाम अथवा उनसे मिलते-जुलते नामों से किसी राजनीतिक दल के गठन और पंजीकरण की अनुमति न दी जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि ऐसे किसी नाम से दल के पंजीकरण के लिए आवेदन प्राप्त होता है तो अंतिम निर्णय लेने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए।

'राजा-बुशहर' नामों को लेकर भी जताई चिंता

पत्र में प्रतिभा सिंह ने 'राजा', 'बुशहर' और 'राजा बुशहर' नामों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि ये नाम वीरभद्र सिंह की पहचान और उनकी पारिवारिक विरासत से जुड़े हैं। वीरभद्र सिंह पूर्व बुशहर रियासत के शासक परिवार से संबंधित थे और हिमाचल प्रदेश की राजनीति में उनका लंबा एवं महत्वपूर्ण राजनीतिक जीवन रहा। प्रतिभा सिंह ने चुनाव आयोग से इन नामों के राजनीतिक उपयोग को लेकर भी आवश्यक हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह की पहचान से जुड़े नामों का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किए जाने से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण की प्रक्रिया में इस पहलू पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि आयोग उनकी आपत्तियों पर उचित कार्रवाई करेगा और भविष्य में ऐसे मामलों को लेकर स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

कश्यप का कांग्रेस पर हमला, चुनाव आयोग को घेरने का आरोप

कांग्रेस चुनावी हार का ठीकरा आयोग पर फोड़कर जनता को गुमराह न करे : कश्यप

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर कांग्रेस के विरोध पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की लोकतंत्र को लेकर सुविधा की राजनीति अब जनता समझ चुकी है। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस जिस चुनाव में जीत हासिल करती है, वहां चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया उसे निष्पक्ष नजर आती है, जबकि हार मिलने पर वही संवैधानिक संस्था सवालों के घेरे में आ जाती है।

कश्यप ने कहा कि छह अक्टूबर को दिल्ली में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तथा एसआइआर के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। पुलिस द्वारा मार्च रोके जाने के बाद नेताओं ने आकाशवाणी भवन परिसर में धरना दिया और बाद में उन्हें हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार राजनीतिक प्रहार करना उचित नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश



का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद मई 2026 में हुए चार नगर निगम चुनावों में भाजपा ने मंडी, धर्मशाला और सोलन समेत तीन नगर निगमों में जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस को पालमपुर में सफलता मिली। उन्होंने सवाल किया कि क्या इन चुनावों में कांग्रेस अपनी हार के लिए भी चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराएगी।

कश्यप ने कहा कि स्थानीय निकाय और जिला परिषद के चुनाव भी कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए हैं। जहां चुनाव बैलेट पेपर से हुए, वहां भी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को कई स्थानों पर जनता ने नकार दिया। ऐसे में बार-बार ईवीएम या चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करना कांग्रेस की राजनीतिक विफलता छिपाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता का होता है और राजनीतिक दलों को जनादेश का सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि 2022 के हिमाचल विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस को जीत मिली थी, तब क्या चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं था। इसी तरह कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की जीत के समय भी चुनाव प्रक्रिया पर कोई सवाल नहीं उठाया गया। कश्यप ने कहा कि हार के बाद ही चुनाव आयोग पर संदेह जताना कांग्रेस की दोहरी नीति को दर्शाता है।

एसआइआर को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना

सुरेश कश्यप ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। कांग्रेस को बताना चाहिए कि वह मतदाता सूची के सत्यापन और पात्र मतदाताओं की सही जानकारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया का विरोध क्यों कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र मतदाता के अधिकार से संबंधित ठोस समस्या है तो कांग्रेस को प्रमाणों के साथ चुनाव आयोग के समक्ष अपनी बात रखनी चाहिए, न कि पूरी प्रक्रिया को राजनीतिक रंग देना चाहिए।

शिमला में चिट्टा तस्करी के मुख्य सप्लायर की जमानत खारिज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। चिट्टा तस्करी के मामले में शिमला पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते मुख्य सप्लायर आरोपी की जमानत याचिका न्यायालय ने खारिज कर दी। पुलिस थाना सदर, जिला शिमला में दर्ज अभियोग संख्या 110/2025 में लगभग छह ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की गई थी। मामले में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत कार्रवाई की गई थी।



जांच के दौरान पुलिस ने नशे की आपूर्ति के स्रोत का पता लगाने के लिए पीछे की कड़ी को खंगाला। इस प्रक्रिया में अमृतसर, पंजाब निवासी करण पुत्र चंचल कुमार को नशे का मुख्य सप्लायर चिन्हित किया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे एनडीपीएस अधिनियम की धारा 29 के तहत गिरफ्तार किया।

आरोपी की ओर से जमानत के लिए न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। शिमला पुलिस ने जमानत का प्रभावी विरोध करते हुए न्यायालय के समक्ष आरोपी की भूमिका, उसे मुख्य सप्लायर के रूप में चिन्हित किए जाने तथा जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। पुलिस की ओर से मामले में की गई प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप छह अक्टूबर 2026 को विशेष न्यायाधीश, सीबीआई न्यायालय, शिमला ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

शिमला पुलिस का कहना है कि नशा तस्करी के मामलों में कार्रवाई केवल नशीले पदार्थ की बरामदगी तक सीमित नहीं रखी जा रही है।

अवेरीपट्टी में मार्च में होगी सेना भर्ती रैली, तैयारियां तेज

भर्ती रैली के दौरान अभ्यर्थियों को सुविधाएं और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करेगा जिला प्रशासन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर। शिमला जिले के रामपुर उपमंडल के तहत पृथी मिलिट्री स्टेशन अवेरीपट्टी में 20 से 25 मार्च, 2027 तक सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। भर्ती रैली के सफल और व्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सेना के अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया और भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि भर्ती रैली में बड़ी संख्या में युवा हिस्सा लेने पहुंचेंगे। ऐसे में प्रशासन की प्राथमिकता अभ्यर्थियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ भर्ती प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना है। उन्होंने सेना अधिकारियों को जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को



भर्ती स्थल पर बिजली और पेयजल की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अभ्यर्थियों के लिए ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि अवेरीपट्टी पहुंचने वाले युवाओं को उचित दरों पर ठहरने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध करवाया जाए, ताकि उन्हें भर्ती के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

उपायुक्त ने कहा कि सेना भर्ती प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत पूरी तरह पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाएगी। भर्ती के दौरान किसी भी व्यक्ति को युवाओं को गुमराह करने या उन्हें किसी प्रकार का प्रलोभन देने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां ऐसे लोगों पर विशेष नजर रखेंगी।

उन्होंने उपमंडल दंडाधिकारी रामपुर को निर्देश दिए कि उपमंडल स्तर पर संबंधित विभागों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। अभ्यर्थियों को फर्जी दावों, दलालों और भ्रामक सूचनाओं से सावधान करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

उपायुक्त ने बताया कि सेना भर्ती प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाती है। इससे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी प्रक्रिया संपन्न कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने तथा भर्ती रैली से पहले सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भर्ती स्थल पर आने वाले युवाओं को पेयजल, बिजली, ठहरने और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके लिए संबंधित विभाग पहले से आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि भर्ती के दौरान यातायात, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था प्रभावी हो, ताकि अभ्यर्थियों और उनके साथ आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शिमला में 12 से 17 अक्टूबर तक सुरक्षा गार्ड के पदों पर होगी भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला रोजगार कार्यालय शिमला की ओर से निजी क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक युवाओं को अवसर उपलब्ध करवाने के लिए एसआइएस इंडिया लिमिटेड, बिलासपुर में सुरक्षा गार्ड और सुरक्षा पर्यवेक्षक के पदों पर भर्ती के लिए कैंपस साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। साक्षात्कार 12 से 17 अक्टूबर तक जिले के विभिन्न उप रोजगार कार्यालयों में होंगे।

जिला रोजगार अधिकारी शिमला प्रवीन नगराईक ने बताया कि भर्ती के लिए 19 से 40 वर्ष आयु के पुरुष उम्मीदवार पात्र होंगे। उम्मीदवार की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा या उससे अधिक निर्धारित की गई है। दसवीं कक्षा में अनुत्तीर्ण उम्मीदवार भी भर्ती प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। उम्मीदवार की न्यूनतम लंबाई 168 सेंटीमीटर और वजन 52 से 95 किलोग्राम के बीच होना चाहिए। अभ्यर्थी का शारीरिक रूप से स्वस्थ होना अनिवार्य है।

चयनित उम्मीदवारों को पद के अनुसार 18,500 से 24,000 रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा। इसके अलावा उन्हें ईएसआई और ईपीएफ की



सुविधा भी मिलेगी।

उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को उप रोजगार कार्यालय मशोबरा, 13 अक्टूबर को सुन्नी, 14 अक्टूबर को ठियोग, 15 अक्टूबर को कुमारसैन, 16 अक्टूबर को रामपुर और 17 अक्टूबर को जुब्बल में साक्षात्कार होंगे। सभी स्थानों पर साक्षात्कार का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया है।

जिला रोजगार अधिकारी ने इच्छुक युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि आवेदक का रोजगार कार्यालय में ऑनलाइन पंजीकरण होना अनिवार्य है। जिन युवाओं का पंजीकरण नहीं है, वे रोजगार कार्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और स्थान पर अपने आवश्यक दस्तावेजों और बायोडाटा के साथ पहुंचना होगा।

नवरात्रि में मंदिरों पर बढ़ेगी सुरक्षा, सुविधाएं होंगी बेहतर

मंदिरों में पुलिस बल तैनात, यातायात और स्वच्छता व्यवस्था पर रहेगा विशेष जोर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं, पर्यटकों और आम जनता की सुरक्षा, सुविधा तथा स्वच्छता को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयुक्त (मंदिर) एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। नवरात्रि पर्व 11 से 19 अक्टूबर 2026 तक मनाया जाएगा, जबकि 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान जिले के विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

उपायुक्त ने मंदिर परिसरों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा कानून-



व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित करने को कहा गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल और चिकित्सा सहायता दल भी तैयार रहेंगे।

उन्होंने मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी शौचालय, पेयजल और पर्याप्त कूड़ेदान उपलब्ध करवाए जाएंगे। स्थानीय निकायों को पूरे दिन सफाई व्यवस्था पर निगरानी रखने को कहा गया है। मंदिरों के नजदीक प्राथमिक उपचार केंद्र और एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध रखने के साथ स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दो मामलों में छह-छह माह की सजा, 7.13 लाख रुपए मुआवजा तय

चेक बाउंस मामलों में फरार आरोपी शिमला से हुआ गिरफ्तार, जेल भेजा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पुलिस पीओ सेल, उपमंडल रोहड़ू की टीम ने न्यायालय से जारी सजा वारंट के आधार पर उद्घोषित आरोपी सुशील जोगटा को शिमला से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सुशील जोगटा पुत्र भाग चंद, निवासी जिला शिमला के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 52 वर्ष है।

पुलिस के अनुसार, छह अक्टूबर 2026 को पीओ सेल रोहड़ू की टीम ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एसीजेएम), रामपुर बुशहर की अदालत से जारी सजा वारंट के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके बाद सात अक्टूबर को उसे एसीजेएम रामपुर बुशहर के समक्ष पेश किया गया।

आरोपी के खिलाफ परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दो मामलों में सजा सुनाई गई थी। पहले मामले, बामबीर सिंह बनाम मैसर्स तृषा फ्रूट कंपनी, केस नंबर 04/2019 में



न्यायालय ने छह माह के साधारण कारावास के साथ 2.46 लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए थे।

दूसरे मामले, पूरन खूंद बनाम मैसर्स तृषा फ्रूट कंपनी, केस नंबर 310/2018 में भी छह माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में 4.67 लाख रुपये मुआवजा निर्धारित किया गया था। दोनों मामलों में कुल 7.13 लाख रुपये मुआवजा देय है।

विनय कुमार ने ज्ञानेश पर लगाए लोकतंत्र से खिलवाड़ के आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एसआईआर के मुद्दे और कथित वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। विनय कुमार ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर बने रहने के नैतिक अधिकार पर भी सवाल उठाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

लोक भवन के बाहर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में विनय कुमार ने कहा कि राहुल गांधी की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय चुनाव आयोग भाजपा के दबाव में काम कर रहा है। इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की गरिमा कमजोर हो रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष कर रही है। प्रदेश कांग्रेस की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा।

एसआईआर के विरोध में एसएफआई ने शिमला में किया प्रदर्शन



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इकाई ने पिंक पेटल चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन देशभर में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विरोध के समर्थन में आयोजित किया गया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एसएफआई इकाई के सह-सचिव कॉमरेड किशोर ने कहा कि एसआईआर के नाम पर मतदाता सूचियों से करीब 13 करोड़ नाम हटाए जाने की प्रक्रिया ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम नागरिक के मतदान अधिकार और लोकतांत्रिक भागीदारी का आधार है। ऐसे में नाम हटाने की किसी भी प्रक्रिया में पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया सुनिश्चित करना जरूरी है।

विधानसभा अध्यक्ष को पर्यावरण सचिव ने भेंट की अपनी विशेष लिखित पुस्तक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से पर्यावरण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव सुशील कुमार सिंगला (आईएफएस) ने भेंट की। इस दौरान उन्होंने भारत में वन संसाधन: टिकाऊ भविष्य के लिए एकीकृत शासन और सामुदायिक भागीदारी विषय पर स्वयं द्वारा लिखित पुस्तक विधानसभा अध्यक्ष को भेंट की।



सिंगला ने विधानसभा अध्यक्ष को पुस्तक में पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ इनके देश और प्रदेश के लिए संभावित लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुस्तक में विज्ञान और अनुसंधान के माध्यम से युवाओं तथा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास को गति देने और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान पर विशेष जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पुस्तक में पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न वन नीतियों, अधिनियमों, नियमों और दिशा-निर्देशों की समीक्षा की गई है। कृषि वानिकी आधारित भूमि उपयोग और संयुक्त वन प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को टिकाऊ विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है।

सिंगला ने कहा कि अध्ययन से सामने आए नीतिगत सुझावों को प्रभावी ढंग से लागू करने से हवा, भूमि और जल संसाधनों की स्थिति सुधारने में मदद मिल सकती है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने में भी यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी।

सुधार ठेकेदारी सीमित करने, जल निकासी अनिवार्य बनाने और सड़क सुरक्षा बजट तय करने का दिया सुझाव

ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता सुधारने को हिमाचल ने रखे तीन प्रस्ताव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) को अधिक आधुनिक, टिकाऊ, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर आयोजित किया गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुए इस शिविर में देशभर के राज्यों ने योजना से जुड़ी चुनौतियों और सुधारों को लेकर सुझाव प्रस्तुत किए। हिमाचल प्रदेश ने भी अपनी भौगोलिक परिस्थितियों और पहाड़ी क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण नीतिगत संशोधनों का प्रस्ताव रखा। उम्मीद है कि इन सुझावों को पीएमजीएसवाई के पांचवें चरण की आगामी दिशा-निर्देशों में शामिल किया जाएगा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय चिंतन शिविर केवल औपचारिक बैठक तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसमें सामने आने वाली समस्याओं के व्यावहारिक और स्थायी समाधान तलाशे जाने चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के ग्रामीण सड़कों के विकास के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएमजीएसवाई ने देश के गांवों को बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना के तहत अब तक करीब 8.50 लाख किलोमीटर सड़कें बनाई जा चुकी हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और विकास को नई गति मिली है।

शिविर में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल, विभिन्न राज्यों के मुख्य अभियंता और सड़क निर्माण क्षेत्र से जुड़े उद्योग विशेषज्ञ शामिल हुए। हिमाचल प्रदेश की ओर से पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता डीके नाग ने प्रदेश की ओर से सुझाव प्रस्तुत किए और पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण के दौरान आने वाली व्यावहारिक



पहाड़ी सड़कों की मजबूती और सुरक्षित यातायात के लिए नीतिगत बदलावों की पैरवी

चुनौतियों को सामने रखा।

हिमाचल ने पहला प्रस्ताव ठेकेदारी व्यवस्था में सुधार को लेकर रखा। प्रदेश ने अपनी नई राज्य नीति का हवाला देते हुए सुझाव दिया कि एक ठेकेदार को एक समय में दो से अधिक तथा कुल सात से अधिक पीएमजीएसवाई कार्य आवंटित नहीं किए जाने चाहिए। इससे किसी एक ठेकेदार के पास अत्यधिक संख्या में काम जाने की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी और निर्माण कार्यों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

इस संदर्भ में कांगड़ा जिले का उदाहरण भी प्रस्तुत किया गया, जहां खराब गुणवत्ता के कारण पांच कार्यों को रद करना पड़ा। हिमाचल ने बताया कि कामों के एकाधिकार को सीमित करने से बाहरी कंपनियों को भी निविदा प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिला है और प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। प्रदेश ने इस व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की पैरवी की, ताकि निर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित हो सके।

हिमाचल का दूसरा महत्वपूर्ण सुझाव सड़क निर्माण से पहले जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने से जुड़ा है। प्रदेश ने मांग की कि ड्रेनेज नीति को पीएमजीएसवाई की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश और भूस्खलन के कारण सड़कों को होने वाले नुकसान को देखते हुए जल निकासी को सड़क निर्माण की योजना में प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई गई।

पीएम मोदी के विजन से उत्तराखंड बनेगा देश का अग्रणी राज्य : धामी

अनिल थपलियाल



देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित सेवा संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जनसेवा के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पण के प्रतीक हैं। सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री के जनकल्याण और राष्ट्रसेवा के संदेश को प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की जन धन योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का लाभ सीधे गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रहा है। सरकार का उद्देश्य शासन को सरकारी कार्यालयों और फाइलों तक सीमित रखने के बजाय उसे आमजन के द्वार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केदारनाथ की भूमि से 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने का आह्वान किया था और राज्य सरकार उसी दिशा में काम कर रही है।

धामी ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में डेढ़ गुने से अधिक वृद्धि हुई है और प्रति व्यक्ति आय में 41 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं। होटल और होमस्टे की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लखपति दीदी योजना के तहत तीन लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उत्तराखंड को सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में देश में प्रथम स्थान मिला है और राज्य को लगातार चार वर्षों से फिल्म अनुकूल राज्य का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को पूर्ण साक्षर राज्य बनाने की उपलब्धि हासिल हुई है। इस वर्ष चारधाम यात्रा में 56 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। उत्तरकाशी में 200 करोड़ रुपये से अधिक की 50 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिनमें 26 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने विश्वनाथ-शक्ति माता कॉरिडोर बनाने सहित कई अन्य विकास कार्यों की घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है और पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है।

पीएम मोदी के 25 वर्ष पूरे होने पर धामी ने की विशेष पूजा



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तरकाशी स्थित पौराणिक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और देश के विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने अपने नेतृत्व से देश को नई दिशा और ऊर्जा देने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प की दिशा में निरंतर आगे बढ़ता रहे। उन्होंने कहा कि देवभूमि की पवित्र धरती पर प्रधानमंत्री के सफल सार्वजनिक जीवन के लिए बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

यूपीईएस में वर्ल्ड कांग्रेस ऑन हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी 2026 शुरू

इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च और हेल्थकेयर इनोवेशन को बढ़ावा देने जुटे 500 प्रतिभागी, 27 राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय वक्ता

अनिल थपलियाल



यूपीईएस के बिधौली परिसर में बुधवार को विश्व स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2026 का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से किया जा रहा है। इसमें भारत और विदेश से 500 से अधिक शोधकर्ता, चिकित्सक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नीति-निर्माता, नवोन्मेषक और उद्योग विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस में नौ अंतरराष्ट्रीय और 18 राष्ट्रीय वक्ता स्वास्थ्य अनुसंधान, नवाचार और उभरती तकनीकों पर विचार साझा कर रहे हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव, पूर्व महानिदेशक भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, के संबोधन से हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने वर्चुअल माध्यम से अध्यक्षीय संबोधन दिया। इस अवसर पर यूपीईएस के कुलपति डॉ. सुनील राय समेत कई प्रमुख विशेषज्ञ मौजूद रहे।

प्रो. बलराम भार्गव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए नई दवाओं, जैव-समान दवाओं और नवोन्मेषी औषधियों के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। वहीं डॉ. सुनील राय ने कहा कि यूपीईएस स्वास्थ्य क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-चिह्नक और जीनोमिक्स के माध्यम से गंभीर बीमारियों की शुरुआती पहचान और कम लागत वाले चिकित्सकीय उपकरण विकसित करने पर काम कर रहा है।

समग्र स्वास्थ्य पर चर्चा

कांग्रेस में जैव प्रौद्योगिकी, आणविक जीव विज्ञान, जीनोमिक्स, सटीक चिकित्सा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, औषधि विज्ञान, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, डिजिटल स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है। विशेषज्ञों ने पारंपरिक चिकित्सा, पोषण, जीवनशैली, रोगों की रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य पर भी विचार रखे। कांग्रेस के दौरान विशेष कार्यशालाएं और वैज्ञानिक प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही हैं, जिसमें शोध संस्थानों, स्टार्टअप और उद्योग जगत के नवाचार प्रदर्शित किए जा रहे हैं। कांग्रेस 9 अक्टूबर तक चलेगी।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यमुनोत्री में की पूजा

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को चारधाम यात्रा पर यमुनोत्री धाम पहुंचे। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मां यमुना के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। बुधवार को यमुनोत्री धाम पहुंचने पर पूर्व उपराष्ट्रपति ने पवित्र दिव्य शिला का पूजन किया। इसके बाद उन्होंने यमुना मंदिर में पूजा-अर्चना कर मां यमुना के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों में भी पूर्व उपराष्ट्रपति के धाम पहुंचने को लेकर उत्साह नजर आया। इस मौके पर यमुनोत्री मंदिर समिति एवं तीर्थपुरोहितों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। धार्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने यमुनोत्री धाम की आध्यात्मिक महत्ता और यहां की धार्मिक परंपराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। दर्शन-पूजन के बाद पूर्व उपराष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ वापस लौट गए ।

कुंभ मेले में बाहरी लोगों के सत्यापन को लेकर एसएसपी सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की प्रक्रिया तेज कर दी है। बुधवार को एसएसपी कुंभ मेला आयुष अग्रवाल ने सीसीआर हरिद्वार स्थित सभागार में कुंभ मेला पुलिस और अभिसूचना विभाग के अधिकारियों के साथ सत्यापन कार्य की समीक्षा की। एसएसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कुंभ मेला क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन संवेदनशील ड्यूटी है। इसलिए प्रत्येक सत्यापन पूरी गंभीरता और सावधानी के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित सत्यापन फार्म पर संबंधित व्यक्ति की फोटो चस्पा करने के साथ ही फार्म के प्रत्येक बिंदु को ध्यानपूर्वक और पूर्ण रूप से भरा जाए। उन्होंने सत्यापन टीमों को प्रतिदिन अधिक से अधिक बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि कुंभ मेले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सत्यापन प्रक्रिया की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए इसमें किसी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में मंडलाधिकारी कुंभ मेला संतोष बगड़वाल, निरीक्षक एसआईओ कुंभ मेला संजय सिंह, निरीक्षक एलआईयू विवेक सनवाल, निरीक्षक एलआईयू राजेंद्र रावत समेत अभिसूचना विभाग और कुंभ मेला क्षेत्र में सत्यापन के लिए नियुक्त सभी टीमों के सदस्य मौजूद रहे।

पोखड़ा को मिली 276 लाख की सड़क की सौगात

बरसूंड देवता पेयजल योजना से 40 गांवों को मिलेगा लाभ : सतपाल महाराज

पोखड़ा में पेयजल, सड़क और विकास योजनाओं को मिली रफ्तार

अनिल थपलियाल



देहरादून, पोखड़ा (पौड़ी गढ़वाल)। चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में सड़क, सिंचाई, पेयजल, पर्यटन, पंचायतों के सुदृढ़ीकरण और स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न विकास योजनाओं पर काम किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने बुधवार को विकासखंड पोखड़ा में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि पोखड़ा विकासखंड में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य किए गए हैं। दूरस्थ कोला क्षेत्र में वर्षों से लंबित बरसूंड देवता ग्राम समूह पंपिंग पेयजल योजना के लिए 29 करोड़ 83 लाख रुपये स्वीकृत कराए गए हैं। इस योजना से क्षेत्र के करीब 40 छोटे-बड़े गांवों और तोकों की जनता को पेयजल सुविधा का लाभ मिलेगा। इसके अलावा कोला-1 और कोला-2 को मोटर मार्ग से जोड़ने के लिए 31 लाख 51 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं और यह कार्य पूरा हो चुका है। बिजोरापानी से कुंजखाल तक आवश्यक स्थानों पर 56 लाख रुपये की लागत से मोटर मार्ग का नवीनीकरण कराया गया है।

महाराज ने बताया कि विधायक निधि से क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से कई विकास कार्य पूरे किए गए हैं। इसके साथ ही विद्यालय भवनों, सौर ऊर्जा और जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक ग्राम सभा में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 10 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य भी किए गए हैं।

शिविर के दौरान महाराज ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उन्होंने 2 करोड़ 75 लाख 63 हजार रुपये की लागत से निर्मित बिजोरापानी-कुंजखाल-कोलाखाल-जयकोट मार्ग के आठ किलोमीटर ग्राम से चिनवाड़ी तक ग्रामीण मोटर मार्ग का लोकार्पण किया।

इसके अलावा विकासखंड जयहरीखाल के अंतर्गत 70.75 लाख रुपये की लागत से तसीला लिंक मोटर मार्ग के सुधारीकरण तथा 93.17 लाख रुपये की लागत से घेरुवा से गुजरखंड मलाणा तक मोटर मार्ग के द्वितीय चरण के प्रथम चरण का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री राहत कोष से लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए और एबीवीपी के युवाओं को सम्मानित भी किया गया।

अधिकारियों और ग्रामीणों की रही मौजूदगी

इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र दर्शन, जिला महामंत्री महिपाल नेगी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत, विधायक प्रतिनिधि प्रभुराम बुड़ाकोटी, ब्लाक प्रमुख संजय गुसाई, जिला पंचायत सदस्य बलवंत सिंह नेगी सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

सरकारी खरीद में बीआईएस मानकों का पालन अनिवार्य

आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में बीआईएस की राज्य स्तरीय समिति बैठक संपन्न

अनिल थपलियाल



देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से संबंधित राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक में राज्य में मानकीकरण, गुणवत्ता प्रबंधन और उपभोक्ता हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सरकारी खरीद में निर्धारित नियमों के साथ संबंधित बीआईएस मानकों और गुणवत्ता मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। इसके लिए बीआईएस को संबंधित विभागों के साथ कार्यशालाएं आयोजित करने और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को कहा गया।

मुख्य सचिव ने क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स के प्रति विभागीय अधिकारियों, उद्योगों और व्यापारियों में जागरूकता बढ़ाने तथा क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित कार्यशालाओं में बीआईएस के विशेषज्ञ और सक्षम विशेषज्ञों को शामिल किया जाए, ताकि प्रतिभागियों को मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों और उनके अनुपालन की प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी मिल सके। उन्होंने क्षमता निर्माण को निरंतर प्रक्रिया के रूप में आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्य सचिव ने बीआईएस से जुड़े महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश और सूचनाएं सभी संबंधित विभागों तक पहुंचाने तथा सचिवों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों के साथ होने वाली बैठकों में भी बीआईएस की ओर से प्रस्तुतिकरण किए जाने की बात कही, ताकि जिला स्तर पर भी गुणवत्ता मानकों को प्राथमिकता दी जा सके। उन्होंने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के प्रति जागरूक करने के लिए बीआईएस केयर ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

बीआईएस केयर ऐप से गुणवत्ता जांच आसान

बैठक में बताया गया कि ऐप के माध्यम से उपभोक्ता आईएसआई चिह्न और लाइसेंस नंबर की सत्यता, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के आर-नंबर तथा स्वर्ण आभूषणों पर अंकित एचयूआईडी नंबर का सत्यापन कर सकते हैं। इसके अलावा मानकों की जानकारी लेने और नकली चिह्न अथवा अन्य अनियमितताओं की ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज की जा सकती है। बैठक में प्रमुख सचिव एल. फैनई सहित बीआईएस और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पांडवाज ने मसूरी में छेड़ी पहाड़ की धुन

ईशान डोभाल बोले-लोकसंगीत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना मकसद



भारतेन्दु संवाददाता, सुनील सोनकर

मसूरी। शरदोत्सव-2026 की पहली सांस्कृतिक शाम में पांडवाज बैंड ने उत्तराखंड के लोक संगीत को आधुनिक अंदाज में पेश कर मसूरी के टाउन हॉल में मौजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पहाड़ की लोक धुनों, लोक कथाओं और पारंपरिक संगीत को आधुनिक वाद्य यंत्रों और नई प्रस्तुति शैली के साथ पेश किया गया, जिसे स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों और युवाओं ने भी खूब पसंद किया। पांडवाज की प्रस्तुति की खासियत यह रही कि इसमें आधुनिक संगीत का प्रभाव जरूर दिखाई दिया, लेकिन उत्तराखंड की मूल लोकधुन और पहाड़ी संस्कृति की पहचान को बरकरार रखा गया।

जैसे-जैसे बैंड की प्रस्तुति आगे बढ़ी, दर्शक तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। कई युवा संगीत की धुनों पर झूमते दिखाई दिए। पांडवाज के निर्देशक ईशान डोभाल ने कहा कि उत्तराखंड का लोकसंगीत बेहद समृद्ध है और इसमें दुनिया के किसी भी मंच को आकर्षित करने की क्षमता है।

उनका प्रयास है कि पहाड़ के पारंपरिक संगीत को उसी रूप में संरक्षित करने के साथ उसे आज के युवाओं की पसंद और आधुनिक संगीत की तकनीक से भी जोड़ा जाए। ईशान डोभाल के अनुसार, 'हमारा उद्देश्य केवल लोकसंगीत को प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। अगर युवा पहाड़ के पारंपरिक संगीत को आधुनिक अंदाज में सुनेंगे और उससे जुड़ेंगे, तो हमारी लोकसंस्कृति आने वाली पीढ़ियों तक और मजबूत तरीके से पहुंचेगी।

पांडवाज की प्रस्तुति ने बांधा समां

उन्होंने कहा कि पांडवाज की प्रस्तुतियों में उत्तराखंड की मिट्टी, पहाड़ का जीवन, यहां की परंपराएं और लोकविश्वास प्रमुख आधार होते हैं। टीम कोशिश करती है कि संगीत के साथ कहानी और संस्कृति भी दर्शकों तक पहुंचे। ईशान डोभाल ने कहा कि मसूरी में शरदोत्सव जैसे मंच पर प्रस्तुति देना पांडवाज के लिए विशेष अनुभव है। यहां स्थानीय लोगों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से आए पर्यटक भी मौजूद रहते हैं। ऐसे में उत्तराखंड के संगीत को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पांडवाज भविष्य में भी उत्तराखंड की लोक धुनों और संस्कृति को नए प्रयोगों के साथ देश-दुनिया के मंचों तक ले जाने के लिए काम करता रहेगा ।पांडवाज की प्रस्तुति के दौरान टाउन हॉल तालियों और संगीत की गूंज से भर गया। युवाओं के साथ बुजुर्ग और पर्यटक भी कार्यक्रम का आनंद लेते नजर आए। लोक धुनों में आधुनिक संगीत का मेल दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

कैंची धाम में गर्भवती महिलाओं के लिए बर्थ वेटिंग होम शुरू



भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल। पहाड़ी क्षेत्रों में दूरस्थ गांवों से प्रसव के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना गर्भवती महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण रहता है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कैंची धाम क्षेत्र में 'बर्थ वेटिंग होम' की सुविधा शुरू की है। इसके तहत प्रसव की संभावित तिथि से पहले दूरस्थ और उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक सुरक्षित स्थान पर ठहराया जा रहा है।

अल्मोड़ा जिले के विशालकोट गांव की भावना को भी प्रसव से पहले गरमपानी स्थित बर्थ वेटिंग होम में ठहराया गया, जहां उनका सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराया गया। इसी तरह सिल्टोना की हीरा देवी तथा कोरल हल्सो की हेमा देवी और कल्पना ने भी इस सुविधा का लाभ लिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि पंत ने अधिकारियों को उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की समय पर पहचान करने के निर्देश दिए हैं। आशा और एएनएम के माध्यम से महिलाओं व स्वजन को सुविधा की जानकारी देने पर भी जोर दिया गया है।



परियोजना

200 करोड़ की परियोजना से चारधाम यात्रा को मिलेगी नई रफ्तार और सुविधा

रुद्रप्रयाग बाईपास से आसान होगी चारधाम यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग



चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। रुद्रप्रयाग बाईपास परियोजना का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अब यात्रियों को रुद्रप्रयाग नगर के बीच लगने वाले जाम से नहीं जूझना पड़ेगा। केदारनाथ से बदरीनाथ अथवा बदरीनाथ से केदारनाथ जाने वाले यात्री बाईपास के माध्यम से सीधे बदरीनाथ हाईवे तक पहुंच सकेंगे। करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना में 900.30 मीटर लंबी सुरंग और अलकनंदा नदी पर लगभग 200 मीटर लंबे पुल का निर्माण किया गया है। परियोजना के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की चर्चा है।

रुद्रप्रयाग शहर की भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बढ़ते यातायात को देखते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने वर्ष 2003-04 में बाईपास निर्माण को मंजूरी दी थी। परियोजना के पहले चरण में जवाड़ी से केदारनाथ हाईवे पर लोक निर्माण विभाग की कालोनी तक बाईपास का निर्माण किया गया। इसके बाद दूसरे चरण में सुरंग और अलकनंदा नदी पर पुल बनाकर इसे बदरीनाथ हाईवे से जोड़ने का काम किया गया। दूसरे चरण को वर्ष 2021 में मंजूरी मिलने के बाद दिसंबर 2022 में निर्माण कार्य शुरू हुआ।

बाईपास शुरू होने से चारधाम यात्रियों के साथ ही रुद्रप्रयाग और चमोली जिले के लोगों को भी सीधा लाभ मिलेगा। जखोली, अगस्त्यमुनि और ऊखीमठ विकासखंड के लोगों को भी शहर के भीतर यातायात दबाव और जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

यात्रियों को जाम से मिलेगी बड़ी राहत

यात्रा सीजन में रुद्रप्रयाग नगर में वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है, जिससे स्थानीय लोगों और तीर्थ यात्रियों को परेशानी होती है। बाईपास इस समस्या को काफी हद तक कम करेगा। परियोजना के पूरा होने से यात्रा मार्ग अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सुगम होने के साथ क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सीधा हाईवे संपर्क

- **केदारनाथ** से बदरीनाथ अथवा बदरीनाथ से केदारनाथ जाने वाले यात्री बाईपास के माध्यम से सीधे बदरीनाथ हाईवे तक पहुंच सकेंगे।
- करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना में 900.30 मीटर लंबी सुरंग और अलकनंदा नदी पर लगभग 200 मीटर लंबे पुल का निर्माण किया गया है।

सीबीआई कार्रवाई पर धालीवाल का भाजपा पर हमला

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



मुख्यमंत्री भगवंत मान के विधानसभा क्षेत्र और चंडीगढ़ स्थित कैंप ऑफिस पर सीबीआई की कार्रवाई के बाद पंजाब में सियासी पारा चढ़ गया है। आम आदमी पार्टी के विधायक एवं पूर्व मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने इस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को भाजपा का विंग करार देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन जांच एजेंसियों के माध्यम से पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को बदनाम करने और राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश कर रही है।

धालीवाल ने कहा कि पंजाब में राजनीतिक मोर्चे पर भाजपा को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है। यही वजह है कि अब सीबीआई और ईडी को आगे करके पंजाब सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कई स्थानों पर सीबीआई की कार्रवाई हुई, लेकिन कार्रवाई के बाद जांच एजेंसी के अधिकारी कथित तौर पर खाली हाथ लौटे। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि जांच और कार्रवाई के दौरान कुछ हाथ नहीं लगा तो फिर इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य क्या था।

धालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार जनता के बीच अपने काम के आधार पर खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार राजनीतिक रूप से मुकाबला करने के बजाय जांच एजेंसियों के माध्यम से पंजाब सरकार को निशाना बना रही है।

आप विधायक ने पंजाब में भाजपा की ओर से निकाली गई नशा मुक्ति यात्रा को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पंजाब में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाने के लिए बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता पंजाब पहुंचे, लेकिन इसके बावजूद भाजपा अपेक्षित जनसमर्थन जुटाने में सफल नहीं रही।

धालीवाल ने अमित शाह की रैली का जिक्र करते हुए दावा किया कि भाजपा की ओर से बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने करीब एक लाख लोगों की भीड़ जुटने का दावा किया था, जबकि उनके अनुसार रैली में करीब चार हजार लोग ही पहुंचे। धालीवाल ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि पंजाब की जनता भाजपा की दबाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर रही है।

'पंजाबियों को बांह मरोड़कर पीछे नहीं लगाया जा सकता'

धालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाबियों को किसी की धौंस या दबाव से डराया नहीं जा सकता। पंजाब का इतिहास गवाह है कि यहां के लोगों ने हमेशा दबाव और जबरदस्ती का विरोध किया है।

'दबाव बढ़ेगा तो राजनीतिक जवाब भी मजबूत होगा'

धालीवाल ने दावा किया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कामों को जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पंजाब के लोग भाजपा को इसका राजनीतिक जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाबी किसी की धौंस नहीं मानते और न ही किसी से डरते हैं। पंजाबियों को बांह मरोड़कर पीछे नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा जितना अधिक दबाव बनाने की कोशिश करेगी, पंजाब की जनता उतनी ही मजबूती के साथ उसका राजनीतिक जवाब देगी। सीबीआई की कार्रवाई के बाद धालीवाल के इस बयान से पंजाब की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप और तेज होने के संकेत हैं।

पंजाब से तीन नेताओं को मोदी मंत्रिमंडल में जगह मिलने की चर्चा

भाजपा पंजाब में सियासी पकड़ मजबूत करने के लिए नए चेहरों पर दांव लगाएगी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित विस्तार को लेकर सियासी चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी राज्य में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी क्रम में पंजाब से नए चेहरों को मोदी मंत्रिपरिषद में जगह दिए जाने की अटकलें सामने आ रही हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा पंजाब से एक या दो नेताओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने पर विचार कर रही है। संभावित नामों में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में आए राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा, पूर्व पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत सिंह साहनी और मनोनीत राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा।

राघव चड्ढा का नाम सबसे आगे : संभावित चेहरों में राघव चड्ढा का नाम प्रमुख बताया जा रहा है। युवा और पेशेवर छवि वाले चड्ढा को भाजपा पंजाब के शहरी और शिक्षित युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए उपयोगी चेहरा माना जा सकता है। वह राज्यसभा सदस्य हैं और उनका कार्यकाल 2028 तक है।

राघव चड्ढा दिल्ली के पूर्व विधायक और आम आदमी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता भी रह चुके हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने से भाजपा पंजाब और दिल्ली दोनों में राजनीतिक संदेश देने की कोशिश कर सकती है। वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भी उन्हें पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल किए जाने की संभावना जताई जा रही है।



सुनील जाखड़ को लेकर भी चर्चा : पूर्व पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ का नाम भी केंद्रीय मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार को लेकर चर्चा में है। जाखड़ तीन बार विधायक, पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और गुरदासपुर से सांसद रह चुके हैं। उन्होंने पंजाब भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली है।

पंजाब के राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों की गहरी समझ रखने वाले जाखड़ को भाजपा का अनुभवी चेहरा माना जाता है। पार्टी उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे सकती है। गृह मंत्री अमित शाह के जालंधर दौरे के दौरान जाखड़ से हुई मुलाकात के बाद उनके केंद्रीय मंत्री बनने की चर्चाओं ने और जोर पकड़ा है।

हालांकि, जाखड़ वर्तमान में संसद के किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। इसलिए मंत्री बनाए जाने की स्थिति में उन्हें छह महीने के भीतर लोकसभा या राज्यसभा की सदस्यता हासिल करनी होगी।

विक्रमजीत साहनी भी दौड़ में : राज्यसभा सदस्य और पद्मश्री से सम्मानित उद्योगपति विक्रमजीत सिंह साहनी का नाम भी संभावित दावेदारों में है। वह सन फाउंडेशन के चेयरमैन और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह अप्रैल 2026 में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

सतनाम सिंह संधू की सक्रियता भी बनी आधार : चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक और राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू का नाम भी चर्चा में है। उनका कार्यकाल 2030 तक है। संधू ने मार्च 2026 में पंजाब के किसानों, उद्योग, बाढ़ और नशे सहित 17 प्रमुख मुद्दों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी।

राज्यसभा में उनकी सक्रियता भी चर्चा का विषय रही है। उनके अनुसार, उन्होंने 92 प्रतिशत उपस्थिति के साथ 115 बहसों में हिस्सा लिया और 225 सवाल पूछे हैं। भाजपा उनकी संसदीय सक्रियता और पंजाब से जुड़े मुद्दों पर पकड़ को देखते हुए उन्हें भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे सकती है।

अमृतसर ड्राइविंग ट्रैक पर तीन हजार आवेदन लंबित व्यवस्था पर सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर । अमृतसर के स्वचालित ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर नियमित एडीटीओ की तैनाती नहीं होने से व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि सतर्कता विभाग की पुरानी जांच ठंडे बस्ते में जाने के बाद ट्रैक पर फिर अफसरशाही हावी होती दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, आरटीए सचिव हितेश्वर गुप्ता ने अमृतसर ट्रैक पर तैनात नियमित एडीटीओ मनदीप सिंह सोही को हटाकर तरनतारन के एटीओ मनिंदर सिंह को जिम्मेदारी दी है। मनिंदर सिंह के पास अमृतसर का अतिरिक्त प्रभार है और वह सप्ताह में केवल दो दिन यहां काम कर सकते हैं। ऐसे में नियमित अधिकारी की अनुपस्थिति से काम प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है। बताया गया है कि ट्रैक पर तीन हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं। इनमें नए सीखने और स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन में बदलाव तथा अन्य कार्य शामिल हैं। लोगों को अधिकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व आरटीए अधिकारियों के कार्यकाल में ट्रैक पर कर्मचारियों और अधिकारियों में बदलाव के साथ दो एडीटीओ तैनात किए गए थे, जिससे लोगों की समस्याओं का मौके पर निपटारा होता था।

दो हजार से अधिक साइकिल चालक पंजाबभर में नशे के खिलाफ फैलाएंगे जागरूकता

चन्नी नशे और गैंगस्टरवाद के खिलाफ यात्रा करेंगे शुरू

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने और अपराध रोकने पर कांग्रेस का जोर



भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर अपनी गतिविधियां तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने नशे और गैंगस्टरवाद के खिलाफ 'पगड़ी संभाल यात्रा' निकालने का एलान किया है। इस यात्रा के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और पंजाब को गैंगस्टरवाद से मुक्त करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

चन्नी के अभियान में साइकिल रैली को प्रमुख हिस्सा बनाया गया है। इसमें दो हजार से अधिक साइकिल चालक शामिल होंगे। साइकिल सवार पंजाब के अलग-अलग जिलों में पहुंचकर युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। अभियान के दौरान युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया जाएगा।

कांग्रेस इस अभियान को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देख रही है। पार्टी का प्रयास है कि नशे और गैंगस्टरवाद जैसे मुद्दों को लेकर सीधे जनता के बीच पहुंच बनाई जाए। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को भी अभियान से जोड़ने की तैयारी है।

कांग्रेस पंजाब में आने वाले दिनों में एक बड़ी बस यात्रा निकालने की भी तैयारी कर रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस यात्रा की शुरुआत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कर सकते हैं। राहुल गांधी के जल्द पंजाब दौरे पर आने की संभावना है।

बस यात्रा के दौरान पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एक साथ बस में सवार होकर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जाएंगे। इसका उद्देश्य पार्टी के भीतर एकजुटता का संदेश जनता तक पहुंचाना और संगठन को चुनाव के लिए सक्रिय करना है। यात्रा के दौरान कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को भी प्रमुखता से उठा सकती है।

संगठनात्मक बदलाव के बाद अभियान पर जोर

पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव के बाद पार्टी अब चुनावी तैयारियों को जमीनी अभियान में बदलने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी नेतृत्व की ओर से नेताओं और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के साथ ही प्रदेशभर में जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। दिल्ली में भी इन कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां चल रही हैं। कांग्रेस की कोशिश है कि अलग-अलग अभियानों के जरिये जनता के बीच पार्टी की मौजूदगी मजबूत की जाए। चन्नी की 'पगड़ी संभाल यात्रा' को इसी व्यापक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि नशे और गैंगस्टरवाद का मुद्दा पंजाब के युवाओं और परिवारों से सीधे जुड़ा है। ऐसे में पार्टी इन विषयों को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने की तैयारी में है। इसके साथ ही राहुल गांधी की प्रस्तावित बस यात्रा के माध्यम से प्रदेश कांग्रेस में एकजुटता और चुनावी सक्रियता का संदेश देने की कोशिश होगी।

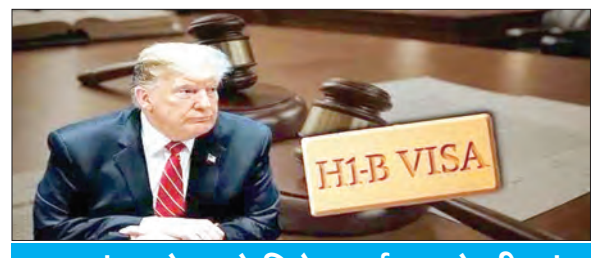
लौटे इंजीनियरों को पंजाब में रोजगार देने की मांग

एच-1बी संकट पर केंद्र से विरोध दर्ज कराने की पूर्व अधिकारी ने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे भारतीयों के सामने बढ़ते संकट के बीच पंजाब से विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों का मुद्दा भी उठाया गया है। पंजाब के पूर्व विशेष मुख्य सचिव केबीएस सिद्धू ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अमेरिका में नौकरी गंवाने वाले एच-1बी कर्मचारियों को मिलने वाली 60 दिन की ग्रेस अवधि खत्म करने के प्रस्ताव का औपचारिक विरोध किया जाए।

सिद्धू ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को भेजे पत्र में सुझाव दिया है कि ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में प्रभावित भारतीय परिवारों के लिए कानूनी सहायता और सलाह केंद्र बनाया जाए। इससे उन लोगों को मदद मिल सकेगी, जिनकी नौकरी चली गई है या जिनकी प्रायोजक कंपनी जांच के दायरे में आ गई है।

उन्होंने कहा कि फर्जी नौकरी और फर्जी प्रायोजन देने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन कुछ मामलों के कारण नियमों का पालन करने वाले पूरे भारतीय समुदाय को संदेह की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। उनका कहना है कि प्रभावित परिवारों को समय पर कानूनी और प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है।



10 नवंबर से पहले विरोध दर्ज कराने की मांग

सिद्धू के अनुसार अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने 11 सितंबर 2026 को एच-1बी कर्मचारियों की 60 दिन की ग्रेस अवधि खत्म करने का प्रस्ताव प्रकाशित किया था। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि 10 नवंबर की समयसीमा से पहले इस प्रस्ताव पर भारत की औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई जाए। साथ ही अमेरिका से आग्रह किया जाए कि किसी भी नए नियम को पहले से वहां रह रहे कर्मचारियों पर तत्काल लागू न किया जाए। उन्होंने कहा कि फर्जी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन उसके कारण नियमों का पालन करने वाले भारतीय परिवारों को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

सिद्धू ने भारत में विदेश में नौकरी दिलाने वाली कंसल्टेंसी को भी नियमन के दायरे में लाने की मांग की है। उन्होंने पंजाब के पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल्स रेगुलेशन एक्ट-2012 का उदाहरण देते हुए कहा कि विदेश में रोजगार दिलाने वाली एजेंसियों के लिए भी स्पष्ट लाइसेंस व्यवस्था और जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पंजाब समेत देश के कई हिस्सों में प्रशिक्षण और नियुक्ति संबंधी कंसल्टेंसी इंजीनियरों तथा अन्य युवाओं को विदेश में नौकरी और एच-1बी प्रायोजन दिलाने के दावे करती हैं। ऐसे में इन संस्थानों की गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है, ताकि युवाओं को फर्जी नौकरी, झूठे प्रायोजन और आर्थिक धोखाधड़ी से बचाया जा सके।

30 नवंबर तक दूर होगी गलत बिजली बिलों की तकनीकी समस्या : पावरकॉम सीएमडी

गलत बिलों पर कनेक्शन कटौती रुकी, विभागों पर 2400 करोड़ रुपए बकाया

भारतेन्दु संवाददाता, पटियाला। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पावरकॉम) के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरकीरत कृपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिले गलत बिल तकनीकी खामी के कारण जारी हुए हैं। पावरकॉम की टीम इस समस्या को दूर करने में जुटी है और 30 नवंबर तक इसका समाधान कर लिया जाएगा। इसके बाद प्रभावित उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि गलत बिल मिलने के कारण जिन घरेलू उपभोक्ताओं ने अभी तक बिल जमा नहीं करवाए हैं, उनके बिजली कनेक्शन काटने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। हालांकि, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऐसी कोई रोक नहीं है। इन श्रेणियों से बकाया बिलों की वसूली के साथ बिजली चोरी रोकने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है।



सीएमडी ने बताया कि पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों और संस्थानों की ओर बिजली बिलों के करीब 2,400 करोड़ रुपये बकाया हैं। पावरकॉम की ओर से इस राशि की वसूली के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि क्षेत्र में किसानों के लिए लागू स्वैच्छिक भार घोषणा योजना की तरह घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए फिलहाल कोई नई योजना प्रस्तावित नहीं है।

बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

गुरकीरत कृपाल सिंह ने कहा कि इस वर्ष पंजाब में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची, जिसे पावरकॉम ने सफलतापूर्वक पूरा किया। हालांकि, मांग पूरी करने के लिए महंगी बिजली खरीदनी पड़ी। उन्होंने कहा कि पावरकॉम की आय बढ़ाने के लिए बकाया राशि की वसूली तेज करने के साथ बिजली आपूर्ति में होने वाले तकनीकी और वाणिज्यिक घाटे को कम करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पावरकॉम नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

सेक्टर-7 क्लब कांड में समझौते की चर्चा, पुलिस पर उठे सवाल



भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-7 स्थित क्लब में पिस्तौल लहराने और धमकी देने के मामले में चंडीगढ़ पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है। ऑपरेशन सेल ने मामले में चार युवकों को गिरफ्तार कर हथियार से संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की थी। अब शिकायतकर्ता और आरोपित पक्ष के बीच समझौते की कवायद की चर्चा सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि क्लब में विवाद के दौरान चार युवकों ने पिस्तौल लहराकर दहशत पैदा की और शिकायतकर्ता को धमकी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार किया था। मामले में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने से स्पष्ट था कि पुलिस ने घटना को गंभीर माना था।

अमृतपाल सिंह को दादी से वीडियो कॉल की अदालत ने दी अनुमति

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खडूर साहिब से लोकसभा सदस्य अमृतपाल सिंह को अपनी बीमार दादी से बात करने के लिए अदालत से राहत मिली है। अमृतसर की अदालत ने उसे पांच दिनों के लिए वीडियो कॉल की अनुमति दी है। अदालत के आदेश के अनुसार वह प्रतिदिन एक बार अधिकतम 10 मिनट तक अपनी दादी से वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर सकेगा।



बीमार दादी से पांच दिन वीडियो कॉल कर सकेगा अमृतपाल

अमृतपाल सिंह के वकीलों ने अदालत में अर्जी दाखिल कर उसकी बीमार दादी से बातचीत की अनुमति मांगी थी। याचिका में कहा गया कि जेल में बंद होने के कारण अमृतपाल सिंह अपनी दादी से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल सकता। ऐसे में पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए उसे वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत करने की अनुमति दी जाए।

मामले की सुनवाई के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बरिंदर सिंह ने वीडियो कॉल की अनुमति प्रदान की। अदालत के आदेश के मुताबिक यह सुविधा बुधवार से अगले पांच दिनों तक उपलब्ध रहेगी और प्रत्येक दिन एक बार 10 मिनट तक बातचीत की जा सकेगी। अमृतपाल सिंह लंबे समय से डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। वह अमृतसर जिले के गांव जल्लूपुर खेड़ा का निवासी है। वर्ष 2022 में दुबई से पंजाब लौटने के बाद वह 'वारिस पंजाब दे' संगठन से जुड़ा था।

लुधियाना में आठ किलो अफीम सहित तस्कर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। महानगर में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'युद्ध नशियां विरुद्ध' के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक लग्जरी कार में अफीम की खेप लेकर जा रहे तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से आठ किलोग्राम अफीम और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की बलेनो कार बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित की पहचान कुणाल शर्मा उर्फ मुन्ना के रूप में हुई है। वह लंबे समय से इलाके में अफीम की सप्लाई करने के अवैध कारोबार में सक्रिय बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि छह अक्टूबर को सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद सदीक पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुणाल शर्मा सफेद रंग की बलेनो कार में भारी मात्रा में अफीम लेकर न्यू सुंदर नगर स्थित 33 फुटा रोड की ओर से गुजरने वाला है।

नीदरलैंड में चंडीगढ़ के विरासत फर्नीचर की नीलामी पर रोक की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के विरासत फर्नीचर की विदेशों में नीलामी का मामला फिर गरमा गया है। प्रसिद्ध वास्तुकार पियरे जेनरे द्वारा डिजाइन किए गए फर्नीचर की नीदरलैंड में प्रस्तावित नीलामी को लेकर एडवोकेट अजय जग्गा ने यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि पेरिस में प्रस्तावित नीलामी में संबंधित फर्नीचर नहीं बिक पाया, लेकिन अब 10 अक्टूबर को नीदरलैंड में पियरे जेनरे की डिजाइन की दो कुर्सियों की नीलामी प्रस्तावित है। जग्गा ने सात अक्टूबर को प्रशासक को भेजे पत्र में मांग की कि यदि अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है तो तत्काल मामला दर्ज किया जाए। इसके बाद विदेश मंत्रालय के माध्यम से संबंधित देश के अधिकारियों और नीलामी घर को नीलामी रोकने के लिए कहा जा सकेगा।



◆ **अजय जग्गा ने एफआईआर दर्ज कर राजनयिक माध्यम से फर्नीचर वापसी की मांग की**

उनका कहना है कि एफआईआर के बिना राजनयिक स्तर पर कार्रवाई में दिक्कत आती है। नीदरलैंड के हेसिन्क फाइन आर्ट ऑक्शनरिस की नीलामी में लॉट नंबर 28 में पियरे जेनरे की दो एक्स-लेग आर्मचेयर शामिल हैं। इनकी अनुमानित कीमत 5,000 से 7,000 यूरो और शुरुआती बोली 3,000 यूरो बताई गई है। नीलामी सूची में इनकी प्रोवेनेंस में स्पष्ट रूप से चंडीगढ़ की प्रशासनिक इमारतों का उल्लेख किया गया है।

तलाशी 238 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी जांच में सरकारी रिकॉर्ड जब्ती पर उठाए सवाल

ईडी की 50 घंटे की कार्रवाई को गमाडा ने हाई कोर्ट में दी चुनौती

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथारिटी (गमाडा) और पंजाब सरकार ने सेक्टर-62 स्थित पीयूडीए भवन में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तलाशी और सर्वे कार्रवाई को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका पर आज मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ सुनवाई करेगी। मामले को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि 22 से 24 सितंबर के बीच ईडी की कार्रवाई करीब 50 घंटे तक चली। इस दौरान पीयूडीए भवन की विभिन्न मंजिलों को सील रखा गया और 30 से अधिक बैगों में सरकारी रिकॉर्ड बाहर ले जाए गए। गमाडा का दावा है कि कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डाटा भी कापी अथवा क्लोन किया गया। याचिका के अनुसार प्रधान सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी दो रात तक कार्यालय परिसर में मौजूद रहे।



याचिकाकर्ताओं के अनुसार ईडी की कार्रवाई जिस मामले के आधार पर शुरू हुई, वह केंद्रीय जांच ब्यूरो की उस प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें तिरुपति इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रवर्तकों से जुड़ी कथित 238 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की जांच की जा रही है। आरोप है कि कंपनी की धनराशि को निजी लाभ के लिए इधर-उधर किया गया।

रिकॉर्ड चाहिए था तो नोटिस दिया जा सकता था

याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि यदि गमाडा की फाइलों में दर्ज किसी लेन-देन या दस्तावेज का जांच से संबंध था तो कानून के तहत संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के लिए विभाग को नोटिस दिया जा सकता था। इसके लिए पूरे सरकारी कार्यालय में तलाशी लेने और लंबे समय तक परिसर को सील रखने की आवश्यकता नहीं थी। गमाडा और पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट से ईडी की कार्रवाई की वैधानिकता की जांच करने और अधिकारियों तथा सरकारी रिकॉर्ड से संबंधित उठाए गए कदमों पर उचित राहत देने का आग्रह किया है।

अधिकारों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

गमाडा ने ईडी की कार्रवाई को अधिकारों के दुरुपयोग का मामला बताते हुए कहा है कि ऐसी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 62 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। याचिका में तलाशी और अधिकारियों को रोके रखने की प्रक्रिया को कानून के विपरीत बताते हुए कहा गया है कि गमाडा या उसके अधिकारियों का कथित बैंक धोखाधड़ी से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 49 अधिकारियों के तबादले



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते हुए 49 आईएएस और जेकेएएस अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। सरकार के आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। इस फेरबदल में कई वरिष्ठ अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि जम्मू समेत कई जिलों के उपायुक्तों की भी जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

आदेश के अनुसार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शालीन काबरा को राजस्व विभाग के प्रशासनिक सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही उन्हें एस्टेट्स विभाग के प्रशासनिक सचिव का अतिरिक्त दायित्व भी दिया गया है। काबरा जल शक्ति विभाग के वित्तीय आयुक्त (अतिरिक्त मुख्य सचिव) और राजस्व विभाग के वित्तीय आयुक्त के पद पर भी अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। वहीं, कुमार राजीव रंजन को राजस्व विभाग के प्रशासनिक सचिव के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। सरकार के इस फेरबदल में आशीष वर्मा समेत कई अन्य अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। प्रशासनिक स्तर पर किए गए इन तबादलों का उद्देश्य विभागों के कामकाज को बेहतर बनाने और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी करना माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में उपायुक्तों की तैनाती में बदलाव भी किया गया है। अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां संभालने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के आदेश के बाद संबंधित विभागों और जिला प्रशासन में जल्द ही नई व्यवस्था के अनुसार काम शुरू होगा। बड़े स्तर पर हुए इस फेरबदल को जम्मू-कश्मीर की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रशासनिक फेरबदल में जम्मू समेत कई जिलों के डीसी बदले

'पहले परिसीमन में जो हुआ उसे भूले नहीं', उमर अब्दुल्ला ने उठाए सवाल

उमर अब्दुल्ला ने कहा, पात्र मतदाताओं को सूची से बाहर करना आसान नहीं होगा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



उमर अब्दुल्ला ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर जताई चिंता।

जम्मू-कश्मीर में मतदाता सूचियों के प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चिंता जताई है। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इस प्रक्रिया के माध्यम से चुनावी व्यवस्था में राजनीतिक हस्तक्षेप की कोशिश हो सकती है। उमर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पहले भी परिसीमन की प्रक्रिया का सामना कर चुका है और उस दौरान जो कुछ हुआ, उसे भुलाया नहीं जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक संवेदनशील प्रक्रिया है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से बाहर न हो। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करना आसान नहीं होना चाहिए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित की जानी चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक हस्तक्षेप की आशंका जताते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। यदि पात्र मतदाताओं के नाम किसी कारण से सूची से बाहर होते हैं तो इसका सीधा असर उनके मतदान के अधिकार पर पड़ सकता है। इसलिए पुनरीक्षण के दौरान सभी पक्षों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने पूर्व परिसीमन का उल्लेख करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पहले भी ऐसी प्रक्रिया के प्रभावों को देखा है। ऐसे में मौजूदा मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी लोगों के मन में सवाल और आशंकाएं पैदा होना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि सरकार इस मुद्दे पर पूरी स्थिति पर नजर रखेगी।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मतदाता सूचियों को सही और अद्यतन रखना जरूरी है, लेकिन इसके साथ पात्र नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने पुनरीक्षण प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।

10, 11 और 14 अक्टूबर को कश्मीर के कई क्षेत्रों में होगी बिजली कटौती



33 केवी लाइनों के रखरखाव के चलते बिजली आपूर्ति रहेगी प्रभावित

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर के कई इलाकों में 10, 11 और 14 अक्टूबर को बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) ने 33 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के रखरखाव और अन्य जरूरी कार्यों के चलते बिजली कटौती का शेड्यूल जारी किया है। इसके तहत अलग-अलग क्षेत्रों में पांच से छह घंटे तक बिजली बंद रहेगी। केपीडीसीएल के चीफ इंजीनियर (डिस्ट्रीब्यूशन) के अनुसार, 33 केवी नेहलपोरा-मारकुंडल लाइन 11 और 14 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक बंद रहेगी।

इसके कारण मारकुंडल, नाइदखाई, सुंबल, गुंड बून और आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को निर्धारित समय के दौरान बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। विभाग के अनुसार, रखरखाव कार्य का उद्देश्य ट्रांसमिशन व्यवस्था को दुरुस्त करना और बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाना है। निर्धारित समय के दौरान लाइनें बंद रखकर आवश्यक तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इसके चलते संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह या आंशिक रूप से बाधित रह सकती है। केपीडीसीएल ने लोगों से अपील की है कि वे बिजली कटौती के निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए जरूरी काम पहले निपटा लें। अधिकारियों के मुताबिक, रखरखाव कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। 10, 11 और 14 अक्टूबर को कश्मीर के विभिन्न इलाकों में अलग-अलग समय पर बिजली कटौती प्रस्तावित है। विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार उपभोक्ता अपने क्षेत्र की निर्धारित कटौती की अवधि देखकर आवश्यक तैयारी कर सकते हैं। रखरखाव कार्य के दौरान बिजली व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों की टीम मौके पर मौजूद रहेगी और कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

8500 संस्थानों की होड़ में आइयूएसटी ने कायम रखा 4-स्टार मुकाम

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



आइडिया से नवाचार और नवाचार से स्टार्टअप की दिशा में काम कर रहे इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आइयूएसटी) ने एक और उपलब्धि हासिल की है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आइआइसी) रैंकिंग 2024-25 में विश्वविद्यालय को लगातार तीसरे वर्ष 4-स्टार रेटिंग मिली है।

मौजूदा रैंकिंग चक्र में 4 स्टार सर्वोच्च रेटिंग है। आइयूएसटी की यह उपलब्धि नवाचार के क्षेत्र में उसकी निरंतर सक्रियता को दर्शाती है। विश्वविद्यालय को वर्ष 2021-22 में 3.5 स्टार रेटिंग मिली थी। इसके बाद 2022-23, 2023-24 और अब 2024-25 में उसने लगातार 4-स्टार रेटिंग हासिल की है। इस तरह विश्वविद्यालय ने लगातार तीन वर्षों से अपनी 4-स्टार स्थिति बरकरार रखी है। जम्मू-कश्मीर के लिए भी यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है। रैंकिंग में प्रदेश के केवल तीन संस्थानों को 4-स्टार रेटिंग मिली है, जिनमें आइयूएसटी भी शामिल है।

विश्वविद्यालय ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 120 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को नए विचारों को विकसित करने तथा उन्हें नवाचार और स्टार्टअप के रूप में आगे बढ़ाने के अवसर मिले। आइयूएसटी की लगातार बेहतर रेटिंग से संस्थान में नवाचार को लेकर किए जा रहे प्रयासों को मजबूती मिली है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि जम्मू-कश्मीर में नवाचार और उद्यमिता के वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में भी अहम मानी जा रही है।

चक्कन-दा-बाग से पीओजेके की हिरासत में ली लड़की वापस भेजी गई



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भारतीय सेना ने पुंछ जिले में चक्कन-दा-बाग क्रॉसिंग प्वाइंट के माध्यम से पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की हिरासत में ली गई एक लड़की को बुधवार को वापस भेज दिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सामिया अजीम नाम की यह लड़की कोटली जिले की खुइरेटा तहसील के सेरी इलाके में बैंस गाला की रहने वाली है। सूत्रों ने बताया कि सामिया अजीम को भारतीय सेना ने दो अक्टूबर को लाम सेक्टर में पकड़ा था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उससे संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाने के साथ निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कीं। जांच और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे वापस भेजने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह सामिया अजीम को पुंछ जिले में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास स्थित चक्कन-दा-बाग क्रॉसिंग प्वाइंट से निर्धारित प्रक्रिया के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की ओर भेज दिया गया। इस दौरान संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और अधिकारियों ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। चक्कन-दा-बाग क्रॉसिंग प्वाइंट पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के आर-पार आवाजाही के लिए इस्तेमाल होने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है।

अनंतनाग में नशे पर पुलिस का शिकंजा, सात आरोपी गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अनंतनाग जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने पांच अलग-अलग मामलों में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3.3 किलोग्राम से अधिक विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं।

पहले मामले में श्रीगुफवारा पुलिस ने नौशेरा क्रॉसिंग पर गुज्जर हॉस्टल के पास जांच के दौरान सिरहामा निवासी रियाज अहमद हाजम को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 3.52 ग्राम चरस और 368 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पहलगाम पुलिस ने कुल्लर में एक स्कार्पियो को रोककर चालक फरीद अहमद चौहान और सहचालक फयाज अहमद डोई को गिरफ्तार किया। तलाशी में चालक से 80-90 ग्राम सूखी भांग और सहचालक से पांच ग्राम चरस बरामद हुई।

अलग-अलग नाकों पर कार्रवाई चरस, गांजा और भुक्की बरामद

जांगलत मंडी पुलिस चौकी ने डोनिपावा में जांच के दौरान शेरपोरा निवासी जुनैद अहमद शेख को पांच ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। वहीं अनंतनाग पुलिस ने नंदपोरा में सीपन निवासी इम्तियाज अहमद लोन को 2.5 किलोग्राम चरस पाउडर के साथ पकड़ा।

इसके अलावा खानबल पुलिस चौकी ने बटेंगू क्रासिंग पर जुबैर अहमद डार और शाहिद गुलजार को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से क्रमश: करीब 200 और 150 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने सभी मामलों में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेती बनी घाटे का सौदा, मौसम ने फिर दिया झटका

किसानों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने की मांग उठाई

भारतेंदु संवाददाता, मीरा साहिब



जम्मू-कश्मीर में बुधवार तड़के हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। मीरा साहिब क्षेत्र में बारिश और ओलों के कारण खड़ी और पककर तैयार हो रही धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। कई खेतों में फसल प्रभावित होने से किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। कीरपिंड, कोला, ममका, खोड़, लंगोटियां, कोटली मियां फतेह, चक्र शिया समेत कई गांवों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। इन इलाकों में खेतों में खड़ी धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों का कहना है कि धान की फसल पककर तैयार हो रही थी और जल्द ही कटाई का काम शुरू किया जाना था।

इसी बीच मौसम खराब होने से उनकी मेहनत पर पानी फिर गया। किसानों के अनुसार, पिछले दिनों भी क्षेत्र में बारिश, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण फसल को भारी नुकसान हुआ था। उनका कहना है कि पिछली क्षति के बाद भी प्रशासन की ओर से खेतों का मुआयना नहीं किया गया। अब एक बार फिर बारिश और ओलावृष्टि ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में खेतों का निरीक्षण करवाकर फसल क्षति का आकलन किया जाए और नुकसान के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाए। लगातार मौसम की मार झेल रहे किसानों का कहना है कि ऐसी स्थिति में खेती करना उनके लिए घाटे का सौदा बनता जा रहा है।

खेतों में खड़ी धान की फसल को बारिश से नुकसान

किसानों ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि से कई खेतों में धान की फसल जमीन पर बिछ गई है, जबकि कुछ स्थानों पर बालियों को भी नुकसान हुआ है। इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि लगातार खराब मौसम के कारण कटाई का काम भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों की टीम भेजकर खेतों का सर्वे करवाने की मांग की है। किसानों ने कहा कि नुकसान का जल्द आकलन कर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि आर्थिक परेशानी कुछ कम हो सके।

कश्मीर के 16 से 24 वर्ष के युवाओं पर केंद्रित होगा नया मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर



तनाव, नशे और आत्मघाती विचारों की रोकथाम पर रहेगा फोकस

कश्मीर के युवाओं में मानसिक तनाव, नशे और आत्मघाती विचारों की रोकथाम के लिए कश्मीर विश्वविद्यालय और पीजीआइएमईआर के शोधकर्ताओं ने स्थानीय परिस्थितियों पर आधारित नया मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तैयार किया है। यह कार्यक्रम 16 से 24 वर्ष की आयु के युवाओं पर केंद्रित होगा। इसमें किसी युवा में मानसिक तनाव या अन्य जोखिम की शुरुआती स्तर पर पहचान करने के साथ उसे इससे निपटने के व्यावहारिक तरीके सिखाए जाएंगे।

शोधकर्ताओं का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का उपचार करने के बजाय उनकी प्राथमिक रोकथाम पर जोर देना है। कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे युवाओं की पहचान करने का प्रयास किया जाएगा, जिनमें तनाव, नशे या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का जोखिम अधिक हो सकता है।

समय रहते पहचान होने पर उन्हें आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य कौशल विकसित करने में मदद दी जाएगी। यह पहल इंडियन जर्नल आफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन प्रोटोकाल का हिस्सा है। शोधकर्ताओं के अनुसार, कार्यक्रम प्रभावी साबित होता है तो भविष्य में इसे स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पाठ्यक्रम के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

कार्यक्रम को कश्मीर के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश के अनुरूप तैयार किया गया है। शोधकर्ताओं का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी युवाओं तक तभी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकती है।

जम्मू-कश्मीर बैंक अब कर्ज के पर्यावरणीय असर का भी लगाएगा हिसाब



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर बैंक ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रगति दर्ज की है। बैंक की वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, एक वर्ष के दौरान उसकी कुल ऊर्जा खपत में 4.5 प्रतिशत की कमी आई। इसी अवधि में बैंक की प्रत्यक्ष गतिविधियों और बिजली खपत से जुड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी 6.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने वर्ष के दौरान 153153 गीगाजूल ऊर्जा का इस्तेमाल किया। वहीं, प्रत्यक्ष और बिजली उपयोग से संबंधित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 22506.07 टन रहा। बैंक ने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की दिशा में अपने संचालन की ऊर्जा जरूरतों पर निगरानी बढ़ाई है। बैंक की रिपोर्ट में यह भी माना गया है कि पर्यावरण पर उसके प्रभाव का आकलन केवल शाखाओं और कार्यालयों में होने वाली ऊर्जा खपत तक सीमित नहीं रह सकता। बैंक द्वारा कारोबार, कंपनियों और विभिन्न परियोजनाओं को दिए जाने वाले कर्ज से होने वाला पर्यावरणीय प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। यदि बैंक से प्राप्त धन ऐसी गतिविधियों में लगाया जाता है जिनसे अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है, तो उसका अप्रत्यक्ष असर बैंक के पर्यावरणीय प्रदर्शन पर भी पड़ता है। इसी कारण बैंक अब अपने कर्ज से जुड़े कार्बन उत्सर्जन का आकलन करने की तैयारी कर रहा है। बैंक के अनुसार, आने वाले समय में अलग-अलग क्षेत्रों को दिए गए कर्ज से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस्तेमाल होने वाली पीसीएएफ जैसी पद्धति अपनाने की तैयारी है। बैंक ने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के लिए कोई विशेष परियोजना शुरू नहीं की गई और न ही कार्बन क्रेडिट खरीदे या बनाए गए। फिलहाल बैंक का जोर पर्यावरणीय प्रभाव से जुड़े आंकड़ों को व्यवस्थित करने और कार्बन उत्सर्जन की सही गणना के लिए व्यवस्था तैयार करने पर है।

जम्मू-कश्मीर बैंक ने उत्सर्जन घटाया, अब कर्ज से जुड़े पर्यावरणीय जोखिम भी मापेगा

मौसम बदला, आस्था नहीं : वैष्णो देवी यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा



मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बावजूद विश्व प्रसिद्ध मां वैष्णो देवी की यात्रा श्रद्धालुओं के उत्साह के साथ जारी है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को कभी ठंडी हवाओं, कभी हल्की बारिश तो कभी धूप का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनके उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। श्रद्धालु परिवार और मित्रों के साथ लगातार भवन की ओर बढ़ रहे हैं। बुधवार सुबह तक कटड़ा सहित यात्रा मार्ग और भवन क्षेत्र में रुक-रुककर हल्की बारिश होती रही। बुधवार सुबह करीब 11 बजे के बाद मौसम में सुधार आया और आसमान साफ होने से श्रद्धालुओं को राहत मिली। मौसम अनुकूल होने के कारण हेलीकाप्टर सेवा भी बुधवार को अधिकांश समय सामान्य रूप से उपलब्ध रही। यात्रा से जुड़ी अन्य सुविधाएं भी सुचारू रूप से संचालित होती रहीं।

शारदीय नवरात्रों को लेकर भवन परिसर में सजावट और तैयारियां तेज

मौसम में लगातार बदलाव को देखते हुए श्राइन बोर्ड के आपदा प्रबंधन दल के साथ पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व जवान यात्रा मार्ग पर लगातार निगरानी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। फिलहाल मां वैष्णो देवी यात्रा के सभी मार्ग सुचारू हैं।

बुधवार को श्रद्धालु पंजीकरण करवाने के बाद भवन की ओर रवाना होते रहे। मां के भवन में दर्शन करने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भैरव घाटी पहुंचकर बाबा भैरवनाथ के चरणों में भी शीश नवाते नजर आए।

आगामी 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले पवित्र शारदीय नवरात्रों को लेकर मां वैष्णो देवी भवन परिसर में सजावट का काम तेजी से चल रहा है। भवन क्षेत्र को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। नवरात्रों के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन और श्राइन बोर्ड तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

बुधवार दोपहर दो बजे तक करीब 14 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर मां वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हो चुके थे। इसके बाद भी श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी रहा। मौसम के उतार-चढ़ाव के बावजूद श्रद्धालुओं में माता के दर्शन को लेकर उत्साह बना हुआ है।

जम्मू-कश्मीर-लद्दाख के बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना का पहला चरण हुआ पूरा



भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जनगणना-2027 का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। बर्फीले और दुर्गम क्षेत्रों में 5,292 गणना ब्लॉकों में जनसंख्या गणना का कार्य 100 प्रतिशत पूरा करने का दावा किया गया है। श्रीनगर, जम्मू सहित शेष मैदानी क्षेत्रों में मुख्य आबादी गणना फरवरी में होगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के जनगणना संचालन निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी अमित शर्मा ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि एक से 30 सितंबर तक बर्फीले क्षेत्रों में गणना की गई। इनमें जम्मू-कश्मीर के 4,597 और लद्दाख के 695 गणना ब्लॉक शामिल हैं। पांच दिवसीय पुनरीक्षण अभियान भी पांच अक्टूबर को पूरा कर लिया गया। डोडा में 798, किश्तवाड़ में 602, रामबन में 418, अनंतनाग में 377, बारामुला में 369, रियासी में 345, ऊधमपुर में 313 और कुपवाड़ा में 230 गणना ब्लॉक बनाए गए थे। किश्तवाड़ को पूरी तरह बर्फीला क्षेत्र घोषित किया गया जबकि अन्य जिलों के कुछ हिस्से भी इस श्रेणी में शामिल रहे। मकान सूचीकरण का कार्य जून में पूरा हो चुका है।

5,292 गणना ब्लॉकों में प्रक्रिया पूरी, फरवरी में होगी शेष क्षेत्रों की गणना

वहीं, जिला जनगणना पुस्तिका तैयार करने का काम 30 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अमित शर्मा ने बताया कि जनगणना-2027 देश की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना है।

अनंतनाग में आग लगने से आधा दर्जन मकान क्षतिग्रस्त



भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजी मोहल्ला इलाके में बुधवार को भीषण आग लगने से आधा दर्जन से अधिक आवासीय मकान क्षतिग्रस्त हो गए। आग की घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले एक आवासीय मकान में लगी। देखते ही देखते आग की लपटें आसपास स्थित अन्य मकानों तक पहुंच गईं। मकानों के एक-दूसरे के करीब होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे आसपास के अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोक लिया। आग की चपेट में आने से आधा दर्जन से अधिक मकानों को नुकसान पहुंचा है। कई मकानों में घरेलू सामान और अन्य संपत्ति भी क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। हालांकि, आग से हुए कुल नुकसान का अभी आकलन किया जा रहा है। आग बुझाने के दौरान दमकलकर्मियों की सहायता कर रहे दो स्थानीय लोग और एक दमकलकर्मी घायल हो गए। तीनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत के संबंध में फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नूरपुर का बृज राज

स्वामी मंदिर : आस्था, इतिहास और संरक्षण की अनूठी कहानी



श्रीकृष्ण

नूरपुर स्थित प्राचीन महलों में विराजमान श्री कृष्ण भगवान और मीरा बाई की मूर्तियों को लेकर प्रचलित ऐतिहासिक परंपरा न केवल आस्था का विषय है, बल्कि भारतीय इतिहास के एक उथल-पुथल भरे दौर की झलक भी प्रस्तुत करती है।

यह कथा विशेष रूप से चित्तौड़गढ़, मेवाड़ और कांगड़ा के शासकों के बीच सांस्कृतिक संरक्षण की एक महत्वपूर्ण कड़ी को दर्शाती है। 16वीं शताब्दी, विशेषकर सन 1526 ईस्वी के बाद जब भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना हुई, तब अनेक हिंदू मंदिरों और सांस्कृतिक प्रतीकों पर संकट के बादल मंडराने लगे। चित्तौड़गढ़ का पतन जैसे घटनाक्रमों ने इस भय को और भी वास्तविक बना दिया। इस पृष्ठभूमि में यह माना जाता है कि मेवाड़ के शासकों ने अपने आराध्य देव श्रीनाथजी (कृष्ण स्वरूप) तथा मीरा बाई से संबंधित मूर्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्णय लिया। लोक परंपरा के अनुसार, इन विग्रहों को रातों-रात मेवाड़ से निकालकर हिमालय की गोद में बसे कांगड़ा क्षेत्र में पहुंचाया गया। उस समय कटोच वंश के राजा राजा जगत सिंह (लगभग 1610-1640 ईस्वी) ने इन मूर्तियों को न केवल शरण दी, बल्कि अत्यंत सम्मान के साथ उन्हें नूरपुर किले में स्थापित कराया। यह स्थल आज बृज राज स्वामी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है और स्थानीय आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

इस मंदिर की सबसे विशिष्ट विशेषता यह मानी जाती है कि यहां स्थापित श्रीकृष्ण और मीरा की मूर्तियों के संबंध में यह विश्वास प्रचलित है कि मीरा बाई स्वयं अपने आराध्य में लीन हो गई थीं।

भक्तिकालीन साहित्य में मीरा का यह समर्पण भाव स्पष्ट झलकता है, जहां वह स्वयं को कृष्ण की दासी, प्रेयसी और अंततः उनके स्वरूप में विलीन मानती हैं। यही कारण है कि नूरपुर में स्थापित यह जोड़ी केवल मूर्तियों का संग्रह नहीं, बल्कि भक्ति, समर्पण और आध्यात्मिक एकत्व का जीवंत प्रतीक मानी जाती है।

ऐतिहासिक दृष्टि से देखा जाए तो इन दावों की पुष्टि के लिए ठोस अभिलेखीय प्रमाण सीमित हैं। कई इतिहासकार मानते हैं कि मूर्तियों का स्थानांतरण संभवतः हुआ, लेकिन इसके विवरण समय के साथ लोककथाओं में अलंकृत होते चले गए। इसके बावजूद यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि मुगल काल के दौरान अनेक धार्मिक प्रतीकों को बचाने के प्रयास किए गए और विभिन्न राजवंशों ने सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा में सहयोग किया। नूरपुर का यह मंदिर आज भी उस ऐतिहासिक विरासत का जीवंत प्रमाण है, जहां राजनीति, आस्था और सांस्कृतिक संरक्षण एक साथ दिखाई देते हैं। यह स्थान केवल एक धार्मिक केंद्र नहीं, बल्कि उस दौर की स्मृति भी है जब समाज ने अपने विश्वास और परंपराओं को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

आज के समय में भी बृज राज स्वामी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। यहां आने वाले भक्त न केवल दर्शन करते हैं, बल्कि उस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत से भी जुड़ते हैं, जो सदियों से चली आ रही है। यह स्थल स्थानीय संस्कृति, लोकविश्वास और इतिहास का संगम प्रस्तुत करता है। अंततः, यह कथा चाहे पूर्णतः ऐतिहासिक हो या आंशिक रूप से लोकविश्वासों से प्रभावित, इसका महत्व कम नहीं होता।



संदीप डोगरा
निजी सचिव मेडिकल कॉलेज, टांडा (कांगड़ा)

यह भारतीय इतिहास की उस परंपरा को रेखांकित करती है, जहां भक्ति और संरक्षण साथ-साथ चलते हैं और जहां एक मूर्ति केवल पत्थर नहीं, बल्कि युगों की आस्था, संघर्ष और सांस्कृतिक निरंतरता का सजीव प्रतीक बन जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देवर्षि नारद : लोक-कल्याण संचारक और संदेशवाहक



सूचना और संवाद मानव सभ्यता के प्राण हैं। भारतीय परंपरा में यदि संवाद-कला का कोई आदिपुरुष है तो वह देवर्षि नारद हैं। उन्हें ब्रह्मा का मानस-पुत्र, त्रिलोक-संचारी, वीणाधारी और 'सूचना-वाहक' कहा गया है। आज की पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानी जाती है, उसके मूल तत्व नारद-चरित्र में स्पष्ट दिखते हैं।

नारद जी केवल भक्त-शिरोमणि नहीं, बल्कि लोक-मंगल के लिए सूचना का आदान-प्रदान करने वाले पहले पत्रकार थे। वे स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल—तीनों लोकों में विचरण करते थे। जहां अन्याय देखते, वहां संवाद से चेतना जगाते। कंस को आकाशवाणी की सूचना देना, द्रौपदी स्वयंवर का समाचार राजाओं तक पहुंचाना, या इंद्र को असुरों की योजना बताना-ये सब 'ब्रेकिंग न्यूज' देने जैसा ही था। आदि पत्रकार नारद जी की पत्रकारिता सज्जन रक्षक और दुष्ट विनाश की थी। निष्पक्षता, लोक कल्याण,संवाद कुशलता देव-दैत्य दोनों को सच बताते, बिना भय-दबाव संवाद, गति, सतत प्रवास, सतत संवाद नारद की विशेषताएं हैं! सूचना का उद्देश्य 'लोकानां हितम्' था, निजी स्वार्थ नहीं। 'नारद-भक्ति-सूत्र' और 'नारद-पुराण' प्रमाण हैं कि वे तर्क, संगीत और कथा से जटिल बात सरल करते थे! 'नारायण-नारायण' कहते त्रिलोक में पलभर में पहुंचना-आज की 24म7 न्यूज-साइकिल का प्रतीक।

वर्तमान पत्रकारिता -स्वरूप और चुनौतियां : आज पत्रकारिता प्रिंट, टीवी, डिजिटल, सोशल मीडिया तक फैल गई है। एक ट्वीट से दुनिया हिल जाती है लेकिन मूल्यों की कसौटी पर देखें तो अंतर भी दिखता है। कई प्रकार के नकली एवं दुष्प्रचार के समाचार प्रसारित किए जाते हैं। समाचार की सत्यता, प्रमाणिकता पर प्रश्न चिन्ह लगते हैं। देवर्षि नारद सूचना देकर घटना को धर्म-स्थापना की ओर मोड़ते थे; आज कई बार खबर को 'डिबेट' में बदलकर ध्रुवीकरण किया जाता है। पेड न्यूज, फेक न्यूज का बोलबाला दिखता है।



प्रताप समयाल
शिमला, (हि.प्र)

नारद का आधार सत्य था—'नारं ददाति इति नारदः'-जो ज्ञान दे वही नारद। आज 'व्यूज' के लिए सत्य गौण हो जाता है। नारद जी पक्ष-विपक्ष दोनों को जोड़ते थे; आज मीडिया-हाउस की विचारधारा खबर का रंग तय करती है। नारद एक घटना की सूचना देकर उसके धर्म-संगत परिणाम तक पहुंचते थे। आज ब्रेकिंग के दबाव में 'फॉलो-अप' छूट जाता है। **देवर्षि नारद से क्या सीखे आधुनिक पत्रकार? :** केंद्रित पत्रकारिता खबर का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र-हित, समाज-हित हो, न कि केवल सत्ता या पूंजी होनी चाहिए साहस एवं विवेक से पत्रकारिता करने की आवश्यकता है। नारद ने कंस के दरबार में भी सत्य कहा। आज के पत्रकार को सत्ता, कॉरपोरेट और भीड़-तीनों के दबाव में सच कहने की हिम्मत करनी पड़ेगी। पत्रकार की समाधानपरक दृष्टि रहनी चाहिए। नारद समस्या बता कर 'भक्ति' या 'धर्म' का मार्ग सुझाते थे। पत्रकारिता भी 'समस्या बताने' से आगे बढ़कर 'संवाद-सेतु' बने। तकनीक का सदुपयोग नारद की वीणा संवाद का माध्यम थी। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म वीणा हैं। उनका उपयोग 'नारायण' यानी जन-जन तक सत्य पहुंचाने में हो।

नारद जयंती को लेकर पूर्वाग्रह : नारद जयंती को लेकर समाज में कई बार पूर्वाग्रह देखने को मिलते हैं। देवर्षि नारद को 'आद्य पत्रकार' कहना कुछ लोगों को परंपरा का आधुनिककरण लगता है, लेकिन भारतीय दृष्टि में वे संवाद, सूचना और लोकमंगल के प्रतीक माने जाते हैं। 30 मई 1826 को प्रकाशित उदन्त मार्तंड के पहले अंक को भी नारद जयंती से जोड़ा गया, जिससे यह विचार और मजबूत हुआ कि नारद एक आदर्श संचारक थे। आधुनिक पत्रकारिता यदि निष्पक्षता, साहस और सत्य के मूल्यों को अपनाए, तो वह 'नारद भाव' के करीब पहुंच सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

डॉक्टर से जननेता बने जनक राज, जनता की आवाज बने



दर्द समझने वाला डॉक्टर अब बना जनप्रतिनिधि

प्रारंभिक शब्दों में डॉक्टर जनक को भोले शंकर बाबा मणिमहेश की मणि कहा जाए तो भी लोगों के लिए ये भी कम ही होगा। एक डॉक्टर जिसने मरीजों की पीड़ा समझी, वही आज जनता की पीड़ा को विधानसभा में आवाज दे रहा है।

सेवा की राह से राजनीति के सफर तक: जनता के बीच किसी नेता की स्वीकार्यता केवल चुनाव जीतने से नहीं बनती। असली पहचान तब बनती है, जब व्यक्ति सत्ता और पद से ऊपर उठकर लोगों के सुख-दुख में खड़ा दिखाई दे। डॉ. जनक राज का सार्वजनिक जीवन इसी कसौटी पर अपनी अलग पहचान बनाता नजर आ रहा है।

एक सुपर स्पेशलिस्ट न्यूरो सर्जन के रूप में उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और गंभीर मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टांडा मेडिकल कॉलेज में अपने कार्यकाल के दौरान मुझे उनसे कई बार मिलने और उनके काम को करीब से देखने का अवसर मिला। विशेष रूप से चंबा और भरमौर के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले गरीब मरीजों के प्रति उनकी संवेदनशीलता मेरे लिए हमेशा उल्लेखनीय रही।

गंभीर बीमारी, आर्थिक परेशानी और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों से जूझते मरीजों के लिए डॉक्टर का व्यवहार कई बार दवा से भी बड़ी उम्मीद बन जाता है। डॉ. जनक कुमार में यह संवेदनशीलता दिखाई देती थी। जरूरतमंद मरीजों की सहायता, उपचार में तत्परता और गरीब परिवारों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण ने उन्हें आम लोगों के बीच अलग पहचान दिलाई।

ट्रॉमा और न्यूरो सर्जरी में अनुभव: न्यूरो सर्जरी चिकित्सा की सबसे जटिल विधाओं में से एक है। सिर और रीढ़ की गंभीर चोटों से जुड़े ट्रॉमा मरीजों का उपचार अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। टांडा में उनके कार्यकाल के दौरान ऐसे अनेक मरीजों के उपचार और ऑपरेशन में उनकी भूमिका रही। क्षेत्र में उनके चिकित्सकीय योगदान को लेकर मरीजों और उनके परिजनों में सकारात्मक धारणा बनी।

यही वह दौर था, जब डॉक्टर और मरीज के रिश्ते से आगे बढ़कर उनका संबंध समाज के एक बड़े वर्ग से बनने लगा। चंबा-भरमौर के लोगों ने उनमें केवल एक विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं, बल्कि जरूरत के समय साथ खड़े होने वाला व्यक्ति देखना शुरू किया।

शिमला में नेतृत्व की जिम्मेदारी: इसके बाद डॉ. जनक राज का सफर शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तक पहुंचा। कम उम्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते हुए उन्होंने न्यूरो सर्जरी के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञ पहचान को आगे बढ़ाया। विभागीय नेतृत्व की जिम्मेदारी मिलना उनके चिकित्सकीय सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा।

लेकिन उनके व्यक्तित्व की कहानी केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं रही। जनता के बीच काम करने का अनुभव और लोगों की समस्याओं से लगातार जुड़ाव उन्हें राजनीति की ओर ले गया। भरमौर की जनता की अपेक्षाओं और आग्रह के बीच उन्होंने राजनीतिक मैदान में कदम रखा और जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनकर डॉक्टर से विधायक की भूमिका सौंप दी।

अब मरीज नहीं, पूरा क्षेत्र है जिम्मेदारी: ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर के सामने एक मरीज की जिंदगी होती है। विधानसभा में जनप्रतिनिधि के सामने हजारों परिवारों की उम्मीदें होती हैं। डॉ. जनक राज के सामने आज यही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। भरमौर का कठिन भौगोलिक क्षेत्र सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं की अनेक चुनौतियों से जूझता रहा है। ऐसे में क्षेत्र के लोगों को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो उनकी समस्याओं को समझे और उन्हें प्रभावी ढंग से सरकार तथा विधानसभा के सामने रखे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



सृजन
छात्र (बी. टेक)

चुटकी भर सिंदूर, रिश्तों में विश्वास और प्रेम की पहचान



भारतीय संस्कृति में विवाहिता महिला की मांग में सिंदूर न होना उसके सामने कई प्रश्न चिन्ह खड़े कर देता है। शादीशुदा औरत के माथे पर लगा सिंदूर उसके यौवनावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक उसका सूचक होता है यानी उसकी खूबसूरती में अहम भूमिका होती है और यही हमारी संस्कृति, परंपरा, संस्कार और सभ्यता भी है, जो अमूल्य है। यही वजह है कि आज भी हमारी यह सांस्कृतिक परम्पराएं अपना विशेष एवं अक्षुण्ण महत्व रखती हैं। जहां तीज-त्योहारों में चाहे पुरुष हो अथवा महिला क्रमशः नए आकर्षक वस्त्र और साड़ी-सूट पहनकर तथा साजसज्जा व अन्य श्रृंगार से लकदक इनकी सुन्दरता-खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं। विवाहिता महिलाएं वहीं बड़ी ही उत्सुकता से इन उत्सवों का इंतजार करती हैं और पारम्परिक तौर-तरीकों को अपनाते हुए विधिविधान के साथ इनका निर्वहन भी करती आ रही हैं।

विशेषकर वर्तमान समय में महिलाएं धार्मिक अनुष्ठानों, शादी-विवाह एवं महिलाओं के सर्वाधिक प्रिय तीज, करवा चौथ जैसे मंगल उत्सवों अथवा पार्टियों में शामिल होने के दौरान भरपूर श्रृंगार करती हैं। इसके लिए वह आधुनिक सौंदर्य केंद्रों में जाकर अपने सौंदर्य को निखारने और अपने चांद रूपी चेहरे को आकर्षक रूप देने का प्रयास करती हैं। महिलाओं के श्रृंगार में काजल, बिंदिया, लिपस्टिक, नेल्स पोलिश, मेहंदी और अपने सामर्थ्य अनुसार कानों-गले में क्रमशः अद्भुत डिजाइन से तराशे-निर्मित झुमके, हार-नेकलेस आदि भी पहने जाते हैं। यही नहीं, हाथों में कंगन-चूड़ियां, अंगुलियों में अनेक बनावट वाली अंगूठियां, पैरों में झंकृत करती पायल आदि गहने उनकी सुन्दरता में अतीव इजाफा करते हैं।

लेकिन शादीशुदा महिला जब तक अपनी मांग में चुटकी भर सिंदूर एवं गले में मंगलसूत्र और बाहों में लाल चूड़ा न पहन लें, तब तक उसका श्रृंगार हिन्दू परम्परा के अनुसार आधा-अधूरा सा लगता है और यही शादीशुदा स्त्री की वास्तविक पहचान व खूबसूरती भी इंगित करती है। विवाह में दूल्हा-दुल्हन परस्पर जहां वरमाला पहनाते हैं, वहीं सात फेरे लिए जाते हैं। दूसरी ओर, दूल्हा दुल्हन को गले में मंगलसूत्र पहनाकर विवाह की रस्म को अदा करता है, वहीं अगर दूल्हे राजा जब तक दुल्हन की मांग में चुटकी भर सिंदूर नहीं भर देता, तब तक विवाह की हिन्दू परम्परा सम्पन्न नहीं होती। दुल्हन के माथे में लगाया गया चुटकी भर सिंदूर मात्र दुल्हन की शादीशुदा अथवा सुहागिन होने की एक निशानी ही नहीं, बल्कि अपने पति की अनवरत दीर्घायु, स्वस्थ रहने, समृद्धि तथा सुख-दुःख का प्रतीकात्मक चिन्ह भी है। सिंदूर सिर्फ विवाहित युगल के साथ रहने का प्रतीक ही नहीं, दोनों के बीच भावनात्मक एवं सामंजस्य मिलन का जीवन भर का सेतु पायदान भी है, जिस पर दोनों युगल जोड़े परस्पर अपनी यात्रा का शुभारंभ हमदम-हमसफर बनकर सफर तय करते हैं। हिन्दू धर्म में शादी दो आत्माओं का पवित्र बंधन माना जाता है और इसमें सिंदूर का अपना प्रमुख स्थान है।



तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक),पालमपुर

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

तस्करी के अंधेरे रास्ते

म्यांमार की चार लड़कियों को अलीगढ़ से सुरक्षित छुड़ाने और दो कथित तस्करों को गिरफ्तार करने का मामला मानव तस्करी की एक और घटना भर नहीं है। यह घटना भारत की सीमाओं, शरणार्थी शिविरों, आव्रजन व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा तंत्र के बीच मौजूद उन कमजोर कड़ियों की ओर गंभीर संकेत करती है, जिनका लाभ अंतरराष्ट्रीय मानव तस्कर उठा रहे हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस कथित तस्करी नेटवर्क में नाबालिग लड़कियों को भी शामिल किए जाने की बात सामने आई है। यदि जांच में यह तथ्य प्रमाणित होता है तो यह केवल मानव तस्करी का मामला नहीं रहेगा, बल्कि महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के गंभीर उल्लंघन का भी मामला होगा। ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ-साथ उस पूरी व्यवस्था की पड़ताल आवश्यक है, जिसके रास्ते वे भारत तक पहुंचने में सफल हुए।

ग्वालियर रेलवे पुलिस की कार्रवाई में जिस नेटवर्क का पता चला है, उसके तार कथित तौर पर म्यांमार के शरणार्थी शिविरों से लड़कियों को बाहर निकालकर भारत लाने और फिर उनकी जबरन शादी कराने की साजिश से जुड़े बताए जा रहे हैं। यदि ऐसा है तो यह बेहद गंभीर और संगठित अपराध है। किसी महिला या बच्ची को उसकी इच्छा के विरुद्ध दूसरे देश में लाना, उसकी स्वतंत्रता छीनना और जबरन विवाह के लिए मजबूर करना मानव गरिमा पर सीधा हमला है। इस मामले में दुर्गम नदी और पहाड़ी रास्तों के जरिए भारत में प्रवेश कराए जाने की आशंका भी सामने आई है। इससे सीमा प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े होते हैं। आखिर इतने संवेदनशील क्षेत्रों से होकर लोगों की आवाजाही किस तरह संभव हुई और क्या इस रास्ते का इस्तेमाल पहले भी तस्करी के लिए किया जाता रहा है, इसकी जांच जरूरी है।

मामले में एक आरोपी के पास संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त से संबंधित कार्ड मिलने की बात भी जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण है। किसी शरणार्थी या विस्थापित व्यक्ति के पास वैध पहचान या दस्तावेज होना अपने आप में अपराध का प्रमाण नहीं है। लेकिन यदि कोई व्यक्ति ऐसे दस्तावेज का इस्तेमाल अपराध को छिपाने, पहचान बदलने या आवाजाही को आसान बनाने के लिए करता है तो यह गंभीर विषय है। इसलिए जांच एजेंसियों को यह पता लगाना होगा कि बरामद दस्तावेज वास्तविक हैं या नहीं, वे किस परिस्थिति में जारी हुए और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया। साथ ही यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि आरोपी भारत में कहां-कहां रहा, उसके संपर्क किन लोगों से थे और क्या उसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा था।

ग्वालियर जीआरपी की कार्रवाई का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि संदिग्ध व्यक्ति को ट्रेन में पकड़ने के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर अलीगढ़ पहुंचकर दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया और लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकाला। भाषा की बाधा के बावजूद पुलिस ने पहले तकनीकी माध्यमों और बाद में द्विभाषिए की सहायता से पीड़ितों से जानकारी हासिल की। यह पहल सराहनीय है, लेकिन इसी के साथ यह तथ्य भी सामने आता है कि मानव तस्करी के मामलों में सामान्य पुलिसिया कार्रवाई से आगे बढ़कर विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है। पीड़ितों की भाषा, मानसिक स्थिति, भय और सामाजिक परिस्थितियों को समझे बिना उनसे सही जानकारी हासिल करना कठिन होता है। इसलिए पुलिस, बाल संरक्षण इकाइयों, महिला एवं बाल कल्याण विभाग और विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

अब इस मामले की जांच केवल दो आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सूचना दिया जाना इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि मामले के अंतरराष्ट्रीय संपर्कों और सीमा पार नेटवर्क की गहराई से जांच हो सके। जांच एजेंसियों को यह पता लगाना चाहिए कि लड़कियों को म्यांमार से भारत तक कौन लाया, उनके लिए रास्ते और ठिकाने किसने उपलब्ध कराए, भारत में उनके संपर्क किससे थे और कथित जबरन विवाह की पूरी व्यवस्था कौन संभाल रहा था। धन के लेन-देन की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यदि इस गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है तो उसके सहयोगियों, बिचौलियों और स्थानीय मददगारों तक पहुंचना होगा। यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि इससे पहले कितनी महिलाओं या लड़कियों को इसी तरीके से भारत लाया गया और उनके साथ क्या हुआ।

मानव तस्करी को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, मानवाधिकार और सामाजिक गरिमा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। सीमाओं की निगरानी मजबूत करने के साथ रेलवे, पुलिस, आव्रजन एजेंसियों और खुफिया तंत्र के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान जरूरी है। संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध आवाजाही पर नजर रखने के साथ उन रास्तों की भी पहचान करनी होगी, जिनका इस्तेमाल तस्कर करते हैं। वहीं शरणार्थी समुदायों के बीच काम करने वाली संस्थाओं और प्रशासन को भी अधिक सतर्क रहना होगा, ताकि वास्तविक शरणार्थियों के अधिकारों की रक्षा करते हुए अपराधी तत्वों की पहचान की जा सके।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

गौरी खान का हुनरमंद सफर

गौरी खान भारतीय फिल्म जगत में निर्माता और इंटीरियर डिजाइनर के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाली प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं। उनका जन्म 8 अक्टूबर 1970 को हुआ था। अभिनेता शाहरुख खान की पत्नी के रूप में उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत और रचनात्मक प्रतिभा के बल पर फिल्म निर्माण और इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में स्वतंत्र पहचान भी बनाई है।



गौरी खान
जन्म : 8 अक्टूबर 1970

वर्ष 2001 में गौरी खान और शाहरुख खान ने मिलकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की स्थापना की। इस बैनर के तहत गौरी खान ने कई चर्चित हिंदी फिल्मों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'मैं हूं ना', 'ओम शांति ओम', 'रा.वन' और 'चेन्नई एक्सप्रेस' जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट को हिंदी फिल्म उद्योग के प्रमुख निर्माण संस्थानों में स्थापित किया। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उनकी भूमिका ने उन्हें पर्दे के पीछे एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में पहचान दिलाई।

फिल्मों के अलावा गौरी खान ने इंटीरियर डिजाइनिंग को भी अपने करियर का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। वर्ष 2013 में उन्होंने 'गौरी खान डिजाइन्स' नाम से अपना इंटीरियर डिजाइन स्टूडियो शुरू किया। इसके माध्यम से उन्होंने आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं पर काम किया। उनके डिजाइन कार्यों में आधुनिक शैली के साथ भारतीय सौंदर्यबोध और व्यक्तिगत पसंद का मेल देखने को मिलता है। उन्होंने कई चर्चित हस्तियों और प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए भी डिजाइन परियोजनाएं पूरी की हैं।

गौरी खान ने डिजाइन के क्षेत्र में अपनी पहचान को लगातार विस्तार दिया। वर्ष 2025 में उन्होंने दिल्ली में एक 'एक्सपीरियंस सेंटर' शुरू किया, जहां उनके डिजाइन कार्यों और रचनात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनकी आवासीय डिजाइन परियोजनाओं की फीस लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक हो सकती है।



कविता

यौवन

डॉ.राजीव डोगरा, हिंदी अध्यापक, गांव जनयानकड़, कांगड़ा (हि.प्र.)

दिन जवानी के आते-जाते रहेंगे,
मोहब्बत के गीत हम भी गाते रहेंगे।
समय की हवाओं में चाहे बदल जाए दुनिया,
हम तेरी यादों को दिल में सजाते रहेंगे।
नाम लेकर खुदा तेरा,
हम उसे भी मनाते रहेंगे,
हर दुआ में तेरा जिक्र होगा,
हर सजदे में तुझे चाहते रहेंगे।
अफसाने तो बहुत लिखे हैं हमने,
मगर हर अफसाने में
तेरे नाम के साथ
अपना नाम लिखते रहेंगे।
लोग पूछेंगे जब कभी
हमसे दर्द की वजह,
हम भी सर्द हवाओं के साथ
तेरा नाम लिखते रहेंगे।
कभी चांद से पूछेंगे तेरा पता,
कभी तारों में तुझे ढूंढते रहेंगे,
रात चाहे कितनी भी लंबी हो,
तेरी यादों में सुबह करते रहेंगे।
तू मिले या न मिले जिंदगी में,
तेरी चाहत को दिल से निभाते रहेंगे।
दुनिया चाहे भुला दे हमें,
हम हर जन्म में
तेरा नाम दोहराते रहेंगे।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

जिस पार्टी पर लोग करते थे परिहास, आज उसका साधारण कार्यकर्ता देश का प्रधानमंत्री : जयराम ठाकुर

कार्यक्रम में सांसद कंगना रनौत समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी रहे मौजूद

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू



धनेश गौतम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को कुल्लू में 'विकसित भारत संकल्प सभा' और 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने 'सेवा ज्योति' प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर सार्वजनिक सेवा की शुरुआत की थी। इसके बाद वर्ष 2014 से वह देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'सेवा ज्योति यात्रा' प्रधानमंत्री के अनवरत सेवा काल का प्रतीक है। उन्होंने हिमाचल के देवी-देवताओं से प्रार्थना की कि सेवा की यह ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे और जनकल्याण का मार्ग प्रकाशित करती रहे। जनसभा को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि एक समय था जब भाजपा की स्थापना पर कुछ लोग परिहास करते थे, लेकिन आज उसी पार्टी का एक साधारण कार्यकर्ता देश का प्रधानमंत्री है। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़े नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल तक 25 वर्षों का सफर पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश में कई ऐसे कार्य हुए हैं, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और आतंकवाद तथा नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख किया। जयराम ठाकुर ने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और विनिर्माण क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर आगे बढ़ा

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की नीतियों से गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि भारत आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जयराम ठाकुर ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और विकास के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की मजबूती और राष्ट्रहित के लिए निरंतर कार्य करता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन और उपलब्धियों को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति की लौ जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाती रहेगी।

ज्वाली स्कूल में छात्राओं को एचपीवी टीकाकरण के प्रति किया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, ज्वाली। स्प्रिंग डेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ज्वाली में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग सिविल अस्पताल ज्वाली की ओर से एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) टीकाकरण को लेकर जागरूकता परिसंवाद आयोजित किया गया। इसमें कक्षा नौवीं से 12वीं तक की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मेडिकल ऑफिसर डॉ. अदिति, श्री गुलशन कुमार, श्री अमित और हेल्थ सुपरवाइजर श्री रविंद्र ने छात्राओं को एचपीवी संक्रमण और टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी।

मेडिकल ऑफिसर डॉ. आदित्य ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेशभर में 13 से 15 वर्ष की किशोरियों को निशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताया कि किशोरियों को उचित आयु में एचपीवी वैक्सीन लगवाने से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को गंभीरता से लेने और किसी भी तरह की शंका होने पर चिकित्सकों से परामर्श करने का आह्वान किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं को टीकाकरण के महत्व, इसके लाभ और सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी दी। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव सिंह निरयाल, अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र, एमडी श्री पवन चौधरी और कमेटी सदस्य श्री चंद्रशेखर ने भी छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

न्यूज ब्रीफ

नाचन में वन्य जीवों के शिकार पर कड़ी निगरानी फील्ड स्टाफ को सतर्क रहने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, गोहर/मंडी। सर्दियों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों से वन्य प्राणियों और पक्षियों के निचले क्षेत्रों की ओर आने के मद्देनजर वन मंडल नाचन ने सभी वन परिक्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी है। वन मंडलाधिकारी मुनीश रांगड़ा ने फील्ड स्टाफ को शिकार और अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि घोरड, काकड़, जंगली सुअर के अलावा मोनाल, कोकलास, कलीज, चीड़ और जुज़ुराना जैसे पक्षी गांवों के आसपास पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत शिकार प्रतिबंधित है। फंदा या जाल लगाना, घायल करना, जहर देना, पीछा करना, अंडे उठाना और घोंसले नष्ट करना भी शिकार की श्रेणी में आता है। अनुसूची-एक के वन्य प्राणियों के शिकार पर तीन से सात वर्ष तक की कैद और जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने लोगों से शिकार की सूचना तुरंत वन विभाग को देने और घायल वन्य जीव को नुकसान न पहुंचाने की अपील की।

सरकाघाट में आंगनवाड़ी सहायिका के साक्षात्कार अब 24 अक्तूबर को

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। बाल विकास परियोजना अधिकारी, गोपालपुर स्थित सरकाघाट ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आंगनवाड़ी सहायिका के पदों के लिए निर्धारित साक्षात्कार की तिथि में प्रशासनिक कारणों से बदलाव किया गया है। पहले 12 अक्तूबर, 2026 को प्रस्तावित साक्षात्कार अब 24 अक्तूबर, 2026 को सुबह 10 बजे उपमंडलाधिकारी (ना.) सरकाघाट के कार्यालय में आयोजित होंगे। साक्षात्कार में आंगनवाड़ी केंद्र बड़ाल-1, भगवान, सधबानी-1, हरल्याण तथा वारी-2 के लिए संबंधित अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। संबंधित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर अपने मूल प्रमाण-पत्रों व आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों को अलग से बुलावा-पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। सभी अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचने का आग्रह किया गया है। साक्षात्कार से संबंधित अन्य नियम और शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी।

कुल्लू में इंडिया गठबंधन का 'लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ' मार्च

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू



केंद्र सरकार की नीतियों और चुनाव प्रक्रिया को लेकर बुधवार को कुल्लू में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। 'लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ' के आह्वान पर गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकाली। इस दौरान केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग भी उठाई। रैली में कांग्रेस, सीपीआईएम सहित इंडिया गठबंधन से जुड़े विभिन्न दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यकर्ता हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताते हुए शहर में आगे बढ़े। मार्च की अगुवाई कांग्रेस अध्यक्ष सेस राम आजाद और सीपीआईएम नेता नारायण चौहान ने की। जिला भर से गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता का वोट सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है। चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली और चुनावी प्रक्रिया को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, लेकिन इन चिंताओं का उचित समाधान नहीं किया जा रहा है।

घुमारवीं कॉलेज में सीएससीए की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, शिल्पा अध्यक्ष और साक्षी बनीं उपाध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं



स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में महाविद्यालय छात्र केंद्रीय संघ (सीएससीए) की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमापूर्ण माहौल में आयोजित किया गया। समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के दौरान सीएससीए की नवनिर्वाचित अध्यक्ष शिल्पा कुमारी, उपाध्यक्ष साक्षी धूमल, सचिव निशा कुमारी, संयुक्त सचिव राशिका शर्मा सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सभी पदाधिकारियों ने छात्र हितों की रक्षा, ईमानदारी, अनुशासन और पूर्ण निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पीटीए (अभिभावक-शिक्षक संघ) फंड के माध्यम से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को ब्लेजर भी भेंट किए गए। सीएससीए अध्यक्ष शिल्पा कुमारी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को विश्वास दिलाया कि छात्र केंद्रीय संघ छात्र हितों की रक्षा के लिए लगातार कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि संघ महाविद्यालय के समग्र विकास में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा और विद्यार्थियों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाकर उनके समाधान का प्रयास करेगा।

घुमारवीं में चिट्टे के साथ पंजाब के दो तस्कर गिरफ्तार, 37 ग्राम हेरोइन बरामद



भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। नशा माफिया के खिलाफ अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस की विशेष जांच टीम ने बलोह-मत्यावर लिंक रोड पर नाकाबंदी के दौरान पंजाब के दो युवकों को 37 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान परमप्रीत सिंह निवासी फतेहगढ़ साहिब और मुंशी राम निवासी पटियाला के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच में जुटी है कि खेप कहां से लाई गई थी और किसे सप्लाई की जानी थी।

एचपी टीईटी नवंबर के लिए आवेदन का कल आखिरी मौका

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की नवंबर-2026 शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के लिए आवेदन का 8 अक्तूबर रात 11:59 बजे तक अंतिम मौका है। अभ्यर्थी लेट फीस के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि आवेदन में नाम, जन्म तिथि, विषय और शैक्षणिक योग्यता संबंधी गलतियों में 9 से 12 अक्तूबर तक ऑनलाइन सुधार किया जा सकेगा। श्रेणी या उप-श्रेणी में बदलाव के लिए ऑनलाइन सुविधा नहीं होगी। इसके लिए अभ्यर्थियों को आवेदन की प्रति, वैध प्रमाणपत्र और निर्धारित शुल्क के साथ 15 अक्तूबर तक बोर्ड कार्यालय पहुंचना होगा। अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से अंतिम समय का इंतजार न करने और फॉर्म जमा करने से पहले सभी विवरण जांचने की अपील की है।के लिए आवेदन का कल आखिरी मौका

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने को लेकर रवि ठाकुर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर कांग्रेस द्वारा किए जा रहे विरोध पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों पर चुनाव आयोग के विरोध में प्रदर्शन कर रही है और लोगों से हस्ताक्षर भी करवाए जा रहे हैं। रवि ठाकुर ने कहा कि जिस चुनाव आयोग की चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से कांग्रेस के नेता आज हिमाचल प्रदेश में सत्ता के महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं, उसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस को चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा नहीं है तो सत्ता में बैठे कांग्रेस नेताओं को पहले अपने पदों से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को 1500 रुपये देने के लिए आवेदन और चुनाव आयोग के विरोध में हस्ताक्षर अभियान को अलग-अलग विषय बताते हुए जनता को भ्रमित न करने की बात कही। रवि ठाकुर ने कांग्रेस की 10 गारंटियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी को अपने वादों की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति की जागरूक जनता को राजनीतिक नारों से गुमराह नहीं किया जा सकता।

जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो ने आयोजित की संवेदीकरण कार्यशाला

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी



भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), परवाणू शाखा कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को डीआरडीए सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती ने की। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों को मानकों, प्रमाणन व्यवस्था, गुणवत्ता नियंत्रण और उपभोक्ता हितों से जुड़े विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक करना रहा।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में निर्धारित मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने संबंधित विभागों को भारतीय मानक ब्यूरो के साथ समन्वय स्थापित करने और मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में मानकीकरण और गुणवत्ता संबंधी प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों की जानकारी

कार्यशाला के दौरान बीआईएस परवाणू शाखा कार्यालय के गोरेनांद यादव, वैज्ञानिक-सी एवं संयुक्त निदेशक तथा अमित तिवारी, वैज्ञानिक-बी एवं सहायक निदेशक ने अधिकारियों को बीआईएस की गतिविधियों और सेवाओं की जानकारी दी। अधिकारियों को बीआईएस के ई-बीआईएस पोर्टल और बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं से भी अवगत करवाया गया। विशेषज्ञों ने सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों के कार्यान्वयन और उपभोक्ता सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अनिवार्य उत्पादों के लिए आईएसआई मार्क और सीआरएस पंजीकरण मार्क की भूमिका महत्वपूर्ण है। बिना आईएसआई मार्क और बिना हॉलमार्क वाले उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाने में जिला प्रशासन की भूमिका पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को मानक ऑनलाइन पोर्टल और बीआईएस वेबसाइट के उपयोग के साथ शिकायत निवारण प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

22 साल बाद मुकाम पर पहुंचा ऊहल प्रोजेक्ट, धूमल सरकार के फैसले से मिली नई दिशा

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी जिले की महत्वाकांक्षी 100 मेगावाट ऊहल चरण-3 जलविद्युत परियोजना करीब 22 वर्षों के लंबे सफर के बाद उद्घाटन के मुकाम पर पहुंच गई है। वर्ष 2003 में इसकी आधारशिला रखी गई थी और मई 2025 तक तीनों इकाइयों की कमीशनिंग पूरी हो चुकी है। परियोजना के निर्माण में कई चुनौतियां सामने आईं। वर्ष 2020 में ट्रायल के दौरान पेनस्टॉक फटने से परियोजना को नुकसान हुआ, जिससे कमीशनिंग में देरी हुई। परियोजना में करीब 8,471 मीटर लंबी हेड रेस टनल, सर्ज शाफ्ट, पेनस्टॉक और तीन इकाइयों वाला पावर हाउस शामिल है। इससे प्रतिदिन करीब 12 लाख यूनिट बिजली उत्पादन और लगभग 1.15 करोड़ रुपये प्रतिदिन राजस्व मिलने का अनुमान है। परियोजना के विकास में अलग-अलग सरकारों, इंजीनियरों, कर्मचारियों, ठेकेदारों और स्थानीय लोगों का योगदान रहा है। इसके शुरुआती दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल और लोक निर्माण मंत्री ठाकुर गुलाब सिंह की भूमिका को भी क्षेत्र के लोग याद कर रहे हैं।

निजी जमीन पर सड़क निर्माण को लेकर पंचायत प्रधान के खिलाफ ग्रामीण लामबंद

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट

निजी जमीन पर सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने खोला मोर्चा



सरकाघाट धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सरी के कपाही गांव में निजी जमीन से सड़क निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने पंचायत प्रधान सपना ठाकुर पर बिना सहमति और एनओसी के उनकी मलकीयती भूमि से सड़क निर्माण करवाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने उपमंडलाधिकारी (नागरिक) धर्मपुर जोगेंद्र पटियाल को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य रुकवाने और मामले की जांच करवाने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए उन्होंने अपनी जमीन देने की न तो सहमति दी और न ही पंचायत को किसी तरह की एनओसी सौंपी। इसके बावजूद कथित तौर पर निजी भूमि से सड़क का काम जारी रखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले ही पंचायत प्रधान, पंचायत सचिव और ग्राम पंचायत के समक्ष लिखित आपत्ति दर्ज करवाई थी, जिसकी प्राप्ति रसीद भी उनके पास है। इसके बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका गया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से निजी भूमि पर चल रहे निर्माण को तत्काल रोकने और नियमानुसार प्रक्रिया की जांच करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिना सहमति निर्माण जारी रहने पर भविष्य में होने वाली कानूनी कार्रवाई या सरकारी धन के खर्च के लिए उन्हें जिम्मेदार न ठहराया जाए। एसडीएम जोगेंद्र पटियाल ने ज्ञापन आवश्यक कार्रवाई के लिए बीडीओ धर्मपुर को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद स्पष्ट होगा कि पंचायत ने सड़क निर्माण के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई और आपत्ति के बावजूद काम क्यों जारी रहा।

देई 2.0 के तहत मंडी में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ

22 स्कूलों की छात्राओं ने चित्रकला, नारा लेखन और खेल प्रतियोगिताओं में लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी





जिला प्रशासन मंडी द्वारा 'डॉटर्स एम्पावरमेंट इनिशिएटिव 2.0' (देई 2.0) के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ हुआ। अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रियांशु खाती ने कहा कि इस तरह के आयोजन बालिकाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल, रचनात्मक गतिविधियों और नेतृत्व के अवसर उपलब्ध करवाना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं को अपनी प्रतिभा निखारने और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम के दूसरे दिन भी बालिकाओं के लिए विभिन्न गतिविधियां और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन के प्रथम दिन शहर के संकन गार्डन स्थित ओपन थिएटर में चित्रकला एवं नारा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें 99 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चित्रकला और नारा लेखन के माध्यम से प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण, बालिकाओं के अधिकार और समाज में उनके महत्व से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए।

बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस और रस्साकशी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इनमें मंडी जिला के 22 विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह और अनुशासन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

केलांग भाजपा कार्यालय में सेवा ज्योति कार्यक्रम का सामूहिक अवलोकन

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। सेवा संकल्प अभियान के तहत केलांग स्थित भाजपा कार्यालय में 'सेवा ज्योति' कार्यक्रम का सामूहिक अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में नाचन के विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद कुमार, लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक साथ बैठकर 'सेवा ज्योति' कार्यक्रम को देखा और इसमें दिए गए सेवा, समर्पण तथा जनसेवा के संदेश को आत्मसात किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण और जनभागीदारी को मजबूत करने का लिया संकल्प

इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनसेवा केवल राजनीतिक दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी भी है। उन्होंने जरूरतमंद लोगों की सहायता करने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सेवा भावना को मजबूत करने तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं को जनसेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम संगठन में सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करने के साथ समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का काम करते हैं।

वक्ताओं ने युवाओं को विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में निर्णायक भूमिका निभाने का किया आह्वान

सेवा संकल्प अभियान के तहत घुमारवीं में जुटे भाजपा कार्यकर्ता



25 वर्षों की जनसेवा पर पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा।

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत घुमारवीं में 'विकसित भारत संकल्प सभा' का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के ऐतिहासिक नेतृत्व, सुशासन और जनकल्याणकारी नीतियों को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में श्री नयना देवी जी के विधायक रणधीर शर्मा, सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गर्ग और भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सफर राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने राजनीति को सत्ता नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम बनाया है। 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचा है।

सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्ष पूरे होना गौरव की बात है। कार्यकर्ता सेवा संकल्प अभियान के जरिए विकसित भारत के विजन को जन-जन तक पहुंचाएंगे। वहीं पूर्व मंत्री राजेन्द्र गर्ग ने कहा कि मोदी सरकार ने देश में विकास की गति को नई दिशा दी है, जिससे भारत वैश्विक मंच पर आत्मनिर्भर बनकर उभरा है। नेताओं ने आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, पीएम आवास, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के साथ-साथ वंदे भारत, एम्स और एक्सप्रेसवे जैसे आधारभूत ढांचे के विस्तार का उल्लेख किया।

वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सेवा भावना को मजबूत करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अभियान में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

न्यूज ब्रीफ

हिसार के जीजेयू में शोधार्थियों का धरना जारी, प्रशासन से वार्ता बेनतीजा

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू) में रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन का अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। आंदोलन के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन और शोधार्थियों के बीच पहले दौर की वार्ता हुई, लेकिन इसमें सहमति नहीं बन सकी। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच मांगों को लेकर तीखी बहस भी हुई। रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा और अपने पुराने रुख पर कायम है। शोधार्थियों ने लंबित फेलोशिप, फीस सहित सात मांगें रखी हैं। वहीं शोधार्थी संजू बौद्ध लगातार भूख हड़ताल पर बैठे रहे। शोधार्थी प्रदीप यादव ने भी सांकेतिक हड़ताल में हिस्सा लिया। शोधार्थियों का कहना है कि मांगें पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। समाधान की मांग की।

नारनौल में गांजा तस्कर गिरफ्तार, 1.193 किलो नशीला पदार्थ बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नारनौल सीआईए पुलिस ने गांजा बेचने की फिराक में खड़े एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक किलो 193 ग्राम गांजा बरामद किया। आरोपी की पहचान नारनौल निवासी मंगल चौहान के रूप में हुई है। एएसआई कुलदीप ने बताया कि मंगलवार शाम सीआईए टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक छोटा-बड़ा तालाब के पास गांजा बेचने के लिए खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके सफेद और गुलाबी रंग के थैले से मोमी पॉलीथिन में गांजे की पत्तियां बरामद हुईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर नारनौल में केस दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पानीपत में 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत, दो माह से था मानसिक परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। शहर की किशनपुरा चौकी क्षेत्र में किराए के मकान में रहने वाले 40 वर्षीय व्यक्ति ने फंदा लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान सुरेश के रूप में हुई है, जो मूल रूप से गांव टयोंटा, जिला कैथल का रहने वाला था। वह पिछले करीब 26 वर्षों से पानीपत में रह रहा था और एक बेटे का पिता था। मृतक के दोस्त सतीश ने बताया कि सुरेश पिछले करीब दो महीने से मानसिक परेशानी से जूझ रहा था और रातभर नींद नहीं आने की शिकायत करता था। उसका इलाज भी चल रहा था। इसी बीच उसने कमरे में पंखे से कपड़े का फंदा लगाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। सूचना मिलने पर किशनपुरा चौकी प्रभारी एसआई सुभाष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और जांच शुरू कर दी।

नौकरी के बहाने रेवाड़ी लाई गई एचआर प्रबंध निदेशक पर दुष्कर्म का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी में एक निजी कंपनी की एचआर अधिकारी ने कंपनी के प्रबंध निदेशक पर दुष्कर्म और धमकी देने का आरोप लगाया है। असम निवासी महिला के अनुसार, प्रबंध निदेशक काम के बहाने उसे गुरुग्राम से रेवाड़ी की एक सोसाइटी स्थित फ्लैट में लेकर आया, जहां उसके साथ जबरदस्ती की गई। महिला ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर आरोपी ने एक गुरुजी का नाम लेकर लड़कियों को गायब कराने की धमकी दी। इसके बाद भी उसे कार्यालय बुलाकर परेशान किया गया और दूसरी नौकरी ज्वाइन करने के बाद पुरानी कंपनी का काम करने का दबाव बनाया गया। महिला ने बताया कि वह गर्भवती हुई तो उसे बच्चे को लेकर भी धमकियां दी गईं। उसने गुरुग्राम महिला थाना में शिकायत दी। काउंसलिंग के बाद घटनास्थल रेवाड़ी होने पर जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला मॉडल टाउन थाना भेजा गया। पुलिस जांच कर रही है।

गुरुग्राम में निर्माण स्थल पर हादसा, 50 वर्षीय राजमिस्त्री की मौत



भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के गढ़ी हरसरू गांव में बुधवार सुबह निर्माणाधीन इमारत में हादसा हो गया। तीसरी मंजिल से गिरकर 50 वर्षीय राजमिस्त्री राम अवतार की मौत हो गई। वह मूल रूप से राजस्थान के दौसा जिले के रहने वाले थे और पिछले कई वर्षों से परिवार के साथ गढ़ी हरसरू में रहकर राजमिस्त्री का काम कर रहे थे। जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब नौ बजे हुआ। राम अवतार इमारत की तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य में लगे थे। इसी दौरान ईंट, सीमेंट और रोड़ी-बजरी ऊपर पहुंचाने के लिए लगाई गई ट्रॉली का सेटअप अचानक टूट गया। ट्रॉली टूटने से राम अवतार का संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रॉली के साथ नीचे आ गिरे। गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की भी जांच की जा रही है।

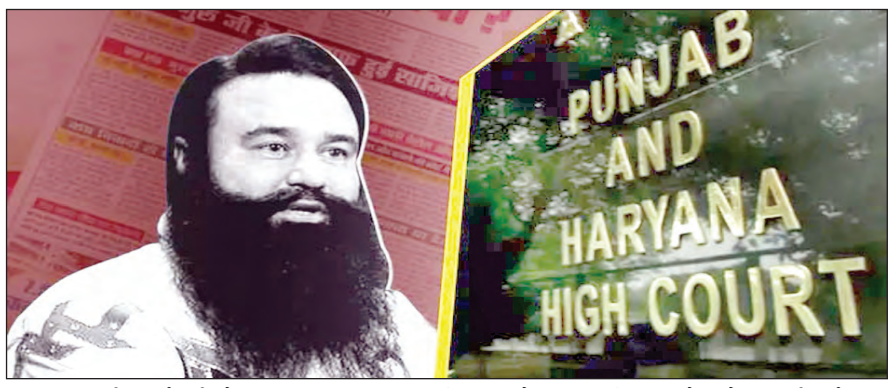
फरीदाबाद में फोन के लिए दोस्त बना हत्यारा, पहाड़ी से दिया धक्का

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद में 17 वर्षीय राजकुमार की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार उसके दोस्त मुफीद ने मोबाइल फोन को लेकर हुए विवाद में उसे 72 फीट ऊंची पहाड़ी से धक्का दे दिया। दोनों करीब 12 साल से दोस्त थे। घटना से पहले राजकुमार सिरोही गांव की झील के पास सेल्फी ले रहा था। फोटो पसंद आने पर मुफीद ने उसका मोबाइल मांगा, लेकिन राजकुमार ने फोन देने से मना कर दिया। इसी बात पर दोनों में विवाद हुआ और मुफीद ने उसे पहाड़ी से नीचे धकेल दिया। इसके बाद आरोपी करीब 20 घंटे तक पुलिस और परिजनों को झील में डूबने की झूठी कहानी सुनाता रहा। बयान बदलने पर पुलिस को शक हुआ। पूछताछ में उसने हत्या कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया।

डेरा विज्ञापन मामले में प्रबंधन और प्रकाशकों को नोटिस

डेरा सच्चा सौदा से जुड़े विज्ञापन पर हाई कोर्ट की सख्ती, संबंधित अखबारों के प्रकाशकों को भी नोटिस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा से संबंधित अखबारों में प्रकाशित एक विज्ञापन को लेकर आपराधिक अवमानना का स्वत: संज्ञान लिया है। अदालत ने प्रथमदृष्टया माना है कि विज्ञापन की सामग्री में न्यायपालिका के खिलाफ ऐसे आरोप और संकेत हैं, जो अदालत की प्रतिष्ठा को कम करने, न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करने या न्याय प्रशासन में बाधा डालने की प्रवृत्ति रखते हैं। मामला जस्टिस सुभाष मेहला की पीठ के समक्ष है।

हाई कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए डेरा सच्चा सौदा प्रबंधन और संबंधित समाचार पत्रों के प्रकाशकों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। अदालत के इस कदम के बाद विज्ञापन में प्रकाशित सामग्री और उसके प्रकाशन की परिस्थितियों को लेकर जवाब मांगा गया है। मामला आपराधिक अवमानना की कार्यवाही से जुड़ा है। यह मामला 12 सितंबर 2026 को प्रकाशित एक विज्ञापन से संबंधित है।

हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार एक अंग्रेजी और एक हिंदी समाचार पत्र के संबंधित संस्करणों में प्रथम पृष्ठ पर डेरा सच्चा सौदा से जुड़ा विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। विज्ञापन का शीर्षक 'डेरा सच्चा सौदा क्या है? (तथ्य बनाम कल्पना)' था। विज्ञापन में 'क्या गुरु जी के खिलाफ साजिश थी?' शीर्षक के साथ सवाल उठाया गया था। हाई कोर्ट ने विज्ञापन की सामग्री का संज्ञान लेते हुए यह विचार किया कि उसमें न्यायपालिका और न्यायिक प्रक्रिया के संबंध में ऐसे आरोप अथवा संकेत हैं, जो अदालत की गरिमा और न्याय प्रशासन को प्रभावित कर सकते हैं। अदालत के अनुसार विज्ञापन में इस्तेमाल की गई भाषा और प्रस्तुत किए गए आरोप प्रथमदृष्टया ऐसे प्रतीत होते हैं, जिनसे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा कम होने की आशंका हो सकती है। इसी आधार पर अदालत ने आपराधिक अवमानना का स्वत: संज्ञान लेते हुए मामले को आगे बढ़ाया है। हाई कोर्ट ने माना कि न्यायपालिका की कार्यवाही और उसके निर्णयों को लेकर सार्वजनिक रूप से ऐसी सामग्री प्रकाशित करना, जो अदालत की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकती है या न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप की प्रवृत्ति रखती है, गंभीर विषय है। अदालत ने विज्ञापन की सामग्री को इसी दृष्टिकोण से प्रथमदृष्टया जांच के दायरे में लिया है।

मामले में डेरा प्रबंधन की भूमिका के साथ-साथ विज्ञापन प्रकाशित करने वाले समाचार पत्रों के प्रकाशकों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। इसी कारण अदालत ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। अब संबंधित पक्षों को अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखना होगा। इस मामले की खास बात यह है कि हाई कोर्ट ने किसी पक्ष की ओर से दायर याचिका के आधार पर नहीं, बल्कि विज्ञापन में प्रकाशित सामग्री का संज्ञान लेते हुए स्वत: कार्रवाई शुरू की है।

अलेवा मंडी में धान खरीद को लेकर किसानों का प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। हरियाणा के जींद जिले की अलेवा मंडी में धान की खरीद नहीं होने से बुधवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सड़क पर खड़ी कर जींद-असंध रोड के मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया। जाम लगने से मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। धान की खरीद नहीं होने से परेशान किसान सड़क पर बैठ गए और खरीद प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। किसानों के प्रदर्शन की सूचना मिलने पर अलेवा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसानों से बातचीत कर स्थिति संभालने का प्रयास किया। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। किसानों का कहना है कि मंडी में धान लेकर पहुंचने के बावजूद खरीद नहीं होने से उन्हें परेशानी हो रही है। उन्होंने जल्द खरीद शुरू कराने की मांग की। वहीं, किसानों के सड़क पर बैठने से जींद-असंध मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही।

कचरा प्रबंधन पर निगम खर्च करेगा 47.26 करोड़

वित्त एवं संविदा कमेटी ने स्वच्छता और कचरा प्रबंधन से जुड़े नौ कार्यों को दी मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



शहर की सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए नगर निगम 47.26 करोड़ रुपये खर्च करेगा। वित्त एवं संविदा कमेटी (एफएंडसीसी) की बैठक में स्वच्छता, सीएंडडी वेस्ट प्रबंधन और मैकेनिकल रोड स्वीपिंग से जुड़े नौ कार्यों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों के तहत शहर के छह जोन में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त मैनपावर, मशीनरी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

नगर निगम की ओर से सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के साथ निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाले कचरे के संग्रह और प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। शहर में निर्माण कार्यों के दौरान निकलने वाला मलबा कई बार सड़कों और खाली स्थानों पर जमा हो जाता है। इसके व्यवस्थित संग्रह और निपटान के लिए सीएंडडी वेस्ट कलेक्शन व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। बैठक में कचरा प्रसंस्करण से जुड़े कार्यों को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत चार नए शेड विकसित किए जाएंगे। इन शेड में कचरे के प्रसंस्करण और प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी।

इससे शहर में एकत्र होने वाले कचरे को व्यवस्थित तरीके से संभालने में मदद मिलेगी और प्रसंस्करण क्षमता भी बढ़ेगी। मैकेनिकल रोड स्वीपिंग को भी योजना में शामिल किया गया है। इसके लिए आवश्यक मशीनरी और संसाधन बढ़ाए जाएंगे। मशीनों के माध्यम से प्रमुख सड़कों की नियमित सफाई कराने पर जोर रहेगा। इससे सफाई कर्मचारियों पर निर्भरता कम करने के साथ बड़े क्षेत्रों की सफाई कम समय में करने में मदद मिलेगी।

छह जोन में अतिरिक्त मैनपावर उपलब्ध कराने की योजना भी बनाई गई है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कर्मचारियों की संख्या जरूरत के अनुसार बढ़ाई जा सकेगी। नगर निगम का उद्देश्य सफाई व्यवस्था को अधिक नियमित और प्रभावी बनाना है। इसके साथ ही सफाई कार्यों की निगरानी और कचरा उठाने की व्यवस्था को भी बेहतर करने पर ध्यान दिया जाएगा।

कैथल में सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। जिले के गांव किठाना में देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार करीब 27 वर्षीय युवक सतीश की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सतीश बाइक पर सवार होकर गांव के मुख्य मार्ग से कैथल-जींद मार्ग की ओर जा रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सतीश गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी है। मृतक परिवार में दो बहनों का इकलौता भाई था। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया।



अटल कैंटीन में भोजन कर डिप्टी स्पीकर ने जानी व्यवस्थाओं की हकीकत



◆ भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी लेते डिप्टी स्पीकर

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। नई अनाज मंडी के निरीक्षण के दौरान हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिढ़ा अटल कैंटीन पहुंचे और वहां भोजन किया। उन्होंने कैंटीन में खाने की व्यवस्था और गुणवत्ता का जायजा लिया। डिप्टी स्पीकर ने खुद सहित 20 थालियों के लिए 200 रुपये का भुगतान किया। अटल कैंटीन में एक थाली की कीमत 20 रुपये है।

इस दौरान उन्होंने कैंटीन में काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की और भोजन तैयार करने तथा अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वहां खाना खा रहे प्रवासी कामगारों से भी बातचीत की और खाने की गुणवत्ता के बारे में उनका फीडबैक लिया। डिप्टी स्पीकर ने कैंटीन की व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी जुटाई और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछा।

निरीक्षण के दौरान पत्रकारों ने उनसे कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सवाल किया। इस पर डॉ. कृष्ण मिढ़ा ने भाजपा का बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनहित में लगातार काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की जरूरत नहीं : अनिल विज

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष द्वारा जंतर-मंतर पर किए जा रहे प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब इस मामले में उच्चतम न्यायालय पहले ही संज्ञान ले चुका है और नोटिस जारी कर चुका है, तो उसके बाद प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। अंबाला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनिल विज ने कहा कि विपक्ष को न्यायपालिका पर विश्वास रखना चाहिए।



उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। अब इस मामले में न्यायालय की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। ऐसे में विपक्ष को सड़क पर प्रदर्शन करने के बजाय शीर्ष अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए। विज ने कहा कि यदि प्रदर्शन करने वाले लोग देश की कानून व्यवस्था और न्यायिक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं, तो उन्हें उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत सभी पक्षों को सुनने के बाद उचित निर्णय लेगी। इसलिए किसी भी पक्ष को न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने से पहले दबाव बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है, लेकिन जब किसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय संज्ञान ले चुका हो तो न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से मामले को प्रभावित करने के बजाय अदालत के निर्णय की प्रतीक्षा करना उचित होगा। अनिल विज ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का नोटिस जारी होना इस बात का संकेत है कि मामला अब न्यायिक विचार के अधीन है। इसलिए प्रदर्शन की बजाय न्यायालय के फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय सभी पक्षों की दलीलें सुनकर तथ्यों और कानून के आधार पर अपना निर्णय देगा।

दक्षिण हरियाणा के पांच जिलों से हजारों वाहन पहुंचे, हाईवे पर बढ़ा दबाव

अमित शाह के कार्यक्रम से लगा गुरुग्राम में भीषण जाम

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सेवा संकल्प कार्यक्रम के चलते बुधवार सुबह गुरुग्राम में भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दक्षिण हरियाणा के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग वाहनों के साथ गुरुग्राम पहुंचे। अचानक वाहनों की संख्या बढ़ने से शहर की सड़कों और प्रमुख हाईवे पर यातायात का दबाव बढ़ गया।

फरीदाबाद, पलवल, नूंह, रेवाड़ी और झज्जर जिलों से आने वाले वाहनों के कारण गुरुग्राम के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दिल्ली-जयपुर हाईवे और सोहना रोड पर भी यातायात प्रभावित हुआ। सुबह के समय कार्यालय और अन्य जरूरी कामों के लिए निकलने वाले लोगों को भी जाम के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही शहर में कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। प्रमुख मार्गों पर एक साथ बड़ी संख्या में वाहन पहुंचने से यातायात व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। इससे वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से अधिक समय लगा।

दक्षिण हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए गुरुग्राम कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र रहा। बड़ी संख्या में लोग सुबह ही अपने वाहनों से कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हो गए थे। इसके चलते शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों पर भी वाहनों की संख्या बढ़ती चली गई। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाहनों का दबाव बढ़ने से यातायात की गति प्रभावित हुई। वहीं सोहना रोड समेत अन्य प्रमुख मार्गों पर भी जाम की स्थिति बनी रही। कार्यक्रम के कारण शहर के भीतर भी कई जगहों पर यातायात धीमा रहा। अमित शाह के कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ के कारण गुरुग्राम की सड़कों पर वाहनों का दबाव सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक रहा। दक्षिण हरियाणा से आए वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ा।

जाम के कारण कई वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा। सड़कों पर वाहनों की संख्या अधिक होने से कुछ हिस्सों में यातायात धीरे-धीरे आगे बढ़ा। कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर भीड़ बढ़ने के साथ स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई। सुबह के समय अचानक बढ़े यातायात दबाव ने शहर की सामान्य व्यवस्था को प्रभावित किया।

हिसार में पंचायतों के 70 करोड़ अटके, भुगतान नहीं मिलने से गांवों के विकास कार्य ठप

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हिसार जिले की पंचायतों के विकास कार्यों पर भुगतान अटकने का असर साफ दिखाई देने लगा है। पंचायतों के विभिन्न विकास कार्यों का 70 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान लंबित बताया जा रहा है। राशि जारी नहीं होने के कारण कई गांवों में विकास कार्यों की रफ्तार प्रभावित हुई है। वहीं काम करने वाले मजदूरों और संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गांवों में विकास कार्यों के लिए पंचायतों की ओर से अलग-अलग योजनाओं के तहत काम करवाए जाते हैं। इनमें मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के कार्य शामिल हैं। पिछले वर्ष के कई कार्यों की राशि अभी तक पंचायतों को नहीं मिल पाई है। भुगतान लंबित होने के कारण पंचायतों के सामने नए कार्य शुरू करवाने में भी दिक्कतें आ रही हैं। जानकारी के अनुसार वीबी जी रामजी योजना के तहत भी पंचायतों को अपेक्षित स्तर पर काम नहीं मिल पा रहा है। कई पंचायतें अभी इस योजना की प्रक्रिया और प्रावधानों को पूरी तरह समझ नहीं पाई हैं।

इसका असर ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों पर पड़ रहा है। योजना के तहत काम की स्थिति स्पष्ट नहीं होने और पुराने भुगतान लंबित रहने से पंचायतों की परेशानी बढ़ गई है। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि गांवों में सड़क, नाली, सफाई और अन्य जरूरी विकास कार्यों की लगातार जरूरत रहती है। यदि पुराने कार्यों का भुगतान समय पर नहीं होता है तो पंचायतों के लिए आगे के काम करवाना मुश्किल हो जाता है। दूसरी ओर, मजदूरों और काम करने वाले लोगों को भी अपने भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

70 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लंबित होने से ग्रामीण विकास की गति प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। पंचायतों को उम्मीद है कि लंबित भुगतान जल्द जारी किया जाएगा, ताकि रुके हुए कार्य दोबारा शुरू हो सकें। भुगतान मिलने के बाद पंचायतें अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने के साथ नए जरूरी कार्य भी शुरू कर सकेंगी।

अधूरा 18 फुट चौड़ी सड़क को 27 फुट करने की थी योजना, अब मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

66 करोड़ की मंजूरी के बाद भी हिसार-मसूदपुर सड़क का काम अधूरा

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



हिसार से मसूदपुर तक जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण का मामला सात साल बाद भी अधर में लटका हुआ है। करीब 66 करोड़ रुपये की राशि मंजूर होने के बावजूद सड़क को अब तक चौड़ा नहीं किया जा सका है। मौजूदा समय में यह सड़क करीब 18 फुट चौड़ी है, जबकि इसे 27 फुट तक चौड़ा करने की योजना थी। सड़क पर लगातार बढ़ रहे यातायात के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब इस मामले को लेकर एक बार फिर सड़क चौड़ीकरण की मांग उठी है।

सर्व जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंद किशोर चावला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अनुरोध भेजकर इस परियोजना को जल्द पूरा करवाने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग को सड़क चौड़ी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि परियोजना के लिए करोड़ों रुपये की राशि स्वीकृत होने के बावजूद सात वर्ष बीत जाने के बाद भी काम पूरा नहीं हुआ है।

बढ़ते यातायात से बढ़ी परेशानी: हिसार-मसूदपुर सड़क क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। इस मार्ग पर समय के साथ वाहनों की संख्या बढ़ी है। मौजूदा सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण आमने-सामने से वाहनों के गुजरने में परेशानी होती है। व्यस्त समय में मार्ग पर यातायात का दबाव और बढ़ जाता है। इससे वाहन चालकों के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

सड़क की चौड़ाई 18 फुट होने के कारण कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। लोगों का कहना है कि जिस समय सड़क चौड़ीकरण की योजना बनाई गई थी, उस समय यातायात का दबाव वर्तमान की तुलना में कम था। अब क्षेत्र में वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ सड़क को चौड़ा करना जरूरी हो गया है।

66 करोड़ रुपये हुए थे मंजूर: हिसार-मसूदपुर सड़क को 18 फुट से बढ़ाकर 27 फुट करने के लिए करीब 66 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई थी। इसके बावजूद सात वर्ष का समय बीतने के बाद भी परियोजना धरातल पर पूरी तरह साकार नहीं हो सकी है। सड़क चौड़ीकरण का काम लंबित रहने से लोगों में भी नाराजगी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण होने से मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा और वाहन चालकों को राहत मिलेगी। इसके अलावा सड़क के चौड़ा होने से आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग परियोजना में आ रही अड़चनों को दूर कर जल्द काम शुरू करवाए।

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग: नंद किशोर चावला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की मंजूरी के बाद भी सड़क का चौड़ीकरण नहीं होना गंभीर विषय है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर परियोजना को जल्द पूरा करवाने का आग्रह किया।

सात साल बाद भी सड़क चौड़ीकरण का इंतजार

सड़क चौड़ीकरण में हो रही देरी के कारण क्षेत्रवासियों में रोष बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि सात वर्ष पहले राशि मंजूर होने के बावजूद परियोजना का पूरा न होना चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से संबंधित विभाग को जल्द निर्देश जारी कर निर्माण कार्य शुरू करवाने और यातायात की समस्या से राहत दिलाने की मांग की है।

कश्मीरी गेट पर एसआईआर के खिलाफ आप और इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के बाहर आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में आप के अलावा इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दलों के नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए।



आम आदमी पार्टी की ओर से आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन और पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। उनका आरोप है कि एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित करने की आशंका है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इस प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों का स्पष्ट जवाब दिया जाए और सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहें। प्रदर्शन के दौरान इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। नेताओं ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के बाहर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और चुनाव आयोग के समक्ष अपनी चिंताएं रखने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी शामिल रही। उनका कहना है कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मामलों में निष्पक्षता तथा पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। विपक्षी दलों ने एसआईआर को लेकर अपनी राजनीतिक और कानूनी आपत्तियां भी सामने रखीं।

विरोध प्रदर्शन को देखते हुए कश्मीरी गेट और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई, ताकि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे। आप और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए इसमें किसी भी तरह का बदलाव पूरी सावधानी और स्पष्ट प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। विपक्षी दलों ने संकेत दिया कि यदि उनकी आपत्तियों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस मुद्दे को आगे भी उठाएंगे। एसआईआर को लेकर दिल्ली में राजनीतिक माहौल गरमाता दिखाई दे रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इस प्रक्रिया को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं।

दिल्ली में ट्रैफिक जाम पर बड़ा कदम,बारापुला की सड़क होगी चौड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली के बारापुला फेज-3 पर लगातार लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार ने तत्काल प्रभाव से कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का फैसला किया है। सरकार ने रिंग रोड को चौड़ा करने और यू-टर्न बनाने की योजना तैयार की है, ताकि यातायात का दबाव कम किया जा सके और वाहन चालकों को जाम से राहत मिल सके। योजना के तहत सराय काले खां से आईटीओ तक रिंग रोड की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। इसके लिए सड़क के दोनों ओर मौजूद फुटपाथ के कुछ हिस्से को सड़क में शामिल किया जाएगा।

इससे वाहनों के लिए अतिरिक्त जगह उपलब्ध होगी और यातायात को सुचारु रूप से चलाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा फ्लाईओवर के नीचे भी चार लेन की सड़क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से वाहनों की आवाजाही आसान होगी और मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव कम किया जा सकेगा।

बारापुला फेज-3 पर जाम की समस्या लंबे समय से वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। व्यस्त समय में यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगता है। इस समस्या को देखते हुए सरकार ने स्थायी परियोजनाओं के पूरा होने का इंतजार करने के बजाय तत्काल यातायात सुधार के उपायों पर जोर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेनो के सात सेक्टरों में पानी की समस्या, 32 साल बाद भी नहीं बदली लाइनें

एजेंसी ,नई दिल्ली ग्रेटर नोएडा के सात सेक्टरों में 32 साल पुरानी पानी की पाइपलाइन लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। लंबे समय से पाइपलाइनों में लीकेज के कारण घरों में कम दबाव के साथ बदबूदार पानी पहुंच रहा है। इससे स्थानीय निवासियों में बीमारियां फैलने का डर बढ़ गया है। निवासियों का कहना है कि इन सेक्टरों में बसावट के समय करीब 32 वर्ष पहले पानी की लाइनें बिछाई गई थीं। अब ये पाइपलाइन जर्जर हो चुकी हैं और जगह-जगह लीकेज की समस्या बनी रहती है। इसके कारण साफ पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। लोगों का आरोप है कि प्राधिकरण ने जल शुल्क के रूप में करीब 1150 करोड़ रुपये वसूले हैं, लेकिन इसके बावजूद पुरानी पाइपलाइनों को बदलने की दिशा में अपेक्षित काम नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द पाइपलाइन बदलने और स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।



दिल्ली में नई सड़क को नुकसान पहुंचाया तो दर्ज होगी एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली । लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिल्ली में नई बन रही सड़कों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी ने नई सड़क को जानबूझकर उखाड़ा या नुकसान पहुंचाया तो उसके खिलाफ सीधे प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। मंत्री ने कहा कि राजधानी में सड़क निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। नई सड़कों के निर्माण और उनकी गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। सड़कों की गुणवत्ता की जांच और निगरानी के लिए तीसरे पक्ष के निरीक्षण की भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत स्वतंत्र एजेंसी निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच करेगी, ताकि किसी तरह की लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारी तय की जा सके। मंत्री ने अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और खराब गुणवत्ता या जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।



कचरा प्रबंधन से सड़क सफाई तक, गुरुग्राम में 47.26 करोड़ की योजना

एजेंसी, नई दिल्ली । गुरुग्राम नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 47.26 करोड़ रुपये खर्च करेगा। वित्त एवं संविदा कमेटी की बैठक में स्वच्छता, निर्माण एवं विध्वंस कचरा प्रबंधन तथा मशीनों से सड़कों की सफाई से जुड़े नौ कार्यों को मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत शहर के छह जोन में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संसाधन और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसका उद्देश्य नियमित सफाई सुनिश्चित करने के साथ कचरे के उठान और निस्तारण की व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। नगर निगम के इस फैसले से शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। विशेष रूप से सड़कों की नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन और निर्माण स्थलों से निकलने वाले मलबे के उचित निस्तारण पर ध्यान दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, स्वच्छता से जुड़े इन कार्यों को मंजूरी मिलने के बाद शहर के अलग-अलग हिस्सों में संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी और सफाई व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा।

गाजियाबाद में एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल, स्वास्थ्य सेवाएं ठप

एजेंसी, नई दिल्ली गाजियाबाद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। सैकड़ों कर्मचारी काली पट्टी बांधकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। आश्वासन नहीं मिलने पर कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी है। कर्मचारियों के काम बंद करने से जिले की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। जिला एमएमजी अस्पताल, सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुरादनगर, मोदीनगर, भोजपुर, बम्हेटा, लोनी और डासना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ संयुक्त अस्पताल संजयनगर समेत विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में कर्मचारी आंदोलन में शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मांगों पर जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि समाधान नहीं होने पर वे लखनऊ कूच करेंगे। लगातार विरोध के कारण मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



प्रयागराज को मिलेगी नई पहचान, झूंसी में बनेगा आध्यात्मिक केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रयागराज के झूंसी में आध्यात्मिक शिक्षा को नई पहचान देने की तैयारी शुरू हो गई है। यहां 75 एकड़ क्षेत्रफल में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आध्यात्मिक विश्वविद्यालय और आध्यात्मिक केंद्र विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए जमीन का सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। तीर्थराज प्रयागराज को धर्म और अध्यात्म की नगरी के रूप में विशेष पहचान हासिल है। प्रस्तावित विश्वविद्यालय के जरिए आध्यात्मिक शिक्षा, शोध और अध्ययन को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने की योजना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के साथ विकसित होने वाले इस केंद्र में देश-विदेश से आने वाले विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अवसर उपलब्ध कराने पर भी विचार किया जा रहा है। झूंसी में प्रस्तावित परियोजना के लिए जमीन की स्थिति और उपलब्ध क्षेत्रफल का आकलन किया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद परियोजना के स्वरूप और आगे की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। यह केंद्र भविष्य में प्रयागराज को आध्यात्मिक शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने में भूमिका निभा सकता है।

पीतमपुरा में 99.52 करोड़ से बनेगा आधुनिक खेल परिसर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के खिलाड़ियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। पीतमपुरा में आधुनिक खेल छात्रावास और खेल परिसर विकसित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब **99.52 करोड़ रुपये** खर्च किए जाएंगे। परिसर का निर्माण लगभग **2.75 एकड़ क्षेत्र** में किया जाएगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें अभ्यास और प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल मिल सके। प्रस्तावित खेल परिसर में कुल **412 खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था** होगी।



परियोजना के तहत लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास बनाए जाएंगे। इससे खिलाड़ियों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। छात्रावास परिसर को आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के दौरान रहने और दैनिक जरूरतों के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें। पीतमपुरा में बनने वाला यह आधुनिक खेल परिसर दिल्ली के उभरते खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

खासतौर पर ऐसे खिलाड़ियों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है, जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान गुणवत्तापूर्ण आवास की आवश्यकता होती है। करीब 100 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से राजधानी में खेल सुविधाओं के विस्तार को भी बढ़ावा मिलेगा। खिलाड़ियों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध होने से उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में मदद मिल सकती है।

अलग-अलग छात्रावासों के साथ प्रस्तावित परिसर में खिलाड़ियों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इससे दिल्ली में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर वातावरण देने की दिशा में एक नया कदम माना जा रहा है।

सीबीआई के छह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक पूर्व भारतीय राजस्व अधिकारी को आरोपमुक्त किए जाने से जुड़े मामले में अदालत के समक्ष कथित रूप से गलत बयान देने के मामले को गंभीरता से लिया है। हाई कोर्ट ने मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के छह अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है।

मामला उस समय सामने आया जब एक पूर्व भारतीय राजस्व अधिकारी को आरोपों से मुक्त किए जाने के खिलाफ मामला अदालत में पहुंचा। सुनवाई के दौरान सरकार के साथ हुए पत्राचार और उससे जुड़े तथ्यों को लेकर सीबीआई अधिकारियों की ओर से अदालत के सामने दिए गए बयानों पर सवाल उठे।

अदालत के अनुसार, संबंधित अधिकारियों द्वारा सरकार के साथ हुए पत्राचार के संबंध में अदालत को ऐसी जानकारी दी गई, जो रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों से मेल नहीं खाती थी। इसे अदालत ने गंभीर विषय माना। न्यायालय ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान गलत या भ्रामक जानकारी प्रस्तुत करना गंभीर मामला है और इससे न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।



झूठे बयान पर सीबीआई के छह अधिकारी घिरे

हाई कोर्ट ने मामले में शामिल छह सीबीआई अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। अदालत के इस आदेश के बाद संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाएगी और यह तय होगा कि उनके खिलाफ कानून के तहत आगे क्या कार्रवाई बनती है। यह मामला जांच एजेंसियों की जवाबदेही और अदालत के समक्ष सही तथ्य प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी से भी जुड़ा है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी भी जांच एजेंसी के अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अदालत के सामने रिकॉर्ड और तथ्यों के आधार पर पूरी तरह सही जानकारी रखें।

आगरा के खिलाड़ियों का जलवा पांच को मिली अहम जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा के क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए मंगलवार का दिन खास रहा। शहर के पांच खिलाड़ियों को अलग-अलग स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां और टीमों में जगह मिली, जिससे स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है। ध्रुव जुरैल को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन दिवसीय बहु-दिवसीय श्रृंखला के लिए इंडिया-ए टीम की कप्तानी सौंपी गई है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव के नेतृत्व में टीम मैदान पर उतरेगी। वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट की प्रमुख हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा को जिंबाब्वे दौरे के लिए वनडे टीम का उपकप्तान बनाया गया है।



उनकी इस जिम्मेदारी को आगरा के लिए एक और बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सान्वी शर्मा को दूसरी बार उत्तर प्रदेश की अंडर-19 टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। उनके साथ भारती सिंह का भी यूपी अंडर-19 टीम में चयन हुआ है। वहीं, लकी पाराशर को उत्तराखंड की अंडर-19 टीम में जगह मिली है। एक ही दिन आगरा के पांच खिलाड़ियों को अलग-अलग स्तर पर जिम्मेदारियां और चयन मिलना शहर के क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इन खिलाड़ियों की सफलता से स्थानीय खिलाड़ियों और युवा क्रिकेटरों में भी उत्साह बढ़ा है। क्रिकेट प्रेमियों को अब इन सभी खिलाड़ियों से आगामी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।आगरा के पांच क्रिकेट खिलाड़ियों को मंगलवार को अलग-अलग स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलीं। ध्रुव जुरैल को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन दिवसीय श्रृंखला के लिए इंडिया-ए टीम का कप्तान बनाया गया है।

दीप्ति शर्मा को जिंबाब्वे दौरे के वनडे मैचों के लिए भारतीय महिला टीम का उपकप्तान चुना गया। सान्वी शर्मा दूसरी बार यूपी अंडर-19 टीम की कप्तान बनीं। भारती सिंह का यूपी टीम में चयन हुआ, जबकि लकी पाराशर को उत्तराखंड अंडर-19 टीम में जगह मिली। इससे आगरा के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है।

गुरुग्राम की महिला ने बताया कमाई खर्च का हिसाब, वीडियो वायरल

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम की एक महिला का सोशल मीडिया वीडियो इन दिनों चर्चा में है, जिसमें उसने अपनी कमाई और मासिक खर्च का खुलासा किया है। महिला ने बताया कि उसकी आधी सैलरी घर के किराए में ही खर्च हो जाती है। उसके इस खुलासे ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग नौकरी और बेहतर अवसरों के लिए दूसरे शहरों और गांवों से आकर रहते हैं। इनमें कई लोग अपनी आय से खुद के साथ-साथ परिवार की जरूरतें भी पूरी करते हैं। ऐसे में बढ़ता किराया उनकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा प्रभावित करता है। गुरुग्राम की महिला ने अपने खर्चों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि उसकी करीब 50 प्रतिशत सैलरी किराए में चली जाती है। वीडियो में उसने निवेश और बचत को लेकर भी अपनी राय रखी।

मेरठ की रिया-ज्योति का चयन जुड़वा बहन जान्हवी भी पहुंचीं मुंबई



एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ की युवा क्रिकेट प्रतिभाओं रिया भाटी और ज्योति बालियान का चयन उत्तर प्रदेश की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में हुआ है। दोनों खिलाड़ी बीसीसीआई की अंडर-19 टी-20 महिला ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए मुंबई पहुंच चुकी हैं। उनके चयन से मेरठ के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी का माहौल है। ज्योति बालियान की जुड़वा बहन जान्हवी बालियान भी टीम के साथ मुंबई पहुंची हैं।

हालांकि, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से जारी 16 खिलाड़ियों के आधिकारिक दल में जान्हवी का नाम शामिल नहीं है। इसके बावजूद उनका टीम के साथ मुंबई जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। रिया भाटी बाएं हाथ की आक्रामक बल्लेबाज हैं और दबाव की परिस्थितियों में तेजी से रन बनाने के लिए जानी जाती हैं।

वह पिछले करीब चार-पांच वर्षों से जीसीए क्रिकेट अकादमी में नियमित रूप से अभ्यास कर रही हैं। रिया को कोच यजुवेंद्र कृष्णार्थी और दीपक कुमार का मार्गदर्शन मिल रहा है। रिया के पिता सोनू भाटी भी उनकी क्रिकेट यात्रा में लगातार सहयोग करते रहे हैं। उन्होंने अपनी बेटी के अभ्यास और क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर बस में लगी आग, 18 चालानों के बावजूद बेखौफ दौड़ रही थी गाड़ी

1.71 लाख के चालान, फिर भी सड़क पर दौड़ रही थी बस; हादसे के बाद खुली पोल

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक बस में आग लगने की घटना ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद सामने आया कि जिस बस में आग लगी, उसके खिलाफ पहले से ही यातायात नियमों के उल्लंघन के कई मामले दर्ज थे। इसके बावजूद बस का संचालन लगातार जारी रहा। जानकारी के अनुसार, यह बस दिल्ली से बिहार के बीच संचालित हो रही थी। बस के संचालन के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी किए जाने के बावजूद जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई केवल चालान काटने तक सीमित रही।



बस हादसे ने खोली परिवहन विभाग की पोल

ऑनलाइन परिवहन एप पर बस के खिलाफ 18 से अधिक चालान दर्ज दिखाई दे रहे हैं। इन चालानों की कुल रकम करीब 1 लाख 71 हजार 500 रुपये बताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी रकम के चालान लंबित होने के बावजूद बस सड़कों पर बेधड़क दौड़ती रही। परिवहन विभाग की ओर से हालांकि इस बस पर इससे भी अधिक कार्रवाई की जानकारी दी गई है। विभाग के अनुसार, बस के खिलाफ कुल 36 चालान काटे गए थे। इससे स्पष्ट है कि वाहन लगातार नियमों का उल्लंघन कर रहा था, लेकिन उसे सड़क से हटाने या उसके संचालन पर प्रभावी रोक लगाने की दिशा में पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय स्तर पर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ केवल चालान काटकर जिम्मेदारी क्यों पूरी कर ली जाती है। यदि किसी वाहन पर लगातार कई चालान हो चुके हों और बड़ी रकम बकाया हो, तो उसके संचालन की वैधता, फिटनेस, परमिट और अन्य जरूरी दस्तावेजों की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब सड़कों पर नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। खासतौर पर माल लादकर या क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर चलने वाली बसों और अन्य व्यावसायिक वाहनों पर निगरानी की जरूरत महसूस की जाती है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर आग लगने के बाद बस से जुड़े पुराने चालानों का सामने आना परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। सवाल यह है कि यदि किसी वाहन के खिलाफ लगातार चालान दर्ज हो रहे थे, तो समय रहते उसके संचालन पर रोक क्यों नहीं लगाई गई। घटना ने यह बहस भी तेज कर दी है कि सड़क सुरक्षा के लिए केवल चालान काटना पर्याप्त नहीं है। बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ प्रभावी और समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले खतरे को रोका जा सके।

जंतर-मंतर पर पुलिस के शरीर पर कैमरे को लेकर उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान ड्यूटी पर तैनात दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवानों के लिए हर समय बॉडी कैमरा पहनना अनिवार्य करने का आदेश देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विचार करने और छह महीने के भीतर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के संबंध में फैसला लेने का निर्देश दिया है। मामला जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने से जुड़ा था। याचिका में मांग की गई थी कि प्रदर्शन स्थल पर कानून-व्यवस्था संभालने के लिए तैनात पुलिसकर्मियों और आरएएफ जवानों को ड्यूटी के दौरान बॉडी कैमरे पहनने का निर्देश दिया जाए।



याचिकाकर्ता का तर्क था कि बॉडी कैमरों की रिकॉर्डिंग से पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच होने वाली घटनाओं का निष्पक्ष रिकॉर्ड उपलब्ध हो सकता है और विवाद की स्थिति में वास्तविक तथ्यों का पता लगाने में मदद मिलेगी। हाई कोर्ट ने हालांकि सीधे तौर पर सभी सुरक्षाकर्मियों के लिए बॉडी कैमरा अनिवार्य करने का आदेश देने से परहेज किया। अदालत ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था लागू करने से पहले प्रशासनिक, तकनीकी और नीतिगत पहलुओं पर विचार करना जरूरी है।

अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि वह जनहित याचिका को एक विस्तृत प्रतिवेदन के रूप में माने और संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के बाद इस विषय पर उचित निर्णय ले। अदालत ने सरकार को इस प्रक्रिया के लिए छह महीने की समय-सीमा भी दी है। इस दौरान सरकार यह तय कर सकती है कि जंतर-मंतर जैसे संवेदनशील प्रदर्शन स्थलों पर तैनात पुलिस और आरएएफ कर्मियों के लिए बॉडी कैमरों के इस्तेमाल को लेकर कोई विशेष एसओपी बनाई जाए या नहीं।

इस आदेश का मतलब यह नहीं है कि दिल्ली में ड्यूटी करने वाले हर पुलिसकर्मी के लिए बॉडी कैमरा पहनना अनिवार्य हो गया है। फिलहाल हाई कोर्ट ने ऐसी कोई सार्वभौमिक अनिवार्यता लागू नहीं की है। अब गेंद सरकार के पाले में है, जिसे छह महीने के भीतर इस मांग और बॉडी कैमरों के संभावित इस्तेमाल पर अपना निर्णय लेना होगा। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब सरकार तय करेगी कि जंतर-मंतर पर पुलिसकर्मियों के लिए बॉडी कैमरों की व्यवस्था लागू की जाए या नहीं।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन पर नूरपुर पुलिस की कार्रवाई पोकलेन मशीन समेत चार वाहन पकड़े



भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस जिला नूरपुर की डमटाल थाना पुलिस और अपराध अन्वेषण दल की संयुक्त टीम ने चक्की खड्ड, टिपरी के पास कार्रवाई की। यह कार्रवाई 6 अक्तूबर को गश्त के दौरान की गई। पुलिस टीम ने मौके पर अवैध खनन में इस्तेमाल की जा रही एक पोकलेन मशीन, एक टिप्पर और दो ट्रैक्टर पकड़े। सभी के खिलाफ खनन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई। दोनों ट्रैक्टरों के चालान मौके पर ही निपटाते हुए पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं, पोकलेन मशीन और टिप्पर के खिलाफ चालान तैयार कर आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, इंदौरा की अदालत को भेजे जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मचा है। विभाग ने लोगों से नियमों का पालन करने और अवैध खनन की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

लेखकों के मानदेय में देरी पर साहित्यकारों में रोष

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में भाषा एवं संस्कृति विभाग तथा हिमाचल प्रदेश कला भाषा अकादमी की ओर से आयोजित कवि सम्मेलनों और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कवियों व लेखकों को मानदेय मिलने में देरी पर साहित्यकारों में रोष है। हिम साहित्य कला परिषद ने भुगतान व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई है। परिषद अध्यक्ष रतन चंद ने कहा कि साहित्यकार कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए समय देने के साथ कई बार यात्रा व अन्य खर्च भी स्वयं वहन करते हैं। इसके बावजूद मानदेय के लिए उन्हें महीनों इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले कार्यक्रम के दौरान ही नगद मानदेय देने की व्यवस्था थी, जिससे साहित्यकारों को तत्काल भुगतान मिल जाता था, अब ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था के कारण देरी हो रही है। उन्होंने विभाग और अकादमी से मांग की कि मानदेय का भुगतान कार्यक्रम के तुरंत बाद या कुछ दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। निर्झर ने कहा कि मानदेय साहित्यकारों के श्रम और प्रतिभा का सम्मान है। भुगतान व्यवस्था सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए।

मानपुर देवड़ा में राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियां तेज

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। शहीद सोहन सिंह मेमोरियल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मानपुर देवड़ा में 11 से 14 अक्तूबर तक आयोजित होने वाली 67वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता छात्रा वर्ग की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से खिलाड़ी छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन को लेकर उपनिदेशक विद्यालय शिक्षा (माध्यमिक), नाहन एवं आयोजन सचिव ने विद्यालय परिसर, खेल मैदानों तथा विभिन्न व्यवस्था समितियों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, सुरक्षा और खेल मैदानों सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों व शिक्षकों को निर्देश दिए कि बाहर से आने वाली छात्रा खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी समितियां आपसी समन्वय से समय पर व्यवस्थाएं पूरी करें। प्रधानाचार्य अनिल नागवाल ने कहा कि विद्यालय प्रशासन प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफ, स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य और क्रीड़ा संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एचआईवी एड्स से बचाव की जानकारी दी



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रेड रिबन क्लब की ओर से प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल की अध्यक्षता में सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान के तहत एचआईवी जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ प्राचार्य के संबोधन से हुआ। डॉ. कटवाल ने विद्यार्थियों को एचआईवी-एड्स से बचाव और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से जागरूकता दूत बनकर समाज में सही जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अभियान के तहत क्यूआर कोड के माध्यम से एचआईवी स्व-मूल्यांकन के लिए लोगों को प्रेरित करने की अपील की। रेड रिबन क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. सोनिया राठौर ने बताया कि रैली में 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली महाविद्यालय परिसर से गुरुद्वारा चौक तक निकाली गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने नारों के माध्यम से लोगों को एचआईवी से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर एनसीसी और एनएसएस के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में कविता चौहान ने किया सिरमौर का प्रतिनिधित्व



भारतेन्दु संवाददाता, सिरमौर। राजकीय महाविद्यालय पड़ौता की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयंसेवी कविता चौहान ने देहरादून में आयोजित 'वंदे मातरम-राष्ट्रीय एकीकरण शिविर' में भाग लेकर महाविद्यालय और जिला सिरमौर का नाम रोशन किया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित यह शिविर 30 सितंबर से 6 अक्तूबर तक चला। शिविर में केरल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के करीब 150 स्वयंसेवियों ने भाग लिया। हिमाचल के 25 स्वयंसेवियों में सिरमौर के दो स्वयंसेवी शामिल रहे। शिविर का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और विभिन्न रा'यों की संस्कृति को समझने का अवसर प्रदान करना रहा। कविता चौहान ने उद्घाटन से समापन तक विभिन्न कार्यक्रमों में मंच संचालन किया। उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता की विशेष सराहना हुई। कविता इससे पहले भी कांगड़ा और नाहन में तीन युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुकी हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रकाश शर्मा ने कविता को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे राष्ट्रीय शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डीबीपीएस में चित्रकला में केशव रहे प्रथम

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। दयानंद भारतीय पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोगिंद्रनगर में बुधवार को 'विकसित भारत 2047' विषय पर चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण की भावना, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष व सेवानिवृत्त गणित प्रोफेसर रविंद्र ठाकुर तथा जोगिंद्रनगर मंडल के शिक्षक प्रकोष्ठ के सह-समन्वयक एवं सेवानिवृत्त अर्थशास्त्र प्रवक्ता टेक चंद सकलानी बतौर अतिथि उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में दसवीं कक्षा के केशव ने प्रथम, जमा एक की प्रतीक्षा शर्मा ने द्वितीय और श्रीयांशी भारद्वाज ने तृतीय स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में जमा एक की रीतिका ठाकुर प्रथम, जमा दो की धनिका द्वितीय और दसवीं की अपूर्वा तृतीय रहीं। विजेताओं को पदक एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य राजेश डोगरा ने विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

अंकिता का राज्य स्तरीय टेबल टेनिस टीम में चयन

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला झंगी की होनहार छात्रा अंकिता सकलानी ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय टेबल टेनिस टीम में स्थान हासिल किया है। चयन प्रतियोगिता में अंकिता ने पिछले वर्ष की दो राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ियों को सीधे सेटों में हराकर यह उपलब्धि हासिल की। अंकिता का चयन लगातार दूसरी बार राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए हुआ है। पिछले वर्ष भी वह राज्य टीम का हिस्सा रही थीं, जहां जिले की टीम ने प्रदेशभर में दूसरा स्थान हासिल किया था। लगातार दूसरी बार राज्य स्तर पर चयनित होकर अंकिता ने अपनी प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया है। अंकिता की उपलब्धि से विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके माता-पिता और प्रशिक्षकों प्रवीण ठाकुर व अरुण सांगल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंकिता की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है।

हिमालयी विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी जरूरी : राज्यपाल कविंद्र

दुर्गम क्षेत्रों में विकास और कनेक्टिविटी की नई राह है अटल टनल



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को 9.02 किलोमीटर लंबी अटल टनल का दौरा किया। समुद्र तल से 10 हजार फुट से अधिक ऊंचाई पर स्थित यह सुरंग सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

इस दौरान राज्यपाल कविंदर गुप्ता और लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी राष्ट्रपति के साथ मौजूद रहे। अटल टनल के उत्तरी पोर्टल पहुंचने पर राष्ट्रपति का स्थानीय लोगों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं राष्ट्रपति के दौरे के दौरान मंत्री-इन-वेटिंग राजेश धर्माणी, सांसद कंगना रनौत, लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा तथा प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राजेश धर्माणी ने राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न भी भेंट किया। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने अटल टनल को विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि सुरंग ने लाहौल-स्पीति को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह भारत की तकनीकी क्षमता और दुर्गम क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। दौरे के दौरान राष्ट्रपति ने टनल की तकनीकी विशेषताओं और निर्माण संबंधी पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का भी आनंद लिया। इसके बाद राष्ट्रपति और राज्यपाल ने मनाली के धुंगरी स्थित प्रसिद्ध हिडिंबा मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। वहीं, राज्यपाल ने वन विश्राम गृह में जिन्कगो बिलोबा का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के साथ सतत विकास को समय की आवश्यकता बताया।

धारागाड़ गांव में आग से मकान जलकर राख, दो परिवार प्रभावित



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। बंजार उपमंडल मुख्यालय से करीब आठ किलोमीटर दूर तीर्थन घाटी की ग्राम पंचायत कंडीधार के धारागाड़ गांव में बुधवार सुबह करीब पांच बजे एक मकान में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरा मकान जलकर राख हो गया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन घर में रखा सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धारागाड़ निवासी जय चंद पुत्र गंगा राम के मकान में सुबह करीब पांच बजे अचानक आग भड़क उठी। प्रारंभिक जांच में बिजली की तारों में स्पार्किंग को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। बताया जा रहा है कि इस मकान में जय चंद और उनके पुत्र वीर सिंह के परिवार रहते थे। यानी हादसे से दो परिवार प्रभावित हुए हैं। आगजनी की इस घटना में दोनों परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने भी तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाई। तहसीलदार बंजार नीरज शर्मा ने बताया कि प्रशासन की ओर से दोनों प्रभावित परिवारों को 10-10 हजार रुपये, कुल 20 हजार रुपये की अंतरिम राहत प्रदान की गई है। इसके अलावा प्रभावित परिवारों को आवश्यक घरेलू सामान भी उपलब्ध करवाया गया है, ताकि उन्हें तत्काल जरूरत की वस्तुओं के लिए परेशानी न हो। तहसीलदार ने कहा कि आग से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है। नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद नियमानुसार प्रभावित परिवारों को अतिरिक्त राहत राशि भी प्रदान की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय सिनेमा महोत्सव में 'कावाला द क्रो' सर्वश्रेष्ठ फिल्म

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। अंतरराष्ट्रीय सिनेमा महोत्सव 2026 के पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई। महोत्सव में देशभर से आई लघु फिल्मों, वृत्तचित्रों, कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। 'कावाला द क्रो' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का प्रथम पुरस्कार हासिल किया, जबकि 'भांड' दूसरे और 'अदम्य' तीसरे स्थान पर रहे। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार 'कावाला द क्रो' के हर्षवर्धन राजेंद्र जाधव को मिला। सर्वश्रेष्ठ लेखक का सम्मान 'भांड' के अरुणाभ मुखर्जी को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ पुरुष अभिनेता का पुरस्कार प्रोसेनजीत कुंडू और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार देबदत्ता चटर्जी ने जीता। बाल कलाकार वर्ग में आर्यन रौंदल प्रथम रहे। सर्वश्रेष्ठ छायाकार का पुरस्कार 'द फॉरबिडन कार्ड' के विशाल गोस्वामी और अमन गुप्ता को मिला। संपादन में 'माजरा' के नवीन जावे को सम्मानित किया गया। 'चप्पल' को विशेष जूरी उल्लेख मिला।

राहुल-प्रियंका को हिरासत में लेना लोकतंत्र की आवाज दबाने की कोशिश : पुनीत मल्ली



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। एसआईआर के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में लिए जाने पर कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता पुनीत मल्ली ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक तरीके से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देने के बजाय विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सत्ता और प्रशासन का इस्तेमाल कर रही है। पुनीत मल्ली ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी किसी निजी मुद्दे को लेकर सड़क पर नहीं उतरे थे, बल्कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े गंभीर सवाल उठा रहे थे, ऐसे में उन्हें हिरासत में लेना भाजपा की कथित लोकतांत्रिक सोच पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

वैश्विक मंच पर गूंजा भारत का दिव्यांग अधिकार कानून, अनुराग ठाकुर ने रखी मजबूती से बात



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने तंजानिया के अरुशा में आयोजित 153वीं अंतर-संसदीय संघ महासभा में दिव्यांगजनों के अधिकारों और सशक्तिकरण पर भारत की प्रतिबद्धता को मजबूती से रखा।

लोकतंत्र एवं मानवाधिकार संबंधी स्थायी समिति में समावेशी सामाजिक विकास पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि दिव्यांगता को दान या कल्याण के नजरिए से नहीं, बल्कि मौलिक मानवाधिकार, गरिमा, समानता और लोकतांत्रिक भागीदारी के विषय के रूप में देखा जाना चाहिए। अनुराग ठाकुर ने भारत के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण उदाहरण बताते हुए कहा कि कानून गैर-भेदभाव, सुगम्यता, समान अवसर और सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करता है। उन्होंने सांसदों से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, परिवहन, आवास, न्याय, डिजिटल सेवाओं और आपदा प्रबंधन में समावेशी नीतियों को लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल कानूनी प्रावधान पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि उन्हें संसाधनों, सुगम संस्थानों और मापने योग्य परिणामों में बदलना जरूरी है। इसके लिए विश्वसनीय आंकड़े और साक्ष्य आधारित नीतियां महत्वपूर्ण हैं। भारत ने मसौदा प्रस्ताव को अधिक व्यावहारिक और कानूनी रूप से सुसंगत बनाने के लिए 17 संशोधन प्रस्तुत किए। इनमें राष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप निर्णय लेने की व्यवस्था, दिव्यांगता-संवेदनशील बजट तथा निगरानी व्यवस्था में आंकड़ों की गोपनीयता पर जोर दिया गया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत बाधामुक्त और सम्मानजनक विश्व के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन में संवैधानिक प्रक्रिया की जीत : कल्याण भंडारी

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष कल्याण भंडारी ने डिप्टी रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हिमाचल प्रदेश के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अदालत ने समानांतर कार्यकारिणी से संबंधित याचिका खारिज कर संगठन की वैध चुनाव प्रक्रिया को मान्यता दी है। भंडारी ने बताया कि 8 जुलाई 2025 की कथित आम सभा और उसके आधार पर किए गए दावों को अदालत ने स्वीकार नहीं किया, जबकि 6 जुलाई 2025 को सुंदरनगर में उपनियमों के तहत हुए चुनाव और 9 जुलाई की अधिसूचना को वैध माना गया। उन्होंने कहा कि आत्मा राम शर्मा और हुकुम सिंह ठाकुर के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी ही वैध रूप से संगठन का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने पेंशनरों से एकजुट रहने और भ्रमित करने वाले दावों से बचने की अपील की।

विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी 'सेवा ज्योति यात्रा' : विपिन परमार



भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। सुलह विधानसभा क्षेत्र के पिंडेश्वरी मंदिर, नोरा में 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत किया।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सुलह विधानसभा क्षेत्र से विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है तथा विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग इस राष्ट्रीय अभियान से जुड़े। विपिन सिंह परमार ने कहा कि 'सेवा ज्योति यात्रा' केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जनसेवा, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की भावना को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प है। भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और इसी सेवा भाव को आधार बनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना भारतीय जनता पार्टी की मूल प्रतिबद्धता रही है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल बड़े शहरों और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। गांवों की समृद्धि, किसानों की खुशहाली, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, महिलाओं का सशक्तिकरण, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार भी विकसित भारत की आधारशिला है।

श्रीलंका और नेपाल के 33 सदस्यीय दल ने समझीं हिमाचल की श्रमिक कल्याण योजनाएं



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है।

हिमाचल प्रदेश भवन व अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की 14 कल्याणकारी योजनाओं का अध्ययन करने के लिए श्रीलंका और नेपाल का 33 सदस्यीय संयुक्त शिष्टमंडल चार दिवसीय हिमाचल दौरे पर है। दौरे के दूसरे दिन शिष्टमंडल ने नादौन की धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना का दौरा कर श्रमिकों से संवाद किया और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। इसके बाद हमीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर और सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुपम डढवाल ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। नरदेव सिंह कंवर ने बताया कि बोर्ड की योजनाओं के तहत मकान निर्माण, चिकित्सा, शिक्षा, विवाह, पेंशन, दिव्यांगता पेंशन और श्रमिक की मृत्यु पर आर्थिक सहायता सहित विभिन्न लाभ दिए जा रहे हैं। पिछले दो वर्षों में करीब 45 हजार श्रमिकों को 107 करोड़ रुपए से अधिक के वित्तीय लाभ प्रदान किए गए हैं। वहीं, 15 हजार श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए करीब 40 करोड़ रुपए जारी किए गए। प्रतिनिधियों ने योजनाओं और सीधे लाभ हस्तांतरण व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने इन योजनाओं को अपने देशों में लागू करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

धर्मशाला अस्पताल में रोटरी क्लब ने लगाया रक्तदान शिविर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। रोटरी क्लब धर्मशाला ने राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला और धौलाधार हाइट्स रिजॉर्ट के सहयोग से जोनल अस्पताल परिसर में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर का शुभारंभ कांगड़ा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद्मश्री डॉ. उमेश भारती ने किया, जबकि अध्यक्षता अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराधा ने की। डॉ. उमेश भारती ने कहा कि रक्तदान महादान है और रक्त की एक-एक बूंद जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकती है। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थानों की पहल की सराहना की। शिविर में महाविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, रोवर्स-रेंजर्स और धौलाधार हाइट्स रिजॉर्ट के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश पठानिया और रिजॉर्ट के महाप्रबंधक लक्की नैहरिया ने भी सहयोग दिया। क्लब ने बताया कि 11 अक्तूबर को टोंगलन स्कूल, सराह में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाएगा।

सेवा के 25 वर्ष पूरे कर पीएम मोदी ने जनसेवा का नया अध्याय स्थापित किया : राकेश जम्वाल



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा मंडी जिला की ओर से नेरचौक में 'विकसित भारत संकल्प सभा सेवा ज्योति यात्रा' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर विधायक राकेश जम्वाल ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विधायक इंद्र सिंह गांधी, प्रकाश राणा, पूर्ण ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष निहाल चंद तथा नगर निगम मंडी की महापौर सुमन ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। राकेश जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्रनिर्माण के प्रति समर्पण का उदाहरण है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से लेकर प्रधानमंत्री पद तक उन्होंने जनसेवा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया। उनके नेतृत्व में गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, किसान हित, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश को सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे, पर्यटन, जल और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कई परियोजनाओं का लाभ मिला है।

मंडी जिला भी केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से पूरा होगा। जम्वाल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनावी वादों और गारंटियों को पूरा करने में सरकार विफल रही है।

उन्होंने कहा कि युवा रोजगार, महिलाएं गारंटियों और आम जनता महंगाई से राहत का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि 'सेवा ज्योति यात्रा' प्रधानमंत्री के सेवाभाव और राष्ट्रनिर्माण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। भाजपा कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वर्णकार संघ ने 0.001 ग्राम वाली वजन मशीन की अनिवार्यता हटाने की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। स्वर्णकार संघ जिला कांगड़ा ने आभूषण प्रतिष्ठानों के लिए 0.001 ग्राम तक की शुद्धता वाली वजन मशीन अनिवार्य किए जाने के निर्णय को वापस लेने या उस पर पुनर्विचार करने की मांग की है। संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा को सौंपा। संघ के महासचिव तिलक राज सोनी और अध्यक्ष अजय वर्मा ने कहा कि सरकार का वजन में सटीकता, पारदर्शिता और उपभोक्ता हित सुनिश्चित करने का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन ऐसी मशीन की कीमत करीब 70 हजार से एक लाख रुपये तक है। कई दुकानों को एक से अधिक मशीनों की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इससे छोटे और मध्यम स्वर्णकारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। सोने की बढ़ती कीमतों के बीच यह खर्च ग्राहकों पर भी पड़ सकता है। संघ ने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार कर व्यावहारिक विकल्प तलाशने की मांग की।

राहुल देश के लोकतंत्र को दुनिया में कर रहे अपमानित : कंगना रनौत



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में बुधवार को आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में सांसद कंगना रनौत ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला।

कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, सांसद कंगना रनौत सहित भाजपा के कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी सुना गया। कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह देश के लोकतंत्र को दुनिया के सामने अपमानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज भी परिवार की राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रही है। कंगना ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी मेहनत नहीं करते और जब मेहनत करने का समय आता है, तो विदेश चले जाते हैं। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई तकनीक और आधुनिक विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच रहा है तथा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। कंगना रनौत ने कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष को देश के विकास व जनता से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजनीतिक मुद्दों को लेकर लगातार देश और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही है। कंगना ने हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार कर्ज ले रही है और प्रदेश पर कर्जे पर कर्जा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश को आधुनिक तकनीक, विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे ले जाने के लिए काम कर रही है।

कांगड़ा में 11 अक्तूबर से सजेगा रामलीला का मंच

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। पिछले तीन दशक से चली आ रही रामलीला की परंपरा को जारी रखते हुए रामलीला कमेटी कांगड़ा की ओर से इस वर्ष भी नगर परिषद मैदान में रामलीला का आयोजन किया जाएगा। रामलीला का शुभारंभ 11 अक्तूबर को हवन एवं विधि-विधान के साथ होगा। कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश मैहरा और उपाध्यक्ष संजय कोच ने बताया कि 10 अक्तूबर को विशाल सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के प्रसिद्ध गायकों के साथ स्थानीय कलाकार भी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में राज जेरी, सौरभ शर्मा, संजीव दीक्षित, आकांक्षा मेहरा, नीतीश मेहरा, मीरा नारियल और मोहित गर्ग सहित अन्य कलाकार प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि इस बार भी महिलाओं द्वारा रामलीला के विभिन्न प

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर में मारपीट व दुर्व्यवहार के मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के विभिन्न थानों में मारपीट, पंचायत प्रधान से दुर्व्यवहार, सड़क निर्माण कार्य में बाधा और हिट एंड रन से जुड़े चार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर जांच तेज कर दी है। थाना तलाई में बकैण निवासी पूजा की शिकायत पर तीन महिलाओं के खिलाफ रास्ता रोककर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, घुमारवीं थाना में मुठाणी निवासी नवीन शर्मा ने अज्ञात व्यक्ति पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। एक अन्य मामले में ग्राम पंचायत कसारू की प्रधान अंजना देवी ने आरोप लगाया कि जसवीर सिंह व अन्य लोगों ने सड़क निर्माण कार्य में बाधा डालते हुए वाहन खड़ा कर रास्ता बंद किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, एक अन्य मामले में हिट एंड रन की घटना को लेकर भी पुलिस ने कार्रवाई की है।

एनएसएस शिविर में स्वयंसेवियों ने किया श्रमदान



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला धूंदन में आयोजित सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिन की शुरुआत मंगल भजनों से हुई, जिसके बाद कार्यक्रम अधिकारी संतोष बद्दू के नेतृत्व में योगाभ्यास और परेड करवाई गई। श्रमदान सत्र में कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में स्वयंसेवियों ने विद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने मिट्टी के ढेर हटाने, झाड़ियों की कटाई तथा आसपास के क्षेत्र की सफाई की। बौद्धिक सत्र में आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नरेश ने स्वयंसेवियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए आयुर्वेद, संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और योग के महत्व की जानकारी दी। शिविर में स्वयंसेवियों को शिवाजी, पटेल, विवेकानंद, लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई और जीजाबाई समूहों में बांटा गया। सांस्कृतिक संध्या में देशभक्ति गीतों और 'सीता स्वयंवर' की प्रस्तुति ने समां बांधा। अतिथि सुदेश कुमारी सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोटली में 10 दिन सजेगा रामलीला का मंच

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपमंडल मुख्यालय कोटली में शरद नवरात्र के अवसर पर इस बार 10 दिवसीय रामलीला उत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्री रामलीला कमेटी कोटली की ओर से आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कमेटी प्रधान प्रशांत मोहन ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में आई बाढ़ की त्रासदी के चलते रामलीला का आयोजन पांच दिन तक सीमित रहा था। दर्शकों के उत्साह को देखते हुए इस बार प्रथम नवरात्रि 11 अक्तूबर से दशहरे तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। उद्घाटन सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ठाकुर सिंह वर्मा करेंगे, जबकि 20 अक्तूबर को समापन समारोह की अध्यक्षता विधायक अनिल शर्मा करेंगे। निर्देशक नरेश ठाकुर ने बताया कि इस बार नए कलाकारों को मौका दिया गया है और पिछले एक माह से रिहर्सल जारी है। महासचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि रामलीला के साथ हास्य नाटिकाएं, भजन गायन और लोक प्रस्तुतियां भी होंगी। आयोजन को आकर्षक बनाने के लिए सुंदरनगर से विशेष लाइट एंड साउंड टीम बुलाई गई है।

बेसहारों की जिंदगी में उम्मीद की रोशनी जगा रहे पत्रकार संजय कंवर



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। आज के दौर में जहां लोग अक्सर अपने निजी हितों तक सीमित रह जाते हैं। वहीं, पत्रकार संजय कंवर मानव सेवा के जरिए समाज के लिए मिसाल पेश कर रहे हैं। वे पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व मानते हुए लंबे समय से जरूरतमंदों और बेसहारा लोगों की मदद में जुटे हैं। संजय कंवर के प्रयासों से कई बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया है। इसके अलावा उन्होंने बेसहारा और जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित आश्रय दिलाने में भी सहयोग किया। उनके प्रयासों से कई लोगों को आश्रमों तक पहुंचाया गया, जहां उनके रहने और जीवनयापन की व्यवस्था हो सकी। बताया जाता है कि संजय कंवर अब तक कई दर्जन जरूरतमंद लोगों को उनके परिजनों और गंतव्य तक पहुंचाने में भूमिका निभा चुके हैं। उनके मानवीय प्रयासों से कई परिवारों में खुशियां लौटी हैं। संजय कंवर का मानना है कि समाज के प्रति जिम्मेदारी केवल बातों से नहीं, बल्कि जरूरत के समय किसी के काम आने से पूरी होती है। उनकी सेवा भावना पत्रकारिता के सामाजिक सरोकारों की सार्थक मिसाल बन रही है।

पांवटा साहिब कॉलेज में सीएससीए पदाधिकारियों ने ली पद व कर्तव्य की शपथ



भारतेन्दु संवाददाता, पांवटा साहिब। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब में बुधवार को सीएससीए 2026-27 के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्राचार्य डॉ. जगदीश चौहान रहे। समारोह में सीएससीए अध्यक्षा रुपाक्षी अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनुष्का, महासचिव तरनजीत कौर और संयुक्त सचिव रोहन पुंडीर सहित 17 विभागीय, 9 कक्षा तथा विभिन्न गतिविधियों के 12 प्रतिनिधियों ने पद व कर्तव्य की शपथ ली। प्राचार्य ने मुख्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई, जबकि अन्य प्रतिनिधियों को वरिष्ठ प्राध्यापकों ने शपथ दिलाई। प्राचार्य डॉ. चौहान ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सीएससीए प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने अनुशासन, नेतृत्व और जिम्मेदारी के साथ महाविद्यालय के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। सीएससीए अध्यक्षा रुपाक्षी अग्रवाल ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान और शैक्षणिक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। अंत में राष्ट्रीय गान के बाद सीएससीए पदाधिकारियों की बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सत्यम सदन रहा प्रथम



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। वन्यजीव सप्ताह के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मांजू में वन व वन्यजीव संरक्षण विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य हंसराज की अध्यक्षता में हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वन, वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। वन विभाग की ओर से बीओ राम गोपाल, फॉरेस्ट गार्ड स्वाति, अरुण ठाकुर तथा वन मित्र रीतिका और गीतिका ने विद्यार्थियों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी का संचालन अध्यापक चंद्रशेखर और हेमराज ने किया। प्रतियोगिता में सत्यम, शिवम और सुंदरम सदनों ने भाग लिया। सत्यम सदन ने प्रथम, शिवम सदन ने द्वितीय और सुंदरम सदन ने तृतीय स्थान हासिल किया। सत्यम सदन की टीम में रेखा, थैर्या और किंजल, शिवम सदन में लक्षिता, दीया और दिव्या तथा सुंदरम सदन में खुशी, रिया और पलक शामिल रहीं प्रधानाचार्य हंसराज ने वन विभाग का आभार जताते हुए विद्यार्थियों से प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वैश्विक मानकों की इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना है अटल टनल : मुर्मू



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार सुबह हिमाचल प्रदेश के अपने दौरे के दौरान सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अटल टनल रोहतांग का दौरा किया।

राष्ट्रपति के अटल टनल पहुंचने पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। निरीक्षण के दौरान सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों ने उन्हें टनल के निर्माण, तकनीकी विशेषताओं, संरचना और सामरिक महत्व से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अटल टनल को वैश्विक मानकों वाली इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना बताते हुए इसके निर्माण में सीमा सड़क संगठन के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में बीआरओ ने समर्पण और उत्कृष्ट कार्य के साथ इस महत्वपूर्ण परियोजना को साकार किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि अटल टनल भारत की तकनीकी क्षमता, दृढ़ संकल्प और कठिन क्षेत्रों में निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह प्रतिष्ठित आधारभूत ढांचा देश की तकनीकी दक्षता और दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों को बेहतर संपर्क सुविधा से जोड़ने की क्षमता को प्रदर्शित करता है। अटल टनल मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से वर्षभर जोड़ने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। सामरिक दृष्टि के साथ-साथ पर्यटन और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी इसका विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में अटल टनल का उद्घाटन किया था। अटल टनल के निरीक्षण के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू लॉन्ग वूलन कोट पहने नजर आईं। इसके बाद दोपहर बाद उन्होंने मनाली स्थित प्रसिद्ध हिडिंबा मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। राष्ट्रपति के पूरे दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस दौरान उनकी बेटी इतिश्री भी मौजूद रहीं। वहीं राज्यपाल कविंद्र गुप्ता, सांसद कंगना रनौत, विधायक भुवनेश्वर गौड़, विधायक अनुराधा राणा, मंत्री राजेश धर्माणी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रपति के समक्ष अनुराधा राणा ने उठाए नौतोड़ बहाली, कोकसर चिनाब डायवर्जन प्रोजेक्ट के मुद्दे



भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल कविंद्र गुप्ता के लाहौल-स्पीति आगमन पर विधायक अनुराधा राणा ने उनका स्वागत व अभिनंदन किया। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रपति और राज्यपाल के समक्ष रखा तथा इनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

विधायक अनुराधा राणा ने नौतोड़ बहाली तथा आपदा प्रभावित परिवारों को वन संरक्षण अधिनियम में रियायत अथवा संशोधन के माध्यम से भूमि आवंटन का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने राष्ट्रपति और राज्यपाल से इस संबंध में केंद्र सरकार के समक्ष सिफारिश करने का आग्रह किया, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत मिल सके। उन्होंने कोकसर चिनाब डायवर्जन परियोजना का मुद्दा भी राष्ट्रपति और राज्यपाल के समक्ष रखा। विधायक ने कहा कि लाहौल-स्पीति सहित हिमाचल प्रदेश का पारिस्थितिक तंत्र बेहद ह्लद्ध संवेदनशील है और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों को देखते हुए इस परियोजना पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र सरकार को इस संबंध में सिफारिश करने का भी आग्रह किया। विधायक के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुना और हरसंभव कार्रवाई का आश्वासन दिया। विधायक अनुराधा राणा ने राष्ट्रपति और राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए उनके साथ लाहौल-स्पीति पहुंचे मंत्री राजेश धर्माणी और मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने बीआरओ के महानिदेशक एवं पूरी टीम, जिला प्रशासन, पुलिस तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले महिला मंडलों का भी आभार जताया।

एम्स बिलासपुर बना स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा केंद्र

एम्स बिलासपुर के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति का आगमन ऐतिहासिक : जम्वाल



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने बुधवार को बिलासपुर सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता कर एम्स बिलासपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को ऐतिहासिक अवसर बताया।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर की धरती पर किसी राष्ट्रपति का यह पहला प्रवास है, जिसे लेकर जिले के लोगों में उत्साह रहा। उन्होंने बिलासपुरवासियों की ओर से राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि एम्स बिलासपुर क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित हो रहा है। वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्थान का भूमि पूजन किया था, जबकि 5 अक्तूबर 2022 को इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया। अब प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति ने एम्स के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है। उन्होंने एम्स बिलासपुर की स्थापना और विकास के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जगत प्रकाश नड्डा का विशेष आभार जताया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के सहयोग के लिए भी धन्यवाद किया। विधायक ने बताया कि एम्स में अब तक 12 लाख से अधिक बाह्य रोगी और एक लाख से अधिक भर्ती मरीजों को उपचार उपलब्ध कराया जा चुका है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 2,000 मरीज बाह्य रोगी विभाग में पहुंच रहे हैं और अस्पताल में बिस्तरों का उपयोग लगभग पूरी क्षमता से हो रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते मरीजों के दबाव को देखते हुए 500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नए आघात उपचार खंड और आधुनिक पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की योजना पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं से लैस एम्स बिलासपुर हिमाचल सहित पड़ोसी राज्यों के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र बनकर उभर रहा है।

पेंशनर्स की देय राशि रोकने पर जयनगर में रोष, जनसंपर्क अभियान हुआ शुरू



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ जिला सोलन इकाई जयनगर की मासिक बैठक बुधवार को जयनगर बाजार में इकाई अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष परिवहन कल्याण मंच व हिमाचल प्रदेश संयुक्त संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष बृज लाल ठाकुर तथा जिला महामंत्री धनी राम चौहान विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में पेंशनर्स की लंबित मांगों और विभिन्न देय राशियों के भुगतान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने प्रदेश सरकार पर पेंशनरों की देय राशि जारी करने में ढुलमुल रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए रोष जताया। उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2016 से नए वेतनमान लागू होने के बावजूद कई वर्षों से पेंशनरों की विभिन्न देय राशियों का भुगतान लंबित है। इससे पेंशनरों में भारी नाराजगी है। बैठक में हिमाचल प्रदेश संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से शुरू किए गए जनसंपर्क अभियान को जयनगर इकाई में भी शुरू करने का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया। इसके बाद पेंशनर पदाधिकारियों और सदस्यों ने जयनगर बाजार में आम लोगों से संवाद कर अपनी लंबित मांगों और सरकार के समक्ष उठाए जा रहे मुद्दों की जानकारी दी। पेंशनर्स ने कहा कि उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। बैठक में लच्छी राम, प्रताप सिंह, शीश राम ठाकुर, हरि दास, विद्या सागर, मस्त राम, भगत राम, चैट राम, रत्ती राम, राम लाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कुल्लू कॉलेज में आज से होंगी इंटर कॉलेज बैडमिंटन और शूटिंग चैंपियनशिप

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी से संबद्ध महाविद्यालयों की इंटर कॉलेज बैडमिंटन एवं शूटिंग चैंपियनशिप 2026 का आयोजन राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में 8 से 10 अक्तूबर तक किया जाएगा। प्रतियोगिता में एक दर्जन से अधिक कॉलेजों के करीब 150 छात्र-छात्राएं पुरुष एवं महिला वर्ग में भाग लेंगे। चैंपियनशिप का शुभारंभ 8 अक्तूबर को सुबह 10 बजे होगा। मुख्यातिथि सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी की स्पोर्ट्स काउंसिल अध्यक्ष एवं राजकीय महाविद्यालय सैंज की प्राचार्य डॉ. सुजाता होंगी। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के लिए कॉलेज में खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। समापन समारोह 10 अक्तूबर को दोपहर एक बजे होगा, जिसमें राजकीय महाविद्यालय कुल्लू के प्राचार्य डॉ. राकेश राणा मुख्य अतिथि होंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन सचिव डॉ. ओम प्रकाश और संयोजक प्रो. राजेश कुमार के नेतृत्व में प्रतियोगिता आयोजित होगी।

द्रोणाचार्य कॉलेज रैत में एससीए कमेटी का गठन, आकाश शर्मा बने ओवरऑल प्रेसिडेंट



भारतेन्दु संवाददाता, रैत। द्रोणाचार्य शिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय रैत में नए सत्र के लिए स्टूडेंट कार्डसिल एसोसिएशन (एससीए) कमेटी का गठन किया गया।

कमेटी में विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को अलग-अलग पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। बीएड के आकाश शर्मा को ओवरऑल प्रेसिडेंट चुना गया। बीकॉम में शिवम चौहान प्रेसिडेंट और सोनम वाइस प्रेसिडेंट बनीं, जबकि बीबीए की अध्यक्षता शिवम मनकोटिया तथा बीसीए की अध्यक्षता कार्तिक ने संभाली। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पद पर बीएड से अमृतेश और बीसीए से रिम्ती को नियुक्त किया गया। महासचिव पद के लिए बीएड से नंदिता और बीकॉम से ज्योति को चुना गया। स्पोर्ट्स हेड की जिम्मेदारी बीएड से नितिन, बीसीए से अक्षय और बीबीए से दिव्यांश को दी गई। फाइनेंस हेड के रूप में बीएड से सुमित, बीसीए से तन्वी और बीबीए से पीयूष को दायित्व मिला। डिसिप्लिन हेड के लिए बीएड से शुभम, बीसीए से यमन और बीबीए से फ्रांशी नियुक्त हुए। कमेटी का गठन एससीए स्टाफ कोऑर्डिनेटर सुमित शर्मा की देखरेख में हुआ। प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी, निष्ठा और विद्यार्थियों के हित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक जीएस पठानिया, शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ. अनीता चंदेल सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर बुजुर्गों से किया संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के वृद्धाश्रम देओली-घाघस में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वृद्धाश्रम संचालक प्रकाश बंसल ने की। मुख्य वक्ता जिला स्वास्थ्य शिक्षक गोपाल कौशल ने वृद्धजनों को दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने वृद्धजनों को संतुलित व पौष्टिक आहार लेने, स्वच्छता बनाए रखने और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वृद्धजनों से संवाद कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और जरूरतों की जानकारी ली तथा विभागीय स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से उन्हें च्यवनप्राश वितरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों के स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा व कल्याण के प्रति समाज में संवेदनशीलता बढ़ाना तथा उन्हें गरिमापूर्ण जीवन के लिए प्रेरित करना है।

बातल के तरुण कुमार ने 19,024 फुट ऊंचे उमलिंग ला फतह कर दिखाया हिमाचली जज्बा



◆ कम ऑक्सीजन और दुर्गम रास्तों को दी मात, बाइक से उमलिंग ला पहुंचे तरुण

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की छोटी काशी कहे जाने वाले बातल गांव के तरुण कुमार ने करीब 3,000 किलोमीटर की मोटरसाइकिल यात्रा पूरी कर 19,024 फुट की ऊंचाई पर स्थित उमलिंग ला तक पहुंचकर साहसिक सफर का नया अध्याय जोड़ा है।

उन्होंने 10 दिवसीय यह यात्रा रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 पर आठ बाइकर्स के राइडिंग ग्रुप के साथ पूरी की। तरुण ने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें बेहद कम ऑक्सीजन, शून्य से नीचे तापमान, तेज बर्फीली हवाओं और दुर्गम पहाड़ी रास्तों का सामना करना पड़ा। सफर लुधियाना से पठानकोट, श्रीनगर, कारगिल और लेह होते हुए पैंगोंग और हानले तक पहुंचा। सातवें दिन हानले से नुरबुर ला होते हुए उन्होंने उमलिंग ला का रुख किया। इसके बाद देमचोक, न्योमा, त्सो कार, पांग और जिस्पा होते हुए मनाली-कुल्लू के रास्ते लुधियाना वापसी की। उमलिंग ला पहुंचना अभियान का सबसे चुनौतीपूर्ण पड़ाव रहा। तरुण के अनुसार 19,024 फुट की ऊंचाई पर सांस लेना भी मुश्किल था। काकसंग ला, नुरबुर ला और देमचोक के पथरीले रास्तों ने कठिनाई और बढ़ा दी। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी और लक्ष्य हासिल किया। इस यात्रा का सबसे यादगार क्षण उमलिंग ला पर 50 पुशअप्स लगाना रहा। फिटनेस के प्रति विशेष रुचि रखने वाले तरुण ने कम ऑक्सीजन के बीच यह चुनौती पूरी की। उनका कहना है कि बातल गांव से उमलिंग ला तक बाइक से पहुंचने वाले वे संभवत: पहले राइडर हैं। तरुण इससे पहले वर्ष 2024 में दिल्ली से नेपाल के मुक्तिनाथ तक करीब 2,500 किलोमीटर की बाइक यात्रा और 2025 में स्पीति घाटी का करीब 10 दिवसीय सोलो सर्किट पूरा कर चुके हैं। वर्तमान में दिल्ली की एक बहुराष्ट्रीय परामर्श कंपनी में कार्यरत तरुण पहाड़ों, फिटनेस और मोटरसाइकिलिंग के शौकीन हैं।

सोशल मीडिया पर 'पहाड़ी घुमक्कड़' नाम से वे अपनी यात्राएं साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि उमलिंग ला तक पहुंचना उनके लिए केवल बाइक यात्रा नहीं, बल्कि अपनी हिमाचली जड़ों और गांव का नाम नई ऊंचाई तक पहुंचाने का गर्वपूर्ण अनुभव है।

आयोजन डीसी ने अधिकारियों को योजनाओं को पारदर्शिता से धरातल तक पहुंचाने के दिए निर्देश

मंडी में अप्रैल से जून तक 454 दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपायुक्त अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में डीसी कार्यालय के वीसी रूम में जिला स्तरीय दिव्यांगता समिति,राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 के तहत गठित जिला मंडी की स्थानीय स्तर समिति, मैनुअल स्वेवेंजर एक्ट 2013 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता समिति तथा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई।

डीसी ने दिव्यांगजनों के कल्याण, सफाई कर्मचारियों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं को पारदर्शिता से धरातल तक पहुंचाने के दिए निर्देश। डीसी ने शहरी निकायों तथा जिला पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी ग्राम सभाओं व शहरी निकायों की बैठकों में सीमित संरक्षता की मार्गदर्शिका को शामिल कर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। डीसी ने समिति को निर्देश दिए कि जिन पात्र बच्चों के संरक्षक अब तक नियुक्त नहीं हुए हैं, उनके मामलों में जल्द कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा दिव्यांगजनों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने यूडीआईडी के लंबित मामलों का जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए।

बैठक में यूनिक डिसएबिलिटी आईडी तथा मेडिकल बोर्ड से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। अप्रैल से जून 2026 तक आयोजित आठ मेडिकल बोर्डों के माध्यम से 454 दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। जोनल अस्पताल में हर माह के दूसरे सप्ताह व चौथे सप्ताह को दिव्यांगता बोर्ड बैठता है, जिस का दिव्यांगजन लाभ उठा सकते हैं।

11,950 दिव्यांगजनों को पेंशन योजना का लाभ

दिव्यांग कल्याण योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 31 अगस्त 2026 तक 11,950 लाभार्थियों को दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि जिन दिव्यांग पेंशनधारकों ने ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें सितंबर माह तक की पेंशन प्रदान कर दी गई है दिव्यांगजनों के मामलों पर वस्तृत चर्चा की गई। संरक्षण व सीमित संरक्षता से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए बताया गया कि चालू तिमाही में दुर्व्यवहार, हिंसा अथवा शोषण से संबंधित कोई मामला प्राप्त नहीं हुआ है। सीमित संरक्षता के तहत प्राप्त एक आवेदन पर प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है।

अत्याचार निवारण अधिनियम के लंबित मामलों की समीक्षा

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति की बैठक में लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में अधिक से अधिक जागरूक शिविर लगाने का आह्वान किया ताकि लोगों को एक्ट के बारे में जानकारी प्रदान की जा सके बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामले की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक का संचालन जिला कल्याण अधिकारी समीर ने किया।

राजेश सिंह ने संभाला एनएचपीसी के सीवीओ का अतिरिक्त कार्यभार



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। एनएचपीसी लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का अतिरिक्त कार्यभार राजेश कुमार सिंह, आईआरएसएस (2002) ने 6 अक्तूबर 2026 को संभाल लिया है। एनएचपीसी भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनियों में शामिल है और भारत सरकार का 'नवरत्न' सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

राजेश कुमार सिंह को एनएचपीसी के सीवीओ का अतिरिक्त कार्यभार पदभार ग्रहण करने की तिथि से छह माह की अवधि के लिए अथवा नियमित सीवीओ की नियुक्ति होने तक अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, सौंपा गया है। श्री सिंह वर्तमान में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन में मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने आईआईटी रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में बीटेक तथा आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी से कम्युनिकेशन सिस्टम्स में एमटेक की शिक्षा प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और चीन में वरिष्ठ नेतृत्व संबंधी कार्यक्रम भी पूरे किए हैं। भारतीय रेलवे में 24 वर्षों से अधिक के सेवाकाल के दौरान श्री सिंह ने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां संभाली हैं। इनमें पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) तथा मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली में मुख्य सामग्री प्रबंधक का पद प्रमुख है। मॉडर्न कोच फैक्ट्री में उन्होंने खरीद संबंधी कार्यों की निगरानी की। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान श्री सिंह ने क्रय, सतर्कता, सूचना प्रौद्योगिकी और सामग्री प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यापक अनुभव हासिल किया है। उन्होंने विभिन्न क्रॉस-फंक्शनल टीमों का नेतृत्व भी किया है। अपने बहु-विषयक कार्य अनुभव के माध्यम से श्री सिंह ने परिचालन में पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के

एंड्रिया बोटेज का खूबसूरत अंदाज

कनाडा। एंड्रिया बोटेज एक कनाडाई शतरंज खिलाड़ी, कंटेंट क्रिएटर, डीजे और ट्विच स्ट्रीमर हैं। वह चैंपियन शतरंज खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा बोटेज की बहन भी हैं।



स्पोर्ट्स विंडो

टीम इंडिया की सिलेक्शन प्रोसेस में शामिल होंगे वीवीएस लक्ष्मण

एजेंसी, नई दिल्ली। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण अब सीनियर सिलेक्शन कमेटी की हर बैठक में शामिल होंगे। यह



फैसला मुंबई में हुई बीसीसीआई की समीक्षा बैठक में लिया गया। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा, 'लक्ष्मण अब हर सिलेक्शन मीटिंग में रहेंगे। वे खिलाड़ियों की इंजरी या रिहैब की तुरंत जानकारी देंगे, ताकि चयनकर्ताओं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच कोई कम्युनिकेशन गैप न रहे।' यह पहला मौका है जब भारतीय क्रिकेट टीम के सिलेक्शन मीटिंग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रमुख का रहना अनिवार्य किया गया है। लक्ष्मण ने हाल में गुवाहाटी में हुई टी-20 और इंडिया-ए की चयन बैठक में हिस्सा लिया था। भारतीय टीम की पिछली 6 सीरीज में 7 ऐसे क्रिकेटरों का चयन हुआ, जो मैच खेलने के लिए फिट नहीं थे। सैकिया ने कहा कि लक्ष्मण बीसीसरीआई में हेड ऑफ क्रिकेट और ष्टश्वश्च प्रमुख हैं। उनके हर सेलेक्शन मीटिंग में मौजूद रहने से चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों की उपलब्धता की सटीक जानकारी मिल सकेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि इंजरी और व्यस्त शेड्यूल के कारण टीम अपनी पसंद की बॉलिंग लाइन-अप के साथ नहीं खेल पा रही है।

भारतीय अंडर-19 टीम ने आस्ट्रेलिया को 10 विकेट से दी करारी शिकस्त

एजेंसी, अहमदाबाद। बायें हाथ के स्पिनर तन्मय बालोडा के दूसरी पारी में आठ विकेट और मैच में 14 विकेट की मदद से भारत की



अंडर 19 क्रिकेट टीम ने दूसरे युवा टेस्ट के तीसरे दिन आस्ट्रेलिया को दस विकेट से हराकर श्रृंखला 2- 0 से अपने नाम की। आस्ट्रेलियाई टीम तीसरे दिन चार विकेट पर 86 रन से आगे खेलते हुए 151 रन पर आउट हो गई। भारत को जीत के लिये सिर्फ 11 रन बनाने थे जो बिना कोई विकेट गंवाये बना लिये। भारत ने इससे पहले 315 रन बनाकर पहली पारी में 141 रन की बढत ली थी। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 174 रन बनाये थे। भारतीय अंडर 19 टीम ने राजकोट में खेला गया पहला युवा टेस्ट एक पारी और 48 रन से जीता था। इससे पहले युवा वनडे श्रृंखला में 3- 0 से जीत दर्ज की थी। बालोडा ने पहली पारी में 32 रन देकर छह और दूसरी में 41 रन देकर आठ विकेट चटकाये।

गंभीर ने की अगरकर की सराहना कहा-याद रहेगा आपका योगदान

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को निवर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की जमकर सराहना की और कहा कि 'इतिहास आपके योगदान को याद रखेगा।' गंभीर ने कहा कि टीम को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने की अगरकर की सोच ने भारत को उनके कार्यकाल में तीन आईसीसी ट्रॉफियां दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अगरकर का कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को मुख्य चयनकर्ता के पद को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। इससे पहले कई हफ्तों तक इस बात को लेकर अटकलें लगती रही थीं कि अगरकर को कार्यकाल विस्तार दिया जाएगा या नहीं। गंभीर ने पोस्ट किया, ''प्रिय अजीत भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात रही। तीन आईसीसी ट्रॉफियां आपके भरोसे की गवाही देती हैं जिसमें हमेशा टीम को सर्वोपरि रखा गया। मुझे कहना होगा कि इतिहास आपके योगदान को याद रखेगा। हर चीज के लिए धन्यवाद। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। '

पहले टी20 में हम परिस्थितियों के अनुसार ढलने में नाकाम रहे: होप

एजेंसी, लखनऊ। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा कि भारत



के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश में उनकी टीम थोड़ी 'बिखर गई' और परिस्थितियों को सही ढंग से पढ़ने में उसकी नाकामी श्रृंखला के पहले मैच में आठ विकेट की हार का मुख्य कारण रही। होप ने कहा कि भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलते हुए वेस्टइंडीज टीम को आक्रामक होना जरूरी था जो वे मंगलवार को नहीं हो सके। मेहमान टीम 19.1 ओवर में 170 रन पर आउट हो गई और भारत ने कप्तान श्रेयस अय्यर के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक की बदौलत 14.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्धशतक लगाने वाले होप ने मैच के बाद कहा, ''मुझे लगा कि आखिरी चरण में बल्लेबाजी थोड़ी बिखर गई थी। ऐसा लगा जैसे हम किसी समय 270 या 280 रन बनाने की कोशिश कर रहे थे, आप जानते हैं हमें स्थिति को थोड़ा अच्छी तरह समझकर मैच खेलना था। शायद खुद को थोड़ा और समय देना था क्योंकि हम जानते हैं कि अगर हमारे हाथ में विकेट हों तो हम आखिरी चरण में हमेशा नुकसान पहुंचा सकते हैं।'

टी20 रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 7वें स्थान पर पहुंचे श्रेयस अय्यर

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक जड़कर आईसीसी रैंकिंग में लगाई 18 स्थान की छलांग

एजेंसी, दुबई

भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई। इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ, जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। पंद्रह वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। वहीं, भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।



◆ टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय शामिल

बुमराह की टॉप-10 गेंदबाजों में वापसी



टी20 बॉलर्स की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह की टॉप-10 में वापसी हो गई है। उन्हें 3 स्थान का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के राशिद खान पाकिस्तान के अबरार अहमद को पीछे छोड़कर नंबर-1 बॉलर बन गए हैं। भारत के अक्षर पटेल ने भी 16 पायदान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

कोहली ने प्रेमानंद आश्रम में जाने को नहीं लिए 5 करोड़

कोहली के प्रवक्ता ने दावे को बताया कोरा झूठा

एजेंसी, नई दिल्ली

विराट कोहली के प्रवक्ता ने बुधवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि दिग्गज भारतीय बल्लेबाज को आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज के आश्रम में पहली बार जाने के लिए पैसे दिए गए थे। प्रवक्ता ने इन दावों को 'पूरी तरह झूठा और बेबुनियाद' बताया। कोहली के प्रवक्ता ने बताया कि विराट कोहली और उनकी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा प्रेमानंद महाराज के भक्त हैं और कई बार वृंदावन स्थित उनके आश्रम में जा चुके हैं। हालांकि, फलाहारी महाराज ने हाल में आरोप लगाया था कि 2023 में पहली बार आश्रम आने के लिए कोहली को पांच करोड़ रुपये दिए गए थे। उन्होंने ने एक बयान में कहा, 'हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि विराट कोहली के संबंध में फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा द्वारा किए गए दावे पूरी तरह झूठे, बेबुनियाद और तथ्यों से परे हैं।'

आस्था के चलते कई बार आश्रम जा चुके हैं विराट और अनुष्का



विराट कोहली के प्रवक्ता ने कहा कि कोहली का आश्रम जाना 'प्रेमानंद महाराज के प्रति गहरी आस्था और श्रद्धा' से प्रेरित है। बयान में कहा गया, ''हम इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हैं और मीडिया से आग्रह करते हैं कि वह ऐसी बातों को प्रकाशित या आगे बढ़ाने से पहले तथ्यों की पूरी तरह जांच करे और जिम्मेदारी से खबर प्रकाशित करे।' कोहली का प्रेमानंद महाराज के आश्रम में जाना उनके करियर के महत्वपूर्ण दौर में भी जारी रहा है। इनमें 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आश्रम जाना भी शामिल है। कोहली और अनुष्का के इस साल जुलाई में भी आश्रम जाने की खबर आई थी।

बीसीसीआई महिला अंडर-19 ट्रॉफी के लिए एचपीसीए ने घोषित की टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला अंडर-19 (टी -20) एलीट टूर्नामेंट 2026-27 में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए टीम का चयन कर लिया है। एचपीसीए सचिव मनुज ठाकुर ने बताया कि टीम की कमान धन्या लक्ष्मी को दी गई है और टीम 9 अक्तूबर को पहला मैच खेलेगी। सपोर्ट स्टाफ में तिलक राज मुख्य कोच, सुनील कुमार सहायक कोच, वीणा पांडे, जाह्नवी अरोड़ा फिजियो, संदीप कुमार वीडियो एनालिस्ट, ईश्वर दास साइड आर्म और गीता मेहता मैनेजर शामिल हैं। 9 अक्तूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम ओडिशा टी-20, हिमाचल प्रदेश बनाम बड़ौदा टी-20 10 अक्तूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम तमिलनाडु टी-20 12 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम झारखंड टी-20 14 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम गोवा टी-20 16 अक्टूबर को खेला जाएगा।

कांगड़ा की धन्या लक्ष्मी को सौंपी टीम की कमान

चयनित टीम में हिमानी शर्मा (चंबा), दिवेशा समरा (हमीरपुर), साइना चौहान (हमीरपुर), स्वरा बंशटू (हमीरपुर), अहाना शर्मा (कांगड़ा), धन्या लक्ष्मी कप्तान (कांगड़ा), पल्लवी (कांगड़ा), अर्चना ठाकुर (कुल्लू), कुंजम गिरी (कुल्लू), अनाहिता दिग्विजय सिंह (शिमला), अंशिका सानी (शिमला), उर्वी शर्मा (शिमला), स्वस्तिका डी. कंवर (सिरमौर), रिया शर्मा (सोलन) व युक्ति (सोलन) शामिल हैं।

सूर्यवंशी रणजी के शुरुआती 2 राउंड में नहीं खेलेंगे

एजेंसी, पटना। वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दो राउंड में बिहार के लिए नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट काउंसिल की ओर से नियुक्त चयन समिति ने 2026-27 रणजी सीजन के शुरुआती दो राउंड के लिए बिहार की 17 सदस्यीय टीम चुनी है, जिसमें सूर्यवंशी का नाम नहीं है।

लवलीना को असम के मुख्यमंत्री ने दिया 50 लाख रुपए का चेक



एजेंसी, गुवाहाटी। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को उनकी उपलब्धि के सम्मान में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 50 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। गोलाघाट की इस चैंपियन मुक्केबाज के मंगलवार को असम पहुंचने के तुरंत बाद सरमा ने अपने कार्यालय में उनका अभिनंदन किया। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन दो अक्टूबर को महिलाओं के 75 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। सीएमओ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि सरमा ने लोक सेवा भवन में 'ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में' बोरगोहेन को 50 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। पोस्ट में कहा गया, ''लवलीना की स्वर्णिम जीत देश के लिए बेहद गर्व की बात है और यह अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी।'

मेसी ने अर्जेंटीना को कहा अलविदा

कहा-20 से अधिक वर्ष तक यह जर्सी पहनना गर्व की बात

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी ने मंगलवार को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन किया। दो गोल में सहयोग और एक पेनल्टी पर गोल करने के बाद मेसी ने खचाखच भरे एस्टाडियो मोनुमेंटल में भावुक भाषण दिया और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा। मेसी ने कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए खेलना याद करेंगे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत अपने दिवंगत पिता जॉर्ज को याद करते हुए की, जिनका लंबी बीमारी के बाद अगस्त में निधन हो गया था। मेसी ने कहा, 'आज रात मैं जिस पहले व्यक्ति के बारे में सोचता हूं, वह मेरे पिता हैं। मैं आप सभी का सिर्फ धन्यवाद कर सकता हूं। 20 से अधिक वर्षों तक इस जर्सी की रक्षा करना मेरे लिए बहुत बड़े गर्व की बात रही है। हमने कभी लड़ना बंद नहीं किया, कभी अपना सब कुछ देना बंद नहीं किया।' उन्होंने कहा, 'मेरी इच्छा है कि मैं पूरी जिंदगी खेल सकूं, क्योंकि अर्जेंटीना के लिए खेलना सबसे खूबसूरत चीज है।' मेसी ने कहा, 'बेशक, मैं शायद बहुत सी ऐसी बातें भूल रहा हूं जो मैं कहना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक मुश्किल पल है। मुझे इसकी कमी खलेगी।' 39 वर्षीय मेसी ने यह भी कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए उनके बाद खेलने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, 'जब हम एकजुट होते हैं, तो हम किसी भी अन्य टीम से ज्यादा मजबूत होते हैं। और हम किसी भी चीज से पार पा सकते हैं।'



◆ अर्जेंटीना के लिए अपने आखिरी मैच में पेनल्टी पर किया गोल

पुणे-भुवनेश्वर के बीच रोजाना सीधी उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो आगामी 25 अक्टूबर से पुणे और भुवनेश्वर के बीच सीधी दैनिक उड़ान सेवा शुरू करने जा रही है। कंपनी के अनुसार, इस मार्ग पर एयरबस ए320 विमानों का संचालन किया जाएगा। यात्री इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत यात्रा साझेदारों के माध्यम से टिकट बुक कर सकेंगे। नई उड़ान से महाराष्ट्र और ओडिशा के दो प्रमुख शहरों के बीच हवाई संपर्क और मजबूत होगा। पुणे को सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है, जबकि भुवनेश्वर भी शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और कारोबार के क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहा है। ऐसे में इस सीधी उड़ान से विद्यार्थियों, पेशेवरों और कारोबारियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही दोनों शहरों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक यात्राओं को भी बढ़ावा मिलेगा। इंडिगो के अनुसार, नई सेवा शुरू होने के बाद भुवनेश्वर से उसके माध्यम से जुड़ने वाले शहरों की संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी। पुणे से भुवनेश्वर के लिए उड़ान संख्या 6ई 6055 रात 11:50 बजे रवाना होगी और भुवनेश्वर से वापसी की उड़ान रात 2:35 बजे संचालित होगी।



गोयल ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें भारत में निवेश और कारोबार के अवसर तलाशने का न्योता दिया। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

गोयल ने ब्लैकस्टोन के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी जोनाथन ग्रे और अंतरराष्ट्रीय निजी इक्विटी कारोबार के चेयरमैन प्रकाश मेलवानी से मुलाकात की। इस दौरान भारत में ब्लैकस्टोन के निवेश और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार हुआ। न्यूबर्गर बर्मन के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉर्ज वॉकर के साथ वित्तीय और धन प्रबंधन सेवाओं में भागीदारी मजबूत करने पर चर्चा हुई। एस्टी लॉडर के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन डी ला फेवेरी से भारत के बढ़ते सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल बाजार, विनिर्माण और सोर्सिंग में विस्तार की संभावनाओं पर बातचीत हुई।



आईबीएम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कृष्णा के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड ढांचे, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। मेटलाइफ, जनरल अटलांटिक और एआईए ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी भारत में निवेश, बीमा और वित्तीय सेवाओं के विस्तार पर विचार-विमर्श किया गया।

भारत-स्विट्जरलैंड में आर्थिक-तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और स्विट्जरलैंड ने आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने का संकल्प लिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के साथ बैठक में दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय निवेश संधि को जल्द अंतिम रूप देने को लेकर चर्चा की। माना जा रहा है कि यह संधि दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने और कारोबारी संबंधों को अधिक स्थिर एवं मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे पहले विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ हुई बैठक में स्विट्जरलैंड ने भारत के साथ संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 45 मिलियन स्विस फ्रैंक के अतिरिक्त वित्त पोषण की घोषणा की।



साझेदारी मजबूत

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत मिशन मोड में नई प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। वहीं, राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन ने भारत को तेजी से उभरती अनुसंधान एवं विकास शक्ति बताते हुए उसके साथ तकनीकी साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत से संकेत मिलता है कि आने वाले समय में भारत और स्विट्जरलैंड के संबंध निवेश से आगे बढ़कर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र तक पहुंच सकते हैं।

सेंसेक्स 429 अंक टूटा निफ्टी 22,603 पर बंद

एजेंसी, मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार, 7 अक्टूबर को लगातार दो दिनों की तेजी के बाद गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 429.11 अंक यानी 0.59 प्रतिशत टूटकर 72,638.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 173.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,603.05 अंक पर रहा। बाजार में 1928 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2251 शेयरों में गिरावट रही और 192 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में टाइटन कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख गिरावट वाले शेयर रहे। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, बीएसई लिमिटेड, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और कोल इंडिया में तेजी रही। क्षेत्रवार कारोबार में मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को छोड़कर अधिकांश सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। एफएमसीजी, सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन, धातु और रियल्टी क्षेत्रों में एक से दो प्रतिशत तक गिरावट रही। बाजार में दबाव की एक प्रमुख वजह रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी बाजार की धारणा प्रभावित की।

रेपो रेट महंगाई की चिंता के बीच आरबीआई ने बढ़ाया रेपो रेट, कर्ज होगा महंगा

रेपो रेट को 5.25 फीसदी से बढ़ाकर 5.5 किया

एजेंसी, मुंबई

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता और महंगाई की चुनौती के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति को लेकर सख्त रुख अपनाया है। आरबीआई ने करीब साढ़े तीन साल के अंतराल के बाद नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने मौद्रिक नीति रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'जरूरत के अनुसार सख्त' करने का निर्णय लिया है। आरबीआई के इस फैसले का सीधा असर बैंकों से मिलने वाले कर्ज की लागत पर पड़ सकता है और आने वाले समय में आवास, वाहन तथा अन्य ऋणों की मासिक किस्तों में बढ़ोतरी की संभावना बन सकती है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में जारी अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए समिति ने आम सहमति से रेपो रेट में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी का निर्णय किया है। केंद्रीय बैंक का यह कदम महंगाई पर नियंत्रण बनाए रखने और अर्थव्यवस्था में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेपो रेट वह दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी अल्पकालिक जरूरतों के लिए आरबीआई से धन लेते हैं। जब यह दर बढ़ती है तो बैंकों के लिए धन जुटाने की लागत बढ़ सकती है, जिसका असर आगे चलकर ग्राहकों को मिलने वाले ऋण पर पड़ता है।

हालांकि, आरबीआई ने ब्याज दर बढ़ाने के साथ आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर सकारात्मक अनुमान भी पेश किया है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। यह संशोधन बताता है कि आरबीआई को भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी मजबूती और घरेलू मांग को लेकर भरोसा बना हुआ है। दूसरी ओर, मुद्रास्फीति के अनुमान को भी पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत किया गया है। ऐसे में केंद्रीय बैंक के सामने आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के साथ कीमतों पर नियंत्रण रखने की दोहरी चुनौती है।

आरबीआई के रुख में बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण संकेत यह है कि आने वाले समय में नीतिगत दरों में कटौती की संभावना फिलहाल कमजोर दिखाई दे रही है। गवर्नर ने संकेत दिया कि आगे ब्याज दरों में या तो बढ़ोतरी हो सकती है या उन्हें मौजूदा स्तर पर बनाए रखा जा सकता है।



आरबीआई गवर्नर

होम लोन और वाहन कर्ज पर असर

उल्लेखनीय है कि फरवरी 2023 के बाद यह पहला अवसर है जब आरबीआई ने रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। इससे पहले फरवरी से दिसंबर 2025 के बीच केंद्रीय बैंक ने कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की थी। इसके बाद इस वर्ष फरवरी, अप्रैल, जून और अगस्त में हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठकों में नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया गया था। लंबे समय तक दरों को स्थिर रखने के बाद अब बढ़ोतरी का फैसला इस बात का संकेत है कि आरबीआई आर्थिक परिस्थितियों को नए सिरे से देखते हुए अपनी रणनीति में बदलाव कर रहा है। रेपो रेट में बढ़ोतरी का प्रभाव सबसे पहले ऋण लेने वाले लोगों पर पड़ सकता है। यदि बैंक अपनी ऋण दरों में बढ़ोतरी करते हैं तो नए कर्ज महंगे हो सकते हैं और पहले से कर्ज ले चुके ग्राहकों की मासिक किस्त भी बढ़ सकती है।